तापमान
अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 20°C

सेंसेक्स
80,501.99
24,346.70

सोना चांदी
96,750
98,000

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

www.shahtimesnews.com

देहरादून, शनिवार 3 मई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 270 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

बैसाख शुक्ल पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082

4 जिल कदा 1446 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

इजरायल ने दमिश्क में राष्ट्रपति भवन के निकट किया हमला

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

केसीए पर विवादित टिप्पणी: श्रीसंत पर लगा तीन साल का प्रतिबंध

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस दिया। कोर्ट में मामले की दूसरी सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने मामले में सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, मेसर्स यंग इंडिया और मेसर्स डोटेक्स मर्केंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को भी नोटिस दिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि किसी भी स्तर पर बात सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई में जान फूंकता है। मामले की अगली सुनवाई अब 8 मई को होगी। 25 अप्रैल को कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में कुछ डॉक्यूमेंट्स गायब हैं, दाखिल करें।

छह लोगों के पाकिस्तान डिपोर्टेशन पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को श्रीनगर के अहमद तारिक बट्ट के परिवार के 6 सदस्यों को पाकिस्तान डिपोर्ट करने पर रोक लगा दी। कहा कि जब तक इन लोगों के आइडेंटिटी डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई नहीं हो जाते, तब तक उनको डिपोर्ट नहीं किया जाए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने देश में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया था। बट्ट परिवार को भी देश छोड़ने का नोटिस मिला। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने परिवार को यह स्वतंत्रता दी कि यदि वे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आदेश से खुश नहीं हैं, तो जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। कोर्ट ने ये भी कहा है कि इस मामले में दिया कोर्ट का आदेश मिसाल के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटा, एनएच-44 बंद

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रामबन में शुक्रवार को बादल फट गया। सड़क पर मडस्लाइडिंग (कीचड़) के चलते जम्मू- श्रीनगर हाईवे (एनएच-44) दोनों तरफ से बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि हाईवे क्लियर हुआ या नहीं, सोशल मीडिया पर इसका स्टेटस चैक करके ही निकलें। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर-यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। दिल्ली एयरपोर्ट से 200 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। 2 को जयपुर और एक को अहमदाबाद में लैंड करवाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेट करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने कहा कि फ्लाइट ऑपरेशन नार्मल है। दिल्ली एयरपोर्ट से रोज करीब 1,300 उड़ानों की आवाजाही होती है। इससे पहले गुरुवार को पश्चिम बंगाल के संदकफू में ताजा बर्फबारी हुई। जम्मू में भारी बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर गरजे भारतीय सेना के विमान

शाहजहांपुर। उप्र में शाहजहांपुर के जलालाबाद में बनी हवाई पट्टी पर शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने लैंडिंग ट्रायल करते हुए अपना दम दिखाया।

शाहजहांपुर के गंगा एक्सप्रेसवे पर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है। यह देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन और रात में उतर सकेंगे। भारतीय वायुसेना के जंगी जहाजों ने शुक्रवार को गंगा एक्सप्रेसवे पर अपनी ताकत दिखाई। शाहजहांपुर स्थित साढ़े तीन किलोमीटर एयर स्ट्रिप पर राफेल, मिराज और जगुआर ने एयर शो किया। इन लड़ाकू विमानों ने गंगा एक्सप्रेसवे पर टच एंड गो प्रैक्टिस की। इस एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे का बदायूं से लेकर प्रयागराज तक 464 किलोमीटर के एक्सप्रेसवे का निर्माण अग्रणी औद्योगिक समूह अदाणी ग्रुप के द्वारा किया जा रहा है। बदायूं से हरदोई तक 151.7 किमी, हरदोई से उन्नाव तक 155.7 किमी और उन्नाव से प्रयागराज तक 157 किमी के तीन समूहों का निर्माण कर रहा है, जिसे आठ लेन तक बढ़ाया जा सकता है। गंगा एक्सप्रेस का लगभग 80 प्रतिशत से ऊपर काम पूरा हो गया है। जलालाबाद तहसील के गांव पीरू के पास गंगा एक्सप्रेस वे 3.5 किलोमीटर लंबी आधुनिक नवनिर्मित नाइट लैंडिंग हवाई पट्टी पर शुक्रवार को मौसम खराब होने क

वायुसेना के जंगी जहाजों ने किया लैंडिंग ट्रायल

कारण अपराह्न 12:47 मिनट पर भारतीय वायुसेना ने ऐतिहासिक शौर्य दिखाते हुए मालवाहक विमान सहित राफेल, मिराज, जगुआर मिग-24 समेत 16 लड़ाकू विमानो को हवाई पट्टी पर लैंडिंग करके यहां से उड़ान भरी। नाइट लैंडिंग शो के लिए कटरा जलालाबाद राज्य मार्ग शाम 7:00 बजे से रात्रि 10 बजे तक पूरी तरह से बंद किया गया है। यहां सुरक्षा के लिए इस पूरे क्षेत्र में 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भारतीय वायुसेना का शक्ति प्रदर्शन देखने के लिए स्कूली बच्चों के साथ ग्रामीणों भारी संख्या में जुड़े।

वैदिक मंत्रोच्चार व विधि विधान से खुले बाबा केदार के कपाट

शाह टाइम्स ब्यूरो

रुद्रप्रयाग। पौराणिक परंपराओं, रीति-रिवाजों व विधि-विधान के साथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों में अग्रणी भगवान केदारनाथ के कपाट शुक्रवार प्रात: सात बजे आम भक्तों के दर्शनों के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के साक्षी बीस हजार से अधिक भक्त बने। कपाट खुलने के बाद समाधि में लीन बाबा केदार को जागृत किया गया और फिर विशेष पूजा-अर्चना की गई। अब भक्त धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शनों का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

शुक्रवार प्रात: सात बजे केदारनाथ भगवान के कपाट आम भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। मंदिर समिति के अधिकारी- कर्मचारियों की मौजूदगी में केदारनाथ धाम के रावल भीमा शंकर लिंग और पुजारी बागेश लिंग ने कपाट खोलने की प्रक्रिया पूरी। इस दौरान सम्पूर्ण केदारनगरी जय श्री केदार के उदघोषों से गूंज उठी। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कपाट खुलने पर केदारनाथ धाम में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। केदारनाथ धाम में सबसे पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपाट खुलने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य के साथ ही संपूर्ण देश को इस पल की प्रतीक्षा रहती है। केदारनाथ धाम सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के साथ ही भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। हमारे राज्य के लिए यह उत्सव का समय है। मुख्यमंत्री ने बाबा केदार से सभी यात्रियों की मंगलमयी यात्रा की प्रार्थना की।

कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद रहे 20 हजार से अधिक भक्त

पहली पूजा पीएम मोदी के नाम की हुई संपन्न

कपाट खुलने की मुख्यमंत्री धामी ने दी देशवासियों को बधाई

पाक पीएम शहबाज का यूट्यूब चैनल ब्लॉक

पाक ने दो दिन बाद खोला वाघा बॉर्डर, 21 पाक नागरिक लौटे

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक कर दिया। इसके अलावा क्रिकेटर बाबर आजम, हारिस रऊफ, मोहम्मद रिजवान और शाहीन आफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिए हैं।

इस बीच, पाकिस्तान ने 2 दिन बाद शुक्रवार को वाघा बॉर्डर खोल दिया है। 30 अप्रैल से बॉर्डर बंद कर दिया था। इसके बाद कई पाक नागरिक स्वदेश नहीं लौट पाए थे। शुक्रवार को 21 पाक नागरिकों को देश लौटने की इजाजत दी गई। ये लोग वीजा सस्पेंड होने के बाद भारतीय सीमा में फंसे थे। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों की गोलीबारी में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। पहलगाम की बैसरन घाटी में एनआईए और फोरेंसिक टीम शुक्रवार को जांच करने पहुंची। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

चार क्रिकेटरों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी किए बंद, नौ को वापस लेने से किया इन्कार, बैसरन में NIA जांच जारी

पहलगाम हमले के बाद इंडियन सिस्टम पर 10 लाख साइबर अटैक, वेबसाइट व पोर्टल्स को टारगेट किया

सैन्य प्रतिष्ठानों की वेबसाइट हैक करने की पाकिस्तान की कोशिश लगातार विफल

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत की घेराबंदी से हताश पाकिस्तान भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की वेबसाइटों को हैक करने की निरंतर कोशिश कर रहा है, लेकिन भारत की साइबर सुरक्षा एजेन्सियां इन कोशिशों को निरंतर विफल कर रही हैं। सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत द्वारा निरंतर उठाए जा रहे कदमों से बौखलाए पाकिस्तान प्रायोजित हैकर समूह , 'साइबर ग्रुप एचओएएक्स1337' और 'नेशनल साइबर क्रू' भारतीय वेबसाइटों पर निरंतर साइबर हमले कर रहे हैं।

नैनीताल: दुष्कर्म के आरोपी के घर पर नहीं चलेगा बुलडोजर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट से नैनीताल में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद उस्मान व रुक्कुट वासियों को बड़ी राहत मिली है। अब नगर पालिका मोहम्मद उस्मान व अन्य को अतिक्रमण हटाने के सम्बंध में दिए गए नोटिस को वापस लेगी। नगर पालिका ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का पालन न करने पर अपनी गलती स्वीकार की है।

मोहम्मद उस्मान के अधिवक्ता डा. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने नगर पालिका नैनीताल द्वारा मोहम्मद उस्मान को दिए नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि अतिक्रमण हटाने से पूर्व 15 दिन का नोटिस देना होता है, लेकिन नगर पालिका ने केवल तीन दिन का समय -शेष पृष्ठ दो पर

नैनीताल हाईकोर्ट ने दी राहत, पालिका व पुलिस को लगाई फटकार

दिया जबकि आरोपी जेल में है। इसके अलावा क्षेत्र के कई दर्जन अन्य लोगों को नोटिस दिए हैं। यह अपने आप में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है। इस मामले की सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की स्पेशल बेंच बनी थी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल प्रहलाद नारायण मीणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व नैनीताल नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रथम व द्वितीय कोर्ट में पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान तीन दिन का समय दिए जाने के नोटिस पर नगर पालिका ने अपनी गलती

25 YEARS OF SERVICE AND EXCELLENCE | MAX Healthcare

Caring beyond the CLOCK

Max Hospital, Dehradun is now also open for OPDs from 5:00 pm to 7:00 pm, so your health doesn't take a backseat.

Specialities

Plastic Surgery | Obstetrics & Gynecology | Paediatrics | Urologist | Internal Medicine

and more

To book an appointment

0135 3500 800

*Consultations available by prior appointment only

संक्षिप्त समाचार

अंबेडकर के अपमान पर एसटी कमीशन दर्ज कराएगा केस

लखनऊ। प्रदेश अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत कहा कि संविधान रचयिता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान का स्वत: संज्ञान लेकर आयोग दोषियों के खिलाफ एफआईआर कराएगा। रावत ने कहा कि आयोग ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया और लखनऊ के पुलिस आयुक्त को दोषियों के विरुद्ध मुक. दमा पंजीकृत करने को कहा। गौरतलब है कि समाजवादी लोहिया वाहिनी के पोस्टर जिसमें डा. अंबेडकर के चित्र के आधे भाग पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के चित्र को प्रदर्शित किया गया है। रावत ने इस कृत्य की निदा करते हुए कहा कि महापुरुषों का अपमान और राष्ट्र विरोधी तत्वों का महिमामंडन सपा की फितरत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अनु.जाति और अनु. जनजाति आयोग की ओर से स्वत: संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त लखनऊ को पत्र लिखा कि दोषियों के विरुद्ध अनु. जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत करते हुए कार्रवाई करें।

गोरखपुर के वरिष्ठ पत्रकार कृपा शंकर पांडे का निधन

प्रतापगढ़। समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑपफ इंडिया (यूएनआई) में चार दशक से अधिक समय तक अपनी सेवा दे चुके वरिष्ठ पत्राकार कृपा शंकर पांडे का शुक्रवार भोर यहां हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। वह करीब 82 वर्ष के थे। आज भोर उन्होंने अपने पैतृक निवास प्रतापगढ़ में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में संगम तट पर किया जाएगा। पांडे के निधन पर सामाजिक संगठनो,राजनीतिक दलों और पत्रकार संगठनों ने दुख प्रकट किया है। हाल ही में पांडे के पुत्र का निधन लंबी बीमारी के बाद हो गया था, जिससे वह काफी व्यथित रहते थे। मृद भाषी और सरल स्वभाव रखने वाले पांडे ने करीब 42 वर्ष तक यूएनआई में अपनी सेवा दी। वर्ष 2005 में सेवानिवृत्ति से पहले वह गोरखपुर और कानपुर में यूएनआई के ब्यूरो प्रमुख भी रहे थे। वह 1993 में गठित प्रेस क्लब गोरखपुर की कार्यकारिणी में महामंत्री रहे और गोरखपुर के सर्वप्रथम पत्रकारिता संगठन गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन की पूर्ववर्ती संस्था गोरखपुर पत्रकार परिषद के अध्यक्ष और संरक्षक भी रहे थे।

उत्तर प्रदेश में फूड एंड रेस्टोरेंट बिजनेस को मिली ऊंची उड़ान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और व्यवसाय सुगमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में खाद्य लाइसेंस और पंजीकरण में पिछले कुछ वर्षों में 200 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि न केवल खाद्य व्यवसायियों के लिए बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 1,16,316 फूड लाइसेंस और लगभग 7,43767 फूड रजिस्ट्रेशन सक्रिय हैं, जो प्रदेश में खाद्य व्यवसायों की बढ़ती संख्या और विभाग की सक्रियता को दर्शाता है। इसके साथ योगी मार्गदर्शन में प्रदेश का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग व्यापार सुगमता के साथ–साथ खाद्य सुरक्षा के लिए भी पूरी सतर्कता से कार्यरत है।

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ें: योगी

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सभी करें प्रतिभाग

लखनऊ, वार्ता

तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा विभाग की समीक्षा

■ राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहल की गई, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम मिल रहे हैं, आवेदन से पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्ताप. रक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएपफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, मगर आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्राी ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए। इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। योगी शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि डा. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में वर्ष 2024–25 हेतु कुल 1.64 लाख सीटों पर नामांकन हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें एमओओसी आधारित अध्ययन, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री–एग्जिट तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम सम्मिलित किए गए हैं। सत्र 2023–24 में विश्वविद्यालय के 12,739 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ, जिसमें अधिकतम वार्षिक वेतन 59.91 लाख रुपये रहा। इसी प्रकार, एमएमएमयूटी, गोरखपुर में वर्ष 2023–24 में छात्रों को 52 लाख रुपये वार्षिक वेतन तक के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। योगी ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्रा से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें।

उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करते समय स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं एवं संभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए। तकनीकी शिक्षा के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश में कुल 2139 पॉलीटेक्निक संस्थान संचालित हो रहे हैं, जिनमें 147 राजकीय, 18 पीपीपी मोड, 19 अनुदानित एवं 1948 निजी संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों में 2.68 लाख से अधिक प्रवेश क्षमता उपलब्ध है, जिनमें 1.15 लाख से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। विभाग द्वारा डिजिटल कक्षाएं, आधार आधारित बायोमैट्रिक उपस्थिति, उद्योग–संलग्न पाठ्यक्रम, तथा फंटियर टेक्नोलॉजी जैसे ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग को पाठ्यक्रमों में समाहित किया गया है।

2030 तक निर्यात को तीन गुना करने का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक निर्यात को तीन गुना करने की है। निर्यात बढ़ाने के इस लक्ष्य में खेतीबाड़ी की अहम भूमिका होगी। राष्ट्रीय स्तर के निर्यात के आंकड़े भी यही कहते हैं। इन आंकड़ों के मुता. बिक कोविड–19 के बाद से ही कृषि एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है। 2023–2024 की तुलना में 2024–2025 में वृद्धि की यह दर करीब 10 फीसद रही। कई फलों एवं सब्जियों को नए बाजार मिले। वैश्विक स्तर की बेहतरीन कनेक्टिविटी और देश के इकलौते अंतर्राज्यीय जलमार्ग (प्रयाग से हल्दिया) के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से खाड़ी के देशों को सब्जियों के निर्यात में वृद्धि हुई है। वैसे तो सेहत का सेक्टर शुरू से सर्वोपरि रहा है, पर कोविड के बाद यह क्रेज के रूप में उभरा है। लोगों के फूड बिहेवियर में आमूलचूल बदलाव आया है। यूरोप और अमेरिका में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग बढ़ी है। इन देशों के निर्यात के मानक उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर बेहद सख्त हैं। इसलिए योगी सरकार निर्यात के मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एशिया के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) के पास एक्सपोर्ट हब विक. सित कर रही है। इस हब में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला भी होगी। ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग से प्राकृतिक खेती करने वाले किसान खुशहाल होंगे। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ सरकार का पफोकस कृषि विविधीकरण और प्राकृतिक खेती पर भी है।

बुजुर्ग होते हैं अतीत की कड़ी व भविष्य के मार्गदर्शक: मुर्मू

नई दिल्ली, वार्ता

■ सम्मान के साथ वृद्धावस्था कार्यक्रम में बोली राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुजुर्गों को अतीत की कड़ी और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि सभी को उनके मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए। मुर्मू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल– 'सम्मान के साथ वृद्धावस्था' नामक कार्यक्रम में भाग लिया।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक के लिए आवासों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक उपकरणों का वितरण और सामा. जिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारी संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि माता–पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा–दादी के साथ बहुत सहज होते हैं। बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं। जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते–फूलते देखते हैं, तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था आध्यात्मिक रूप से खुद को सशक्त बनाने, अपने जीवन और कार्यों का विश्लेषण करने तथा सार्थक जीवन जीने का भी एक चरण है। आध्यात्मिक रूप से सशक्त वरिष्ठ नागरिक देश और समाज को अधिक समृद्धि तथा प्रगति की ओर ले जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बुजुर्ग अतीत की कड़ी होते हैं और भविष्य के मार्गदर्शक भी होते हैं। एक राष्ट्र के रूप में यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे वरिष्ठ नागरिक अपना बुढ़ापा गरिमा और सक्रियता के साथ जिएं।

पहलगाम आतंकी हमले में पाक का हाथ: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, वार्ता

■ भारत में सभी हमलों का हैंडलर है पाकिस्तान

पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने पर जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कोई भी हो सकता है, क्योंकि जब तक हम उन्हें पकड़ नही लेते, तब तक हम पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते, लेकिन हैंडलर वही हैं, उन्होंने पहले भी ऐसा किया है। यह कोई नई बात नहीं है। उरी के पीछे भी वे (पाकिस्तान) ही थे।

पुलवामा में जो हुआ, उसे देखिए, किसने किया? मुंबई, पठानकोट, बिलावर के पीछे कौन था? राजौरी और पुंछ में कौन काम कर रहा है? हैंडलर वही हैं। फारूख अब्दुल्ला से एक कार्यक्रम में जब पूछा गया कि क्या पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है, तो उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता, तो वे आज पीएम नहीं होते। प्रधानमंत्री के तौर पर हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है और वे उस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले में स्थानीय लोगों की संभावित संलिप्तता पर कारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो सकता है। ऐसी घटनाएं स्थानीय समर्थन के बिना भी हो सकती हैं। वे यहां कैसे और किस तरह से आए? मैंने पहले भी यही कहा था, जब मौलाना अजहर को रिहा किया गया था, तो मैंने इसके खिलाफ चेतावनी दी थी। मैंने कहा था, उसे रिहा मत करो, वह रास्तों को जानता है और उन्हें मैप भी कर चुका है। लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं सुनी, वे उसे सीमा पार ले गए। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बारे में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं वर्षों से कह रहा हूं कि इस संधि पर फिर से बातचीत होनी चाहिए।

कानपुर के एसडीएम और तहसीलदार समेत चार पर केस दर्ज

कानपुर। कोर्ट का आदेश पालन नहीं करने पर कानपुर के एसडीएम और तहसीलदार समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कानपुर के पनकी क्षेत्र की एक भूमि विवाद में लाप. रवाही बरतने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सूरज मिश्रा की कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है।

कोर्ट ने एसडीएम सदर, तहसीलदार, कानूनगो और लेखपाल के खिलाफ प्रकीर्ण वाद दर्ज करने का आदेश दिया है। मामला भूमि की पैमाइश न किए जाने और कोर्ट के आदेशों की अनदेखी से जुड़ा हुआ है। ज्ञात हो कि पनकी निवासी सोबरन पाल ने मेवालाल से जमीन खरीदी थी, लेकिन अब तक पैमाइश नहीं हुई। आरोप है कि इसी बीच मेवालाल, सुरेश सिंह चौहान (निवासी गांधी गांव), सुरेंद्र सिंह (तात्याटोपे नगर) और सुभाष यादव (मेहरबान सिंह का पुरवा) ने मिलकर इस जमीन को अपनी जमीन में मिलाकर उसे अन्य लोगों को बेचना शुरू कर दिया। सोबरन पाल ने कई बार तहसीलदार को भूमि की पैमाइश के लिए आवेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी से शिकायत की, जिस पर डीएम ने तहसीलदार को पैमाइश कराने का निर्देश दिया, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

50 प्रतिशत आरक्षण सीमा हटाई जाए: राहुल

नई दिल्ली, वार्ता

■ निजी संस्थानों में आरक्षण लागू करने की मांग की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना का स्वागत करते हुए 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा हटाने और निजी संस्थानों में आरक्षण लागू करने की मांग की है। इस जनगणना से आरक्षण नीति में बड़ा बदलाव आ सकता है और निजी स्कूल–कॉलेज पर भी असर पड़ेगा।

जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना पहला कदम है, ये दरवाजा खोलने का तरीका है। उसके बाद विकास का काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि 50 फीसदी आरक्षण की लिमिट खत्म की जानी चाहिए। इसके अलावा संविधान की धारा 15(5) के तहत प्राइवेट शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई, जिस तरह सरकारी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण कायम है। ऐसे में जातीय जनगणना और राहुल गांधी की मांग से निजी स्कूल और शिक्षण संस्थान पर पड़ेगा। देश में जातिगत जनगणना के आंकड़े सामने आने के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने का दबाव सरकार पर पड़ेगा। जातिगत जनगणना से हर जाति की गिनती होगी और प्रमाणिक आंकड़ा सबके सामने होगा। ऐसे में जातिगत जनगणना पर मोदी सरकार के फैसला लेने के बाद राहुल गांधी ने आरक्षण की लिमिट बढ़ाने की मांग उठा दी है। 1931 की जाति गणना में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी से अधिक बताग्र गई थी। मंडल आयोग में ओबीसी की आबादी 52 फीसदी मानी गई थी, पर राज्यों के सर्वे में ओबीसी की संख्या बढ़कर सामने आई है। जाति गणना से राष्ट्रीय स्तर पर हर जाति की जनसंख्या का पता लग सकेगा। राहुल गांधी ने कहा कि सामाजिक न्याय केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि निजी क्षेत्र में भी समान अवसर सुनिश्चित किए जाने चाहिए। इसके लिए उन्होंने बाकायदा अनुच्छेद 15(5) को लागू करने का सुझाव दिया, जिसके जरिए संविधान में ही प्राइवेट स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था का जिक्र है। इससे साफ है कि जातिवार जनगणना के साथ प्राइवेट क्षेत्र में भी आरक्षण की मांग तेज हो सकती है। कांग्रेस ने अहमदाबाद के अधिवेशन में निजी क्षेत्र में आरक्षण की वकालत की थी और उसके लिए प्रस्ताव लाई थी। राहुल गांधी ने अनुच्छेद 15(5) की बात करके निजी स्कूल और कॉलेज में आरक्षण के मुद्दे को सियासी चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

अर्थ व्यापार

लिवाली के बल पर शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, वार्ता

वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर सर्विसेस, एनर्जी, तेल एवं गैस और टेक जैसे समूहों की कंपनियों में हुई लिवाली के बल पर शेयर बाजार सप्ताहांत पर उतार चढ़ाव के बीच बढ़त बनाने में सपफल रहा।

शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 259.75 अंकों की बढ़त के साथ 80501.99 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 12.50 अंक बढ़कर 24346.70 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में जहां लिवाली देखी गई, वहीं मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली का दबाव दिखा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप 0.41 प्रतिशत टूटकर 42707.87 अंक पर और स्मॉलकैप 0.07 प्रतिशत फिसलकर 47365.54 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल समूहों में से बढ़त में रहने वालों में सर्विसेस 1.67 प्रतिशत, तेल एवं गैस 0.69 प्रतिशत, एनर्जी 0.57 प्रतिशत, टेक फोक्सड 0.49 प्रतिशत और आईटी 0.45 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। गिरावट में रहने वालों में टेलीकम्युनिकेसंस 2.06 प्रतिशत, सीडी 1.66 प्रतिशत, पावर 0.96 प्रतिशत, रियल्टी 0.56 प्रतिशत और धातु 0.62 प्रतिशत शामिल है। बीएसई में कुल 4085 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2183 लाल निशान में जबकि 1761 हरे निशान में दिखी और 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर चीन के शंघाई कंपोजिट 0.23 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख समूहों में तेजी रही, जिसमें ब्रिटेन का एपफटीएसई 0.76 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 1.75 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.04 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.74 प्रतिशत शामिल है। बीएसई का सेंसेक्स 58 अंकों की बढ़त के साथ 80300.19 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 81177.93 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके दबाव में यह 80168.59 अंक के निचले स्तर तक उतरा।

पंडा ने सेल के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला

नई दिल्ली। डा. अशोक कुमार पंडा ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला है। सेल ने आज यहां जारी बयान में कहा कि डा. पांडा ने 30 अप्रैल को कार्यभार संभाला था। डा. पंडा ने 1992 में सेल में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अपने करियर के दौरान, डा. पंडा ने सेल के विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों में विभिन्न पदों पर काम किया है। अपने वित्तीय एवं तकनीकी ज्ञान और प्रोएक्टिव अप्रोच के लिए व्यापक रूप से जाने जाने वाले डा. पंडा को वित्तीय लेखांकन, लागत और बजट, बिजनेस प्लानिग, राजकोष संचालन, टैक्सेशन व रणनीतिक प्रबंधन तक के क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता हासिल है।

खाद्य तेलों व सभी जिंसों में टिकाव रहा

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों में लगातार जारी गिरावट और स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल–तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 39 रिंगिट उतरकर 3971 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमे. रिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की गिरावट लेकर 49.02 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सोया रिफाइंड, पॉम आयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, वनस्पति तेल और सूरजमुखी तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़–चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे। दाल–दलहन: दाल–दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:– दाल–दलहन: चना 5850–5950, दाल चना 6850– 6950, मसूर काली 7550–7650, मूंग दाल 9650–9750, उड़द दाल 9150–9250, अरहर दाल 8400–8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : गेहूं दड़ा 2950–3050 रुपये और चावल 3550–3650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी–गुड़: चीनी एस. 4280–4380, चीनी एम. 4500– 4600, मिल डिलीवरी 3620–3720 और गुड़ 4400–4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 15751 रुपये, मूंगफली तेल 18314 रुपये, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये, सोया रिफाइंड 14725 रुपये, पाम ऑयल 13919 रुपये और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

पाक पीएम...

पहलगाम हमला करने वाले आतंकी दक्षिण कश्मीर के जंगलों में छिपे हैं। उनके पास राशन–पानी है, ऐसे में ये इन पहाड़ी इलाकों में लंबे समय तक रह सकते हैं। 21 पाकिस्तानी नागरिक 2 मई को अटारी–वाघा बॉर्डर से अपने देश पहुंच गए। पाकिस्तानी नागरिकों के भारत छोड़ने की डेडलाइन खत्म होने के बाद ये लोग बॉर्डर पर फंसे हुए थे। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के हर तरह के वीजा रद्द कर दिए थे। उन्हें 30 अप्रैल तक भारत छोड़ने का आदेश था। इस बीच पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटरों बाबर आजम, हारिस रऊफ, मोहम्मद रिजवान और शाहीन आफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अटारी बॉर्डर पर पहुंचे 9 नागरिकों को वापस लेने से इन्कार कर दिया। भारत सरकार के आदेश के बाद ये लोग अटारी बॉर्डर से पाकिस्तान वापस जाने के लिए पहुंचे थे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसका कारण नहीं बताया है। वहीं महाराष्ट्र साइबर ने शुक्रवार को बताया कि पहलगाम हमले के बाद इंडियन सिस्टम पर 10 लाख साइबर अटैक हुए हैं। महाराष्ट्र पुलिस की साइबर क्राइम डिटेक्शन विंग ने कहा कि 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद साइबर अटैक में तेजी आई है। महाराष्ट्र साइबर डिपार्टमेंट के डीजीपी यशस्वी यादव ने कहा कि इन अटैक्स में भारतीय वेबसाइट और पोर्टल्स को टारगेट किया गया। ज्यादातर हैकिंग ग्रुप्स ने खुद के इस्लामिक ग्रुप होने का दावा किया।

नैनीताल: दुष्कर्म...

स्वीकार करते हुए नोटिस वापस लेने की जानकारी कोर्ट को दी। हाईकोट ने दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी के बाद नैनीताल में हुए विरोध प्रदर्शन पर कड़ी नाराजगी जताई और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल सहित पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने ऐसे मामले ने सख्ती से निपटने की सलाह दी है। मामले की अगली सुनवाई की तिथि 6 मई (मंगलवार) को होगी। उस दिन पुलिस व नगर पालिका कोर्ट के आदेशों के पालन की रिपोर्ट देनी है। कोर्ट ने उस उस दिन महाधिवक्ता तथा मुख्य स्थायी अधिवक्ता तथा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सहित ईओ नगर पालि. का से भी पेश होने को कहा है।

सुनवाई पर कोर्ट ने कहा कि गाड़ी पड़ाव में घटना के समय लोग एक दूसरे की जान लेने के लिए उतारू थे लेकिन पुलिस उन्हें शांत करने के बजाय घूम रही थी। पुलिस के उच्चाधिकारी व प्रसाशन कई समय तक वहां मौजूद नहीं था। कोर्ट ने ईओ को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको एक मई को ही कैसे पता चला कि मकान अवैध भूमि पर बना है। कोर्ट ने जब आरोपी को पेशी के लिए हल्द्वानी कोर्ट में पेश किया, तो अधिवक्ताओं ने वहां भी विरोध प्रदर्शन किया, जबकि आरोपी पुलिस की कस्टडी में पकड़ा गया है। अब धरना प्रदर्शन करने की क्या जरूरत थी?

श्रेय लेना अखिलेश का बचकाना प्रयास: अंसारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ जातिगत जनगणना पर बोले यूपी के मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि समा. जवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव जातिगत जनगणना के केंद्र सरकार के ऐतिहासिक फैसले का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, जो निहायत ही बचकाना है।

अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि जातिगत जनगणना का केंद्र सरकार का फैसला पिछड़े पसमांदा मुस्लिम समाज के सामाजिक न्याय को मजबूती देगा और समाज के सभी वर्गों के उत्थान और प्रगति में मददगार होगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह कहना कि पीडीए के दबाव में सरकार को यह फैसला लेना पड़ा, निहायत बचकाना और राजनीतिक स्वार्थ से परिपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि दलित, पिछड़ा अल्पसंख्यकों के हितचिंतक बनने का ढोंग करने वाले अखिलेश को पता होना चाहिए कि 2009 में केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार सपा और बहुजन समाज पार्टी के सहयोग से बनी थी, उस समय जातिगत जनगणना का फैसला क्यों नहीं लिया गया। भाजपा नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के संकल्प के साथ देश को विकास के पथ पर ले जा रही है, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में समाज के सभी तबकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर पारदर्शिता के साथ अमल हो रहा है और प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

अच्छी नीति का विरोध करती है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को जातिगत जनगणना को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा जातिगत जनगणना पर सरकार का फैसला उसके उन तरीकों के जैसा है, जिसमें पहले तो वो हर अच्छी योजना या नीति का विरोध करती है, उन्हें बदनाम करती है और फिर जनता के दबाव एवं हकीकत का सामना करने पर उन्हीं नीतियों को अपना लेती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार के पास न तो अपना कोई दृष्टिकोण है और न ही समस्याओं को हल करने की कोई दिशा है, बल्कि वो सिर्फ जनता का ध्यान भटकाने, असल मुद्दों से भागने और अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने में माहिर है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा–UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर हो सख्त कार्रवाईः सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने और नैनीताल में नाबालिक पीड़िता के साथ हुई घटना पर अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं ৳ उन्होंने जिला प्रशासन नैनीताल को निर्देश दिये कि पीड़िता की देखभाल एवं उनके परिवार को पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पीड़िता और उसके परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भ्रामक जानकारियां देने और अफवाह फैलाने वालों की तत्काल पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भूमि और राज्य की अस्मिता के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी व्यक्ति या संगठन देवभूमि की एकता को तोड़ने का दुस्साहस करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

■ मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश, नैनीताल पीड़िता के परिवार को सुरक्षा देने के भी निर्देश,किरायेदारों के सत्यापन प्रमाण पत्रों आदि की तलब की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से पूरी सतर्कता बरती जाए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। किरायेदारों के सत्यापन, रेहड़ी-पटरी, वालों, अवैध तरीके से भूमि पर कब्जा करने वालों और जिन लोगों के अवैध तरीके से प्रमाण पत्र बने हैं, उन पर की गई कार्रवाई की समस्त रिपोर्ट जिलाधिकारियों को तीन दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं।

बैठक में मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन, डीजीपी श्री दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, अपर पुलिस महानिदेशक वी. मुरूगेशन, ए.पी. अंशुमन, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, वर्चुअल माध्यम से आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी कुमांऊ रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी नैनीताल वंदना, जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन भदौरिया, एसएसपी नैनीताल श्री पी.एन.मीणा और एसएसपी ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा मौजूद थे।

वन क्षेत्र में ईको टूरिज्म की संभावनाएं तलाशी जाएंः मुख्य सचिव

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश में ईको टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने के सम्बन्ध में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश में ईको टूरिज्म के क्षेत्र में और संभावनाएं तलाशी जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का अधिकतम भू-भाग वन क्षेत्र हैं, जो प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने में सक्षम है। उन्होंने ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ ही इसमें सामुदायिक सहभागिता बढ़ाए जाने की भी बात कही।

पर्वतारोहण एवं ट्रेकिंग की अनुमतियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम किया जाए तैयार

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी गतिविधियों को निर्धारित समय पर शुरू किया जा सके, इसके लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाए और योजनाओं के कैलेंडर के अनुसार संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकृति से बिना छेड़-छाड़ किए छोटे-छोटे प्रयासों से पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि फॉरेस्ट वॉकिंग, नेचर ट्रेल जैसी गतिविधियों को बढ़ाया जाए।

■ ईको टूरिज्म की गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाएं

कहा कि पर्वतारोहण और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने हेतु सिंगल विंडो सिस्टम में तैयार किया जाए, ताकि देश विदेश से सभी प्रकार की अनुमतियां एक बार आवेदन से प्राप्त हो सकें। उन्होंने वन विभाग को कैंपिंग साइट्स भी बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। फॉरेस्ट से सम्बन्धित गतिविधियों के लिए एकीकृत वेबसाइट की जाए तैयार

मुख्य सचिव ने पर्यटकों की संख्या एवं राजस्व के लक्ष्यों को बड़ा रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अलग-अलग प्रभागों में अलग-अलग संचालित हो रही पर्यटन गतिविधियों अथवा योजनाओं के लिए अलग-अलग वेबसाइट्स के बजाय एक एकीकृत वेबसाइट तैयार की जाए, ताकि पर्यटकों को एक ही जगह पर सभी पर्यटन गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी मिल सके। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक बी. पी. गुप्ता एवं प्रमुख वन संरक्षक रंजन मिश्र, मुख्य वन संरक्षक पी.के. पात्रो आदि उपस्थित थे।

वनस्पति विज्ञान के एक दर्जन असिस्टेंट प्रोफेसरों को मिली तैनाती

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालयों में वनस्पति विज्ञान के एक दर्जन असिस्टेंट प्रोफेसरों को प्रथम तैनाती दे दी गई है। राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित इन असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति से पर्वतीय क्षेत्रों के महाविद्यालयों में विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिलेगी साथ ही प्रयोगात्मक एवं शोधात्मक कार्यों में भी युवाओं को मदद मिलेगी।

सूबे के दूरस्थ राजकीय महाविद्यालयों में विज्ञान शिक्षकों की कमी दूर की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित वनस्पति विज्ञान के 12 असिस्टेंट प्रोफेसरों को प्रदेश के दुर्गम एवं अति दुर्गम क्षेत्र के महाविद्यालयों में प्रथम तैनाती दे दी गई है। जिनमें डॉ. दिनेश गिरी को पी.जी. कॉलेज गोपेश्वर, प्रमिला को राजकीय महाविद्यालय कर्णप्रयाग, योगेन्द्र सिंह गुसाई को राजकीय महाविद्यालय अगस्तमुनि, डॉ. हिमानी बडोनी को राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट, उपेन्द्र सिंह को राजकीय महाविद्यालय जोशीमठ, स्वाति जोशी को राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसैड़, दीपिका को राजकीय महाविद्यालय जयहरिखाल, अभय सिंह पंवार को पुरोला महाविद्यालय, सुश्री प्रभा को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी, रिजवाना तबस्सुम को राजकीय महाविद्यालय द्वाराहाट, प्रतिभा ग्वाल को राजकीय महाविद्यालय बेदीखाल तथा सोनम को राजकीय महाविद्यालय भिकियासैण में प्रथम तैनाती दी गई है। इन नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसरों की तैनाती से प्रदेश के दुर्गम एवं अतिदुर्गम क्षेत्र के महाविद्यालयों में जहां विज्ञान शिक्षकों की कमी दूर होगी वहीं क्षेत्र के युवा अपने आस-पास के महाविद्यालयों में ही विज्ञान विषय की पढ़ाई कर सकेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों में पढ़ाई के साथ-साथ प्रयोगात्मक एवं शोधात्मक कार्यों का लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

■ दूरस्थ क्षेत्र के महाविद्यालयों में दूर होगी विज्ञान शिक्षकों की कमी

राज्य के महाविद्यालयों में गुणात्मक उच्च शिक्षा के लिये राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। महाविद्यालयों में विभिन्न संकायों में रिक्त पदों पर शिक्षकों की निरंतर तैनाती की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित वनस्पति विज्ञान के एक दर्जन असिस्टेंट प्रोफेसरों को दूरस्थ क्षेत्र के महाविद्यालयों तैनाती दे दी गई है। इन शिक्षकों की तैनाती से महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार होगा साथ ही प्रयोगात्मक एवं शोधात्मक कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। -

डॉ. धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

तीन, चार व पांच मई को प्रदेश के भारी बारिश होने के आसार

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का रूख बदल रहा है। बारिश एक बार फिर से मुश्किल बढ़ाने वाली है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, मौसम विभाग ने शुक्रवार से अगले पांच दिनों के लिये जहां नैनीताल और उधम सिंह नगर जिले में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है तो वहीं अन्य जिलों के लिए येलो चेतावनी जारी है। तीन मई आनी आज के लिये पूरे प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार तीन, चार और पांच मई को प्रदेश के भारी बारिश होने के आसार है। इन तीन दिनों में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, खासकर चारधाम यात्रियों को।

मौसम विभाग की माने तो 6 मई को बारिश में थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, इसीलिए 6 मई के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

सभी राज्यों को एनसीईआरटी से उपलब्ध हो पाठ्य पुस्तकेंः डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून/दिल्ली। उत्तराखंड के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 59वीं आम सभा में कई अहम सुझाव रखे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डा. रावत ने सभी राज्यों को 12वीं कक्षा तक की पाठ्य पुस्तकें एनसीईआरटी से उपलब्ध कराने का सुझाव रखा। साथ ही बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश के लिए निर्धारित 06 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये टीचर्स ट्रेनिंग कराने की बात बैठक में रखी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनडीएमएस सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली में एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 59वीं बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 की अनुशंसा के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों एवं अन्य शैक्षिक सामग्रियों को तैयार किया गया है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार हो सके। इस दौरान बैठक में एनसीईआरटी के कई प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। बैठक में प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कई अहम सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि 12वीं कक्षा तक की पाठ्यपुस्तकें एनसीईआरटी के माध्यम से सभी राज्यों को उपलब्ध कराई जाय ताकि नये शैक्षणिक सत्र शुरू होने पर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो सके।

■ एनसीईआरटी की 59वीं आम सभा में शिक्षा मंत्री ने रखे कई सुझाव, कहा, बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश को 6 वर्ष की बाध्यता में मिले रियायत

वर्तमान में कई राज्य अपने स्तर पर पाठ्यपुस्तकें प्राकशित कर विद्यालयों में उपलब्ध कराते हैं, जिनमें तमाम खामियां सामने आती है साथ ही समय पर बच्चों को किताबें भी नहीं उपलब्ध हो पाती है। इसके अलावा उन्होंने पहली कक्षा में बच्चों के प्रवेश के लिये 6 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने की बात रखी और कहा कि उम्र की बाध्यता के चलते इस शैक्षिक सत्र में कई बच्चे प्रवेश से वंचित रह गये हैं। उन्होंने सभी राज्यों में बालवाटिका लागू करने का भी सुझाव दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये एनसीईआरटी को टीचर्स ट्रेनिंग पर विशेष फोकस करना चाहिये ताकि राज्य भी एससीईआरटी के माध्यम से अपने प्रदेश के शिक्षकों को रोटेशन के आधार पर विशेष प्रशिक्षण देकर एनईपी-2020 के अनुरूप दक्ष बना सके।

डॉ. रावत ने कहा कि निपुण भारत योजना के तहत उत्तराखंड में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एनईपी-2020 की अनुशंसा के अनुरूप सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बैगलेस डे लागू कर दिया गया है और बच्चों के बस्ते का बोझ भी मानकों के अनुरूप कर दिया गया है, इसके अलावा राज्य में कलस्टर विद्यालय भी बनाये जा रहे हैं।

डॉ. रावत ने प्रदेश में पीएम-श्री स्कूल के अंतर्गत चयनित अन्य विद्यालयों को स्वीकृति प्रदान करने तथा एनसीईआरटी की आमसभा की अगली बैठक उत्तराखंड में आयोजित करने की मांग केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष रखी।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन तय समय पर पूरी करने के निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्य के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखंड में संचालित विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में मुरादाबाद और इज्जतनगर मंडल के रेल प्रबंधक, शासन के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित जिलों के जिलाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना की अद्यतन प्रगति पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण और वन विभाग से जुड़ी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जाएं, ताकि परियोजना तय समयसीमा में पूरी हो सके। उन्होंने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग की अध्यक्षता में रेलवे, राजस्व और वन विभाग की संयुक्त बैठक बुलाकर लंबित मामलों का जल्द समाधान करने को कहा।

■ मुख्य सचिव ने की रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा,सीएस ने रेलवे टनलों के आसपास की सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता जताई, हर्रावाला स्टेशन को विकसित करने पर जोर

चारधाम यात्रा के मद्देनजर, मुख्य सचिव ने रेलवे टनलों के आसपास की सड़कों की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई और इन्हें जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने हर्रावाला रेलवे स्टेशन को एक पूर्ण विकसित स्टेशन के रूप में तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्टेशन के विस्तार के लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता होगी, राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। साथ ही, योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन के आसपास का समेकित विकास प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि वर्ष 2027 में हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को देखते हुए ज्वालापुर रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण और अपग्रेडेशन की योजना तैयार कर शीघ्र कार्यवाही शुरू की जाए, ताकि मेले के दौरान भीड़ प्रबंधन सुचारु रूप से किया जा सके। इसके अतिरिक्त, डीआरएम इज्जतनगर वीना सिन्हा से टनकपुर-देहरादून कोच की संख्या बढ़ाने और टनकपुर-दिल्ली के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूर्ण कराने के लिए हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मुद्दों का त्वरित समाधान किया जाए, जिससे विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, अपर सचिव विनीत कुमार, रीना जोशी सहित शासन और रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड में लेखा संवर्ग सेवा में बड़ा सुधार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने लेखा संवर्ग के कर्मचारियों के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उन्हें संबंधित विभागों के नियंत्रण से हटाकर वित्त विभाग के अधीन लाने का निर्णय लिया है। उत्तराखंड राजकीय विभाग अधीनस्थ लेखा संवर्ग (अराजपत्रित) सेवा (संशोधन) नियमावली-2025 को हाल ही में राज्य कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद शासन ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

इस संशोधन के लागू होने से अब राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत अकाउंटेंट किसी भी अन्य विभाग में स्थानांतरित किए जा सकेंगे। इसके साथ ही उनकी सेवा से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं, जैसे पदस्थापन, सीनियरिटी, और पदोन्नति, अब वित्त विभाग के अधीन संचालित होंगी।

अब सहायक लेखाकार और लेखाकार की नियुक्ति का अधिकार विभागीय लेखा निदेशक के पास होगा। सभी अकाउंटेंट्स की एक एकीकृत सीनियरिटी सूची तैयार की जाएगी, जिससे पदोन्नति में पारदर्शिता आएगी। जहां रिक्त पदों के लिए आवश्यक आहर्ता पूरी नहीं हो पा रही थी, वहां सीनियर कर्मियों को अन्य विभागों में पदोन्नति का अवसर मिलेगा। अकाउंटेंट अब केवल एक विभाग तक सीमित नहीं रहेंगे, जिससे उनकी विशेषज्ञता का व्यापक उपयोग संभव होगा।

लंबे समय से थी मांग

विभागीय लेखा संवर्ग को एकीकृत ढांचे में लाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी। सरकार ने इस पर विस्तृत होमवर्क करने के बाद यह निर्णय लिया है। अपर सचिव ललित मोहन रयाल द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिससे यह संशोधन अब प्रभावी हो गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय लेखा कर्मियों के लिए पेशेवर विकास और पारदर्शी सेवा प्रणाली की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

श्रृद्धालु यात्रा के दौरान गाइड लाइन का करें पालनः महाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आस्था, तप और श्रद्धा से परिपूर्ण, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक देवाधिदेव महादेव के दिव्य, भव्य और अलौकिक धाम बाबा केदारनाथ के कपाट खुलने पर देश-विदेश के सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि केदारनाथ धाम में भगवान शिव की पूजा और दर्शनों का लाभ लेने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं।

महाराज ने बताया कि मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से चारोंधामों में आने वाले दर्शनार्थियों की सुरक्षा को यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की और से श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के माध्यम से 1000000 (दस करोड़ रुपए) का दुर्घटना सुरक्षा बीमा दिया गया है। इसके तहत प्रत्येक धाम का दुर्घटना बीमा 2.50 करोड निर्धारित किया गया है। बीमा पॉलिसी के अनुसार मंदिर परिसर में भगदड़, इश्वरीय जोखिम कवर और आतंकवाद जोखिम कवर के लिए प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को 01 लाख की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि दर्शनार्थियों की सुरक्षा बीमा के तहत मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से उनके द्वारा बीमा प्रीमियम की धनराशि सेवाकर सहित 3,67,995 का चौक प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा दिया गया है।

■ मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से हुआ दस करोड़ का दुर्घटना बीमा

उन्होंने कहा कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए आवश्यक दवाएं और उपकरण साथ रखें। यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज, जैसे कि पहचान पत्र और यात्रा अनुमति, साथ रखें। यात्रा के दौरान सरकार की गाईड लाईन और दिशा-निर्देशों का पालन अवश्य करें और स्थानीय प्रशासन का सहयोग करते हुए आपनी यात्रा को सुरक्षित और सफल बना बनायें।

मुख्य सेवक भंडारा में सीएम ने श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

शाह टाइम्स ब्यूरो

रुद्रप्रयाग/देहरादून विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर केदारनाथ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ परिसर में आयोजित मुख्य सेवक भंडारा में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान उन्होंने केदारनाथ की स्वच्छता में लगे पर्यावरण मित्रों, पुनर्निर्माण कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सपत्नीक मुख्य सेवक भंडारा के तहत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया और भोजन परोसा। अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर श्रद्धालु बेहद खुश नजर आए। इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने मुख्य सेवक भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की एवं उनसे यात्रा को लेकर की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया । यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ के कपाट खुलने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा 4 मई को बद्रीनाथ जी के कपाट खुलेंगे। राज्य सरकार देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत एवं उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष केदारनाथ क्षेत्र में आपदा आई थी, जिससे करीब 35 दिन यात्रा बाधित रही। सरकार और प्रशासन ने स्थानीय लोगों के सहयोग से यात्रा को पुनः शुरू किया, जिससे फलस्वरूप रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु चार धाम आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर स्तर पर यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करती है। यात्रा मार्गो में भी विभिन्न मूलभूत सुविधाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा चार धाम यात्रा राज्य की लाइफ लाइन भी है। यह यात्रा लाखों लोगों की आजीविका का साधन भी है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार का संकल्प है कि चार धाम यात्रा साल भर चले, जिसके लिए राज्य में शीतकालीन यात्रा को भी प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए मुखवा, उत्तरकाशी में मां गंगा के दर्शन किए थे।

■ केदारनाथ में विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार किया। उन्होंने कहा केदारनाथ का पुनर्निर्माण कार्य प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हो रहा है। प्रधानमंत्री केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्य की नियमित समीक्षा करते हैं। 2000 करोड़ की लागत से केदारनाथ का भव्य निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गौरीकुंड से केदारनाथ तक रोपवे निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की है। इस अवसर गीता पुष्कर धामी, विधायक आशा नौटियाल, डॉ. मधु भट्ट, कर्नल अजय कोठियाल, तीर्थ पुरोहित श्रीनिवास पोस्ती, अंकित सेमवाल, उमेश पोस्ती, हिमांशु चमोली एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

कृषि व उद्यान के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे उत्तराखंड-नेपाल :जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून में हुई उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय कृषि परिचर्चा, कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग की संभावनाएं तलाशना और कार्य योजनाएं बनाने पर हुआ मंथन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित एक निजी होटल में आयोजित उत्तराखण्ड एवं नेपाल के मध्य कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग पर आधारित ष्बैठक एवं परिचर्चाष कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम कृषि विभाग द्वारा आयोजित किया गया ।देहरादून में आयोजित हुई उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय कृषि परिचर्चा में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग की संभावनाएं तलाशना और कार्य योजनाएं बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में कृषि विभाग द्वारा उत्तराखंड की कृषि, उद्यानिकी और सगंध पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से और लघु फिल्म के माध्यम से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जोशी ने नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह का उत्तराखण्ड आगमन पर पुष्पगुच्छ और बाबा केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर स्वागत किया। सकार्यक्रम के दौरान मंत्री जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड और नेपाल की भौगोलिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि कई मायनों में एक जैसी है और दोनों क्षेत्रों में कृषि पर व्यापक निर्भरता है। उन्होंने बताया कि राज्य के तराई व भावर क्षेत्र खाद्यान्न उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं, वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में औद्यानिकी और सगंध पौधों की भारी संभावनाएं हैं।

बैठक में उत्तराखंड की ओर से कृषि सचिव डॉ सुरेंद्र नारायण पांडे, कृषि एवं उद्यान विभाग के महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव डॉ आनंद श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

नेपाल प्रतिनिधिमंडल ने किया आईएचएम का दौरा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह के नेतृत्व में 10 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को आईएचएम देहरादून का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-नेपाल के बीच पर्यटन, आतिथ्य क्षेत्र और कौशल विकास में सहयोग को मजबूत करना था।

प्रतिनिधिमंडल में भूमि प्रबंधन मंत्री बीर बहादुर थापा, प्रांतीय विधायक घनश्याम चौधरी, नरेश शाही, झपट सऊद, मुख्य सचिव डॉ. कमल प्रसाद पोखरेल, और अन्य अधिकारी शामिल थे। उत्तराखंड सरकार के पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने नई पर्यटन नीति 2023 की जानकारी देते हुए बताया कि नीति का उद्देश्य स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री शाह ने भारत की प्रशिक्षण प्रणाली और आतिथ्य उद्योग के मानकों की सराहना करते हुए नेपाल में युवाओं के लिए आतिथ्य प्रबंधन, पाक कला और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। आईएचएम देहरादून के प्रधानाचार्य डॉ. शिव मोहन ने संस्थान की उपलब्धियों, वैश्विक प्लेसमेंट और प्रशिक्षण गुणवत्ता को रेखांकित किया। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल, पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे, अपर सचिव अभिषेक रूहेला आदि उपस्थित रहे।

सीमापार सहयोग और आतिथ्य क्षेत्र में साझेदारी पर हुआ संवाद

विधि-विधान से खुले तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पंच केदारो में तृतीय केदार के नाम से विश्व विख्यात व चन्द्र शिला की तलहटी में बसे भगवान तुंगनाथ के कपाट विधि-विधान व वेद ऋचाओं के साथ शुक्रवार दस बजकर 15 मिनट पर ग्रीष्मकाल के लिए खोल दिये गये हैं। 1600 से अधिक श्रद्धालु कपाट खुलने के साक्षी बने, जबकि तुंगनाथ सहित सभी सहायक मन्दिरों को 8 कुन्तल फूलों से सुसज्जित किया गया और चोपता व भुजगली में भक्तों के लिये विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। तुंगनाथ धाम के कपाट खुलते ही सैकड़ों शिव भक्तों ने भगवान तुंगनाथ के स्वयंभू लिंग की पूजा-अर्चना व जलाभिषेक कर विश्व समृद्धि की कामना की।

1600 से अधिक भक्त बने कपाट खुलने के साक्षी, आठ कुंतल फूलों से सजाया गया था तुंगनाथ मंदिर

शुक्रवार को भूतनाथ मन्दिर चोपता में ब्रह्म बेला पर विद्धान आचार्यों ने पंचाग पूजन के तहत अनेक पूजाएं समपन्न कर भगवान तुंगनाथ सहित तैतीस कोटी देवी-देवताओं का आहवान किया। प्रात: साढ़े आठ बजे भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली का भव्य श्रृंगार कर आरती उतारी गई और उत्सव डोली भूतनाथ मन्दिर चोपता से कैलाश के लिए रवाना हुई। भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली के कैलाश रवाना होने पर भक्तों ने पुष्प, अक्षत्रों से अगुवाई की तथा लाल-पीले वस्त्र अर्पित कर मनौती मांगी। भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली ने सुरम्य मखमली बुग्यालों में नृत्य किया और डोली दस बजकर 15 मिनट पर धाम पहुंची तथा मुख्य मन्दिर की तीन परिक्रमा कर सहायक मन्दिरों मे शीश नवाया। जिसके बाद वेद ऋचाओं व मंत्रोच्चारण के साथ ग्रीष्मकाल के लिए मंदिर के कपाट खोले गये। कपाट खुलने के बाद मठापति रामप्रसाद मैठाणी सहित विद्धान आचार्यों ने अनेक पूजाएं संपंन की। कपाट खुलने के पावन अवसर पर देहरादून निवासी सुरेन्द्र असवाल, अगस्तमुनि निवासी धीर सिंह नेगी के सहयोग से भगवान तुंगनाथ सहित सहायक मन्दिरों को 8 कुन्तल फूलों से सजाया गया तथा लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता मुकेश परमार व सामाजिक कार्यकर्ता नारायण दत्त जुयाल के नेतृत्व में भुजगली में तथा अन्य भक्तों द्वारा चोपता में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलने के पावन अवसर पर पहली बार रिकार्ड तोड़ भीड़ तुंगनाथ धाम पहुंची। भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलते ही तुंगनाथ यात्रा पड़ावों पर रौनक लौटने लगी है। तुंगनाथ धाम के प्रबन्धक बलवीर नेगी ने बताया कि 692 पुरूष, 810 महिलाएं, 147 नौनिहाल तथा 8 साधु-सन्यासी सहित 1657 तीर्थ यात्री कपाट खुलने के साक्षी बने। इस मौके पर बाबा केदारनाथ दास सेवा मण्डल अध्यक्ष चन्द्र सिह नेगी, रेखा रावत, सुनील प्रसाद बेंजवाल, प्रतिमा नेगी, वंश बेजवाल, गायत्री देवी, पुष्पा देवी, रामेश्वरी भट्ट, राहुल कुमार, सतवीर सिह, रवीन्द्र सिह, राजेन्द्र सिंह, जसवीर बजवाल, मनोज मैठाणी, सुरेन्द्र सिंह राणा, दीपक बमोला, प्रेम सिंह राणा, विनोद मैठाणी, विजय भारत मैठाणी, प्रकाश मैठाणी, अतुल मैठाणी, मुकेश मैठाणी, अजय आनन्द नेगी, चन्द्र मोहन बजवाल सहित अन्य मौजूद थे।

जिले के 10वीं में टॉपर बने अभिनव, बनना चाहते हैं वैज्ञानिक

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी : मसीह दिलासा स्कूल उत्तरकाशी में सीआईएससीई बोर्ड के 12वीं के परीक्षा परिणाम में निधि पयाल ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किया वहीं 10वीं में अभिनव डंगवाल ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद में टॉप किया है। बता दें कि निधि पयाल ने हाईस्कूल में भी टॉप था उनके पिता आंनद पायल शिक्षक है और माता भी एक निजी स्कूल की शिक्षिका हैं। वहीं जिले में 10 वीं कक्षा में टॉप बने अभिनव डंगवाल के इसका श्रेय अपने माता श्रीमती सुर्चिता, पिता ई. दिवाकर डंगवाल सहायक अभियंता जल संस्थान के उत्तरकाशी है। अभिनव डंगवाल आगे पढ़ लिखकर वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। इधर अभिनव के गांव बग्यालगांव में भी खुशी की लहर है

लोग खूब बधाई बांट रहे हैं।

बता दें कि मसीह दिलासा स्कूल के 10वीं में अंजली राणा ने 97.20 प्रतिशत और अवनी बधानी ने 96.20 प्रतिशत अंक के साथ जनपद और अपने विद्यालय में दूसरा और तीसरा स्थान पाया। वहीं 12वीं में अभिनव जोशी और समर्थ तलवार ने 95.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा और सृष्टि जोशी ने 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान पाया है।

सीडीओ ने किया विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बुधवार को टिहरी जिले के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न सरकारी संस्थानों की कार्यप्रणाली, उपस्थिति, संसाधनों और समग्र व्यवस्था का मूल्यांकन किया। निरीक्षण का उद्देश्य न केवल प्रशासनिक निगरानी था, बल्कि आवश्यक सुधारों को निर्देशित कर क्षेत्रीय विकास को गति देना भी रहा।

राजकीय महाविद्यालय थत्यूड़ के निरीक्षण के दौरान सभी प्राध्यापक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित पाए गए। उस समय महाविद्यालय में इंटरनल परीक्षाएं चल रही थीं, जिस कारण नियमित कक्षाएं संचालित नहीं हो रही थीं। वर्तमान में यहां 484 छात्र

अध्ययनरत हैं। प्रयोगात्मक विषयों के लिए एक नया भवन निर्माणाधीन है। सीडीओ ने नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करने के निर्देश देते हुए महाविद्यालय परिसर में निर्मित शौर्य दीवार और शिक्षकों द्वारा तैयार की गई नर्सरी का भी निरीक्षण किया। प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय की कुछ आवश्यकताओं से भी अवगत कराया गया। इसके पश्चात सीडीओ ने विकासखंड कार्यालय जौनपुर का निरीक्षण किया, जहां सभी कार्मिक उपस्थित मिले, जबकि कुछ फील्ड कर्मियों की तैनाती क्षेत्रीय भ्रमण के लिए बताई गई।राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज रौतू की बैली के निरीक्षण के दौरान सभी अध्यापक उपस्थित मिले और कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही थीं। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के तहत डॉ. त्रिपाठी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर चोपड़ियाल गांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉक्टर, फार्मेसिस्ट सहित अन्य स्टाफ उपस्थित मिला।सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज छापराधार में भी सभी शिक्षक उपस्थित मिले और शिक्षण कार्य नियमित रूप से चल रहा था। हालांकि छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत कम पाई गई, जिसे लेकर सीडीओ ने अध्यापक-अभिभावक संघ और शिक्षक बैठकों के माध्यम से अभिभावकों से समन्वय बनाकर छात्र संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। डॉ. त्रिपाठी ने धनोल्टी क्षेत्र में स्थित राजकीय उद्यान एवं प्रदर्शन प्रक्षेत्र नर्सरी मगरा का भी निरीक्षण किया। इस प्रक्षेत्र के पास कुल 44 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है, जिसमें 7-8 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर हेजल नेट, कीवी, अखरोट, सेब, पुलम, आड़ू, खुमानी और चौरी जैसे फलों के मातृ वृक्ष विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने शेष बंजर भूमि को भी कृषि और बागवानी के उपयोग हेतु विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत पापरा, विकासखंड थत्यूड़ में निर्मित अमृत सरोवर का निरीक्षण करते हुए सीडीओ ने इसकी गुणवत्ता और संरचना की सराहना की। मुख्य विकास अधिकारी के इस निरीक्षण दौरे ने न केवल जमीनी स्तर की स्थिति को उजागर किया, बल्कि अधिकारियों और स्थानीय इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी और सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रेरित भी किया।

खोए फोन को लौटाकर मुस्कान लौटाई

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने खोया फोन लौटाकर मानवता की मिशाल पेश की है। श्रीकोट थाना प्रभारी मुकेश गैरोला ने बताया कि श्रीनगर निवासी दर्शन सिंह ने कोतवाली पहुंचकर फोन खोने की जानकारी दी। बताया कि पुलिस कर्मियों द्वारा उक्त गुम हुए मोबाइल को ढूंढने के लिए सर्विलांस की मदद से भी फोन को खोजने का प्रयास किया गया। बताया कि उक्त फोन श्रीकोट में रोड़ किनारे पड़ा हुआ मिला। जिसके पश्चात फोन स्वामी को चौकी पर बुलाया गया। फोन मिलने की खुशी पर श्रीकोट निवासी दर्शन सिंह ने कोतवाली पुलिस की सरहाना कि। इस मौके पर मुख्य आरक्षी चरण सिंह, प्रतीक चौधरी, हर्षवर्धन राणा सहित आदि मौजूद थे।

एक नजर.....

नागरिक मंच ने कोटद्वार की ज्वलंत समस्याओं का समाधान न होने पर किया रोष व्यक्त

कोटद्वार । नागरिक मंच के प्रतिनिधियों ने कोटद्वार क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं का समाधान न होने पर रोष व्यक्त किया है। कहा कि राज्य गठन के लंबा समय बीतने के बाद भी कोटद्वार का विकास नहीं हो पाया है। व्यापार मंडल सभागार में आयोजित मंच की मासिक बैठक में वक्ताओं ने मोटर नगर बस अड्डा न बनने, फ्लश डोर फैक्ट्री के भवन का सदुपयोग न होने, मालन पुल के अब तक न बनने और कोटद्वार में केंद्रीय विद्यालय का सत्र आरंभ न होने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि मंच की ओर से बार बार इन समस्याओं को उठाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। वहीं दूसरी ओर देवी रोड़ की निकासी नाली पर कुछ स्थानों पर स्लैब डाल दिए गए हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर नाली को खुला ही छोड़ दिया गया है। इससे दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है, शहर में बेसहारा घूमते गौ वंश के रख रखाव के लिए भी कोई योजना नहीं बन पाई है। इनसे भी आम जन को हमेशा खतरा बना रहता है। मौके पर वक्ताओं ने कोटद्वार से शाम पांच बजे के बाद दिल्ली के लिए बस सेवा आरंभ करने और आनंद विहार से सुबह के समय कोटद्वार पहुंचने वाली रेलगाड़ी के लिए कोटद्वार में ही यार्ड की व्यवस्था करने की मांग की। बैठक में मंच अध्यक्ष सीपी नैथानी, महासचिव अतुल भट्ट, राजेंद्र देवरानी, अरविंद धूलिया, पीसी नवानी, राकेश लखेड़ा, राजेंद्र पंत और विजय माहेश्वरी सहित मंच के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति की उपाध्यक्ष रजनी रावत ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

कोटद्वार । जनपद पौड़ी के दुगड्डा ब्लॉक में समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति की उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री रजनी रावत ने विभागीय समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रजनी रावत ने कहा कि खंड विकास अधिकारी दुगड्डा कार्यालय जैसे दुर्गम क्षेत्र में भी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय है। कहा कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद यहां के कर्मचारियों की कार्यशैली प्रेरणादायक है। बैठक के दौरान सहायक समाज कल्याण अधिकारी संजीव पाल सिंह ने उपाध्यक्ष को अवगत कराया कि ब्लॉक में एडीओ लेवल-5 का पद लंबे समय से रिक्त है, साथ ही कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति की भी आवश्यकता है। इस पर रजनी रावत ने आश्वस्त किया कि वे इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर जल्द से जल्द रिक्त पदों की पूर्ति के लिए कार्रवाई करेंगी। उपाध्यक्ष ने बैठक में मौजूद सभी विभागीय कर्मचारियों को निर्देशित किया कि भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं आमजन तक समयबद्ध और प्रभावी रूप से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सहायक समाज कल्याण अधिकारी संजीव पाल सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारीउपस्थितरहे।

मतदाता जागरूकता गोष्ठी का किया आयोजन

कोटद्वार । एकेश्वर ब्लाक के अंतर्गत पब्लिक इण्टर कॉलेज सुरखेत में शुक्रवार को आयोजित मतदाता जागरूकता गोष्ठी में छात्र छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और निर्वाचन साक्षरता क्लब की पहल पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा एनएसएस गढ़वाल मण्डल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के बहुआयामी स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत लोकतंत्र के महापर्व में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करके शत-प्रतिशत मतदान हेतु विभिन्न जनजागरुकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा इसके लिए एक वार्षिक कैलेन्डर तैयार किया गया है। प्रत्येक माह के लिए एक थीम निर्धारित की गयी है। मई माह की थीम श्माई वर्क माई च्वाइस, माई वोट माई वॉइसश् निर्धारित की गई है। मौके पर प्रदेश में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को देखते हुए विद्यालय की निर्वाचन साक्षरता क्लब के प्रत्येक छात्र छात्रा को अपने घर-परिवार, पास पड़ोस और गांव में पाँच लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करके उनसे अनिवार्य रूप से अपने मत का प्रयोग करवाने की जिम्मेदारी दी गयी। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

टीएचडीसी इंस्टीट्यूट में होने वाली परीक्षा के मद्देनजर धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू

नई टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल में स्थित टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भागीरथीपुरम में आगामी 4 मई को प्रस्तावित महत्वपूर्ण परीक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने परीक्षा केंद्र की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष कदम उठाए हैं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट टिहरी संदीप कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किए गए हैं, जिसके तहत परीक्षा केंद्र और उसके आसपास निषेधाज्ञा लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश 03 मई 2025 की सायं 08 बजे से प्रभावी होकर 04 मई 2025 को परीक्षा समाप्त होने तक लागू रहेगा। आदेश का उद्देश्य परीक्षा के दौरान केंद्र पर किसी भी प्रकार की भीड़-भाड़, असामाजिक गतिविधियों या अव्यवस्था को रोकना है, जिससे अभ्यर्थी शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा दे सकें। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि इस अवधि के दौरान परीक्षा केंद्र के आसपास अनावश्यक रूप से भीड़ इकट्ठा न हो, किसी प्रकार का प्रदर्शन, नारेबाजी, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग या असामाजिक गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी।

सेमेस्टर परीक्षा के लिए पांच मई तक करें आवेदन

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सम सेमेस्टर के छात्रों को परीक्षा फार्म भरने का अंतिम मौका विवि की ओर से दिया जा रहा है। छात्र पांच मई तक आनलाइन सम सेमेस्टरों की परीक्षाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। विदित हो कि गढ़वाल विवि द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए सम सेमेस्टरों की प्रक्रिया गतिमान है, जिसके तहत चार अप्रैल से दो मई तक विवि ने परीक्षा आवेदन की तिथि घोषित की थी, लेकिन कई छात्रों ने अभी तक परीक्षा फार्म के लिए आवेदन नहीं किया। ऐसे में छात्रों की मांग पर विवि ने पांच मई तक आनलाइन आवेदन की तिथि विस्तारित कर दी है। विवि के बीएड, एमएड पाठ्यक्रमों को छोड़कर स्नातक, स्नातकोत्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए यह तिथि जारी की गई है। गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी आदेश के अनुसार छात्र आनलाइन परीक्षा आवेदन फार्म की दो-दो प्रतियों को परीक्षा अनुभाग में आठ मई तक जमा करवा सकते हैं। स्पष्ट किया कि अब परीक्षा आवेदन तिथि किसी भी स्थिति में विस्तारित नहीं की जाएगी।

निगम क्षेत्र में संस्कृत विद्यालय को भूमि उपलब्ध करवाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय, श्रीनगर में नवीन प्रवेशोत्सव एवं राज्य स्तरीय वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शुक्रवार को कल्याणेश्वर धर्मशाला में श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय श्रीनगर का प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के दौरान कक्षा 6 से 9 तक के 29 नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत किया गया व उन्हें संस्कृत के महत्व से रूबरू किया गया। इस मौके पर प्रदेश स्तर पर बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद सकलानी ने बताया कि संसकृत विधालय के छात्र उच्च शिक्षा से लेकर सरकारी सेवाओं में कार्यरत हैं। बताया कि इस बोर्ड परीक्षा में श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विधालय के अभिषेक मंमगाई ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि विद्यालय के दो अन्य छात्रों ने पूर्व माध्यमा हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश स्तर पर पांचवा व छठा स्थान प्राप्त किया है। कहा कि विद्यालय में छात्रों को शिक्षा के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं। जानकारी देते हुए कहा कि विद्यालय के अन्य पूर्व छात्र भी सरकारी सेवाओं से लेकर उच्च शिक्षा, धार्मिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। विधालय समिति के अध्यक्ष राजीव मोहन अग्रवाल ने कहा कि पूर्व में विधालय में शास्त्री बीए व आचार्य एमए की पढ़ाई भी होती थी, लेकिन भवन की कमी के कारण शिक्षा विभाग द्वारा शास्त्री व आचार्य की मान्यता स्थगित कर दिया गया। उन्होंने महापौर आरती भंडारी से निगम क्षेत्र में विद्यालय के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग की। कहा कि अगर भूमि उपलब्ध नहीं हो पाती है तो उच्च शिक्षा मंत्री से पूर्व की भांती पाठयक्रम के संचालन को लेकर मांग की जाएगी। बताया कि उक्त पाठयक्रमों का संचालन न होने से उत्तर माध्यमा के बाद छात्रों को पढ़ाई के लिए अन्य महाविद्यालयों की ओर रूख करना पड़ता है। नगर निगम महापौर आरती भंडारी ने नवप्रवेशी छात्रों और उनके अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा कि निगम की ओर से श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय के हित में जो कार्य हो पाएगा वह किया जाएगा। उन्होंने भूमि संबंधी मामले में सकारात्मक आश्वासन विधालय समिति को दिया। मौके पर सहायक निदेशक (संस्कृत) मनोज कुमार सेमल्टी, प्रबंधक हरीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राघव मोहन अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि लखपत सिंह भंडारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णा नंद मैठाणी सहित आदि मौजूद थे।

तुगनाथ में स्थित हैप्रेक का फील्ड स्टेशन शोध कार्यों के लिए खुला

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र का तुंगनाथ में स्थित अल्पाइन शोध स्टेशन ग्रीष्मकाल के कार्यों के लिए खुल गया है।

उत्तराखण्ड के प्रसिद्द सिद्धपीठों में से एक भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलने के साथ ही एशिया का समुद्र तल से अधिकतम दूरी पर स्थापित गढ़वाल विवि का अल्पाइन फील्ड शोध स्टेशन ग्रीष्मकाल में किए जाने वाले शोध कार्यों के खोल दिया गया है। तुंगनाथ स्थित फिल्ड़ स्टेशन में बहुमूल्य एवं संकटग्रस्त अतीस, मीठा, जटामांसी, ब्रहमकमल, ऋभक, डोलू, आर्चा सहित अनेक बेसकिमती औषधीय पादपों का संरक्षण किया जा रहा है। गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) के निदेशक एवं फील्ड शोध स्टेशन के प्रभारी डॉ. विजयकांत पुरोहित ने बताया गया है कि अल्पाइन शोध केन्द्र की स्थापना 1989 में पद्मश्री प्रो. आदित्य नारायण पुरोहित द्वारा उच्च हिमालय की वनस्पतियों पर शोध किए जाने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में शोध स्टेशन में पचास से अधिक बहुमूल्य औषधीय पादपों का संरक्षण किए जाने के साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन से जड़ी-बूटियों पर हा रहें प्रभावों की निगरानी तथा बचाव की तकनीकियों को निजात करने पर शोध कार्य किए जा रहे हैं।

कौशलम प्रदर्शनी में राइंका स्वीत के आयुष नेगी और शानू प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चडीगांव पौडी में जिला स्तरीय कौशलम प्रदर्शनी 2025 नव विचार नया उत्साह का समापन हुआ। इस मौके पर प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में जनपद के 30 राजकीय इंटर कॉलेज के 60 विद्यार्थियों और 30 मार्गदर्शक शिक्षकों और 10 उद्यमशील शिक्षक ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा बहुत ही शानदार कौशल उत्पादकों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बैंक मैनेजर जिला सहकारी बैंक खंडाह हिमांशु रावत कार्यक्रम में पहुंचे समूहों को बैंक द्वारा दी जाने वाली सहायता एवं साइबर फ्रॉड के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर आयोजित प्रतियोगिताओं में राइंका स्वीत के आयुष नेगी और शानू ने प्रथम, राबाइंका पौड़ी के सिमरन, श्रूति ऐश्वर्या, सिमरन रावत और राइंका जगतेश्वर पौबे विकास, मनीषा, रितिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंत में डायट के प्रधानाचार्य डॉ. धनेंद्र लिंगवाल ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं, शिक्षकों सहित 10 उद्यमशील शिक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में डॉ. जगमोहन पुंडीर, डॉ. शिव कुमार भारद्वाज और ममता राणा ने निर्णायक की भूमिका अदा की। इस अवसर पर उद्यम लर्निंग फाउंडेशन ने जिला समन्वयक सुनीता राणा, डायट संस्थान के प्रवक्ता डॉ अरविंद, विनय किमोठी, जगमोहन कठैत, जितेंद्र राणा, प्रमोद नौडियाल, विनय किमोठी सहित आदि मौजूद थें।

केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की बढ़ी उम्मीद

शाह टाइम्स संवाददाता

थराली। पूरे छह वर्षों के बाद विकास खंड देवाल के अंतर्गत सैनिक बाहुल्य सवाड़ में केंद्रीय विद्यालय स्थापना की संभावना बढ़ गई हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया हैं कि जल्द सवाड़ में केवी खोला जाएगा। दरअसल 2019-20 से देवाल क्षेत्र के लोगों ने विकास खंड में केवी की स्थापना की मांग शुरू कर दी थी। इसके तहत सैनिक बाहुल्य गांव के लोगों ने अपने संसाधनों एवं श्रमदान के जरिए अपनी नाप भूमि पर 20 लाख रुपए से अधिक की लागत से बकायदा टिन शेडों तक का भी निर्माण कर दिया था, किंतु केवी नही खुल पाया इसके बाद केवी संगठन ने केवी की स्थापना

के लिए निशुल्क भूमि देने की शर्त ग्रामीणों के सामने रखी जिस पर ग्रामीणों ने अपनी 2 हैक्टेयर से अधिक भूमि पिछले साल ही राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के नाम दान कर दी जिससे अब केवी संगठन के नाम किया जा रहा है। 2021 में ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी पहली पारी में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में सवाड़ में केवी खोलने की घोषणा की थी, इसके बाद राज्य सरकार ने भी प्रस्ताव केवी संगठन को भेज दिया।जिस पर प्रक्रिया गतिमान है।

गुरुवार को थराली के विधायक भूपाल राम टम्टा के नेतृत्व में सवाड़ गांव का एक प्रतिनिधिमंडल ने पहले गढ़वाल लोकसभा सांसद अनिल बलूनी से नई दिल्ली में भेंट की उसके बाद इस शिष्टमंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की इस दौरान उन्होंने सवाड़ में बहुप्रतीक्षित केवी की स्थापना किए जाने की प्रमुखता से मांग उठाते हुए उन्हें देवाल क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति से रूबरू करवाया जिस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही केवी की स्थापना की कार्रवाई विभागीय स्तर पर तेज की जाएगी जिस पर शिष्टमंडल ने मंत्री का आभार व्यक्त किया।सांसद एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री से सैनिक मेला कमेटी सवाड़ के अध्यक्ष आलम सिंह बिष्ट, डीएवी देहरादून के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दयाल सिंह बिष्ट, पूर्व सूबेदार कुंदन सिंह बिष्ट,भूतपूर्व सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष महिपाल सिंह, विक्रम राता आदि मौजूद थे।

कौशलम् प्रदर्शनी में छात्रों की प्रतिभा ने बटोरी सराहना

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। राजकीय इंटर कॉलेज घुमेटीधार की प्रतिभाशाली टीम ने जिला स्तरीय कौशलम् प्रदर्शनी में पहला स्थान हासिल कर जिलेभर के छात्रों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। शुक्रवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) नई टिहरी में आयोजित इस प्रदर्शनी में जिले के नौ विकासखंडों के चयनित 59 विद्यालयों की कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने अपने कौशल और नवाचार से तैयार प्रोजेक्ट्स के माध्यम से आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन की संभावनाओं को उजागर किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डायट की प्राचार्य हेमलता भट्ट ने किया। उन्होंने कहा कि "कौशलम्" सरकार की दूरदर्शी और सकारात्मक पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को केवल

पारंपरिक शिक्षा तक सीमित न रखकर उनके भीतर छिपे हुनर को तराश कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में केवल सरकारी नौकरी की आशा में बैठने से बेहतर है कि युवा अपने कौशल का उपयोग कर स्वयं का उद्यम शुरू करें और अन्य लोगों को भी रोजगार दें।

प्रदर्शनी में मुख्य समन्वयक डीएस भंडारी और सह समन्वयक सीमा शर्मा ने जानकारी दी कि प्रत्येक विद्यालय से दो छात्र-छात्राएं और एक मार्गदर्शक शिक्षक ने भाग लिया। इस आयोजन को सफल बनाने में एससीईआरटी और उद्यम लर्निंग फाउंडेशन ने सहभागिता निभाते हुए प्रत्येक स्कूल को प्रोजेक्ट निर्माण हेतु 5-5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी।जीआईसी घुमेटीधार की टीम ने एलईडी बल्ब निर्माण पर आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर पहला स्थान प्राप्त किया, जिसने सभी निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। दूसरा स्थान जीआईसी किलकिलेश्वर कीर्तिनगर की टीम को मिला, जिन्होंने गाय के गोबर से बने दीयों का प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। वहीं तीसरा स्थान जीआईसी नागरजाधार नगुण की टीम ने हासिल किया, जिन्होंने स्थानीय उत्पादों से जूस, जैम, जैली और अचार बनाकर ग्रामीण उद्योग की संभावनाओं को दिखाया। अब ये तीनों विजेता टीमें प्रदेश स्तरीय कौशलम् प्रतियोगिता में जनपद टिहरी गढ़वाल का प्रतिनिधित्व करेंगी। निर्णायक मंडल में बीईओ देवप्रयाग भास्कर बेवनी कार्यक्रम में डॉ. वीर सिंह रावत, सुमन नेगी, मनवीर नेगी, नरेश कुमाईं, संगीता रावत, दिनेश सकलानी, मीनाक्षी सिलस्वाल, राकेश शाह, आरती रावत और अनामिका सहित अनेक शिक्षक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि शिक्षा अब केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि नवाचार, आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन की दिशा में छात्रों को प्रेरित करना ही समय की मांग है।

निशुल्क कोचिंग व करियर काउंसलिंग कक्षाओं की शुरुआत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नई टिहरी में छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण की दिशा में एक नई पहल करते हुए गुरुवार को निशुल्क कोचिंग और करियर काउंसलिंग कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक शिक्षा में बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सक्षम बनाना है, जिससे वे रोजगार के बेहतर अवसरों को प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टिहरी जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक राहुल गैरोला रहे, जिन्होंने कोचिंग एवं करियर काउंसलिंग कक्षाओं का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए इस पहल की आवश्यकता और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में छात्रों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए आवश्यक अतिरिक्त योग्यता और मार्गदर्शन भी मिलना चाहिए।महाप्रबंधक राहुल गैरोला ने छात्रों को बैंकिंग क्षेत्र में करियर की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि छात्र जिला सहकारी बैंक सहित अन्य बैंकों में पीओ, मैनेजर, कैशियर और कार्यालय सहायक जैसे पदों के लिए किस प्रकार तैयारी कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने जिला सहकारी बैंक की विभिन्न योजनाओं और उनके लाभों की भी जानकारी दी, जिससे छात्र वित्तीय साक्षरता की दिशा में आगे बढ़ सकें।

देशहित में वन नेशन, वन इलेक्शन क्रांतिकारी कदम: धामी

प्रमुख संवाददता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित भारतीय सर्वेक्षण विभाग सभागार में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन (एक राष्ट्र, एक चुनाव) केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र को मजबूत, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि बार-बार चुनावों से देश में विकास कार्य प्रभावित होते हैं, सरकारी संसाधनों पर बोझ बढ़ता है और हर साल चुनावी चक्र में फंसकर लो. कतंत्र की गति धीमी हो जाती है। उन्होंने कहा, बार-बार आचार संहिता लगने से न केवल योजनाओं पर असर

■ **अमेरिका, जापान, ब्राजील जैसे देशों में अगर एक साथ चुनाव संभव हैं, तो भारत जैसा लोकतंत्र क्यों पीछे रहे, सभी सियासी दलों को दिखानी होगी राष्ट्रीय एकजुटता**

पड़ता है, बल्कि अर्थव्यवस्था भी अवरुद्ध होती है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, पर्यावरणविद पद्मश्री अनिल जोशी, जागर गायिका पद्मश्री बसंती बिष्ट, पद्मश्री कन्हैया लाल पोखरियाल, सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, साधु-संत, शिक्षाविद और समाजस. ेवी मौजूद रहे। चुनाव खर्च में भारी कटौती, विकास कार्यों को मिलेगा बल नीति आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो देश को लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी।

यह धनराशि शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना जैसी जरूरतों में निवेश की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से मतदाता भागीदारी बढ़ेगी। "जो लोग कामकाज या नौकरी के सिलसिले में दूसरे राज्यों में रहते हैं, वे बार-बार यात्रा नहीं कर पाते। एक साथ चुनाव से वे भी वोट डालने जरूर आएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका, जापान, ब्राजील जैसे देशों में अगर एक साथ चुनाव संभव हैं, तो भारत जैसा लो. कतंत्र क्यों पीछे रहे?

सुभारती ने विजेताओं को किया सम्मानित

देहरादून। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को दून प्रेसिडेंसी स्कूल के परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें धरती दिवस 2025 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले विजेताओं और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। डॉ. अतुल कृष्ण, संस्थापक सुभारती और अध्यक्ष ने विजेताओं को बधाई दी और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए शहीदों की भूमिका को समझाया और जीवन में पंचशील पांच सिद्धांतों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. हिमांशु एरन, प्रति कुलपति ने कहा कि हमें विश्वास है कि इस स्कूल के साथ यह सहयोग लंबी अवधि तक चलेगा। अल्पना गुप्ता, प्रधानाचार्य दून प्रेसिडेंसी स्कूल ने विश्वविद्यालय की और से ऐसे आयोजनों के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. प्रतिभा जूयाल, रमन किमोठी, इमरान खान, प्रदीप माहरा, शुभम यादव, मिस गीतिका व मिस प्रीति ने किया।

मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

■ **छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा अंजलि रही प्रथम**

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की श्रृंखला के अंतर्गत बुधवार को मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायक मंडल में डॉ. सुदीप्ता कंडारी, डॉ. जयश्री थपलियाल, डॉ. पूजा रावत, डॉ. श्रुति अग्रवाल और प्रेरणा उपस्थित रहीं। निर्णायकों ने छात्राओं की रचनात्मकता की सराहना की और उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाकर अपने व्यक्तित्व को निखारना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुमेरचंद सुमन ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ऐसे आयोजन आत्मविकास के महत्वपूर्ण अवसर होते हैं।

प्रतियोगिता में कुमारी अंजली राणा ने प्रथम, कुमारी वनिता ने द्वितीय तथा कुमारी रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. सुमेरचंद सुमन ने जानक. ारी दी कि विजयी प्रतिभागियों को 6 मई 2025 को आयोजित होने वाले वार्षिक उत्सव में प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

95.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का किया नाम रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता

कालसी। "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" केवल एक नारा नहीं, बल्कि आज के भारत की सोच और भावना का प्रतीक बन चुका है। इसी सोच को साकार करती हैं अरन्यानी चौहान (धिया), जिन्होंने आईएससी (कक्षा 12वीं) की परीक्षा में पीसीएम ग्रुप से 95.25 प्रतिशत

अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अरन्यानी न केवल एक प्रतिभाशाली छात्रा हैं, बल्कि प्रेरणा हैं उन सभी बेटियों के लिए जो बड़े सपने देखती हैं और उन्हें साकार करने की हिम्मत रखती हैं। उनकी इस उपलब्धि के पीछे उनके माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान है। उनकी माता, डॉ. अनीता तोमर, एक वैज्ञानिक हैं, और पिता, प्रवीन चौहान, प्रयागराज में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

सुदर्शन आश्रम में हुआ सूर्यकांत धस्माना का सम्मान

प्रमुख संवाददता शाह टाइम्स

देहरादून। आचार्य पीठाधीश्वर श्री श्री 108 महामंडलेश्वर सरस्वताचार्य महाराज की 34 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित संत सम्मेलन व श्री गुरु स्मृति महोत्सव में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना को संत समाज ने पगड़ी, शाल व माला पहना कर सम्मानित किया व तिलक लगा कर सामाजिक क्षेत्र में यश कीर्ति के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर धस्माना ने संत समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संत समाज के मार्गदर्शन से समाज संस्कारवान बनता है और आज उत्तराखंड में स्वामी राम व महंत इंद्रेश जैसे महान संतों का उदाहरण हमारे सामने हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन जहां एक ओर अध्यात्म व ईश्वर की आराधना को समर्पित कर दिया दूसरी ओर समाज के लिए स्वामी राम ने हिमालयन अस्पताल जैसे विशाल अस्पताल की स्थापना की और महंत

■ **संत समाज के मार्गदर्शन से समाज बनता है संस्कारवान: सूर्यकांत**

इंद्रेश दस ने महंत इंद्रेश अस्पताल व सैकड़ों शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना कर समाज हित के कम किए। धस्माना ने कहा कि महामंडलेश्वर सरस्वताचार्य ने सुदर्शन आश्रम के माध्यम से भगवान राम की कृपा से संत समाज व आम जन की सेवा का जो कार्य किया है वो अतुलनीय है और अब महंत श्री रघुवीर दस उस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस अवसर पर संत समाज ने धस्माना के साथ आश्रम पधारे कैलाश ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक दिनेश शर्मा, राकेश धस्माना व संजय धस्माना व दिनेश कौशल को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगतगुरु नामआद्वारचार्य श्री स्वामी सुतीक्ष्ण देवाचार्य वृंदावन ने की व इस अवसर पर महंत रविन्द्र पुरी, महामंडलेश्वर हठ योगी जी, महंत हरि हरा नंद, महंत बिहारी शरण, महंत सूरज दास महंत शिवराम दास जी, महंत विपुल दास जी, आचार्य सचिदानंद जी, आचार्य मुनेश तिवाड़ी, पूजारी गिरीशदास, भुवनेश पाठक, राकेश बहुगुणा व हिमांशु भट्ट आदि उपस्थित रहे।

चकराता और कालसी के शिक्षकों को नहीं मिल रहा न्याय

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता और कालसी ब्लॉक के दुर्गम क्षेत्रों में सेवा दे रहे शिक्षकों को लंबे समय से स्थानांतरण संबंधी न्याय नहीं मिल पा रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि स्थानांतरण अधिनियम 2017 लागू होने के बाद उनकी पूर्व सेवा के गुणांकों में अन्यायपूर्ण कटौती की गई है, जिससे वे लंबे समय से वंचित महसूस कर रहे हैं। उत्तराखंड प्राथमिक शिक्षक संघ चकराता की अध्यक्ष संगीता चौहान ने बताया कि वर्ष 2013 की स्थानांतरण नियमावली के अनुसार दुर्गम क्षेत्रों को ए से एफ श्रेणियों में विभाजित किया गया था, जिसमें श्रेणी डी को 1 वर्ष, ई को 1.5 वर्ष और एफ को 2 वर्ष की सेवा के समतुल्य माना जाता था। इसी आधार पर वर्ष 2016 तक शिक्षकों के स्थानांतरण हुए। लेकिन 5 जनवरी 2018 से जब स्थानांतरण अधिनियम 2017 लागू हुआ, तब शिक्षकों की पूर्व सेवा के गुणांकों में कमी कर दी गई, जो नियमों के विरुद्ध है। सामान्य प्रक्रिया के अनुसार, कोई भी नई नियमावली केवल भविष्य में लागू होती है, न कि पूर्व प्रभाव से।

ट्रस्ट ने प्रथम स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सी व्यू सेवा ट्रस्ट देहरादून ने अपना प्रथम स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया।हरिद्वार रोड स्थित संस्कृति भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। सी व्यू सेवा ट्रस्ट के संस्थापक डॉ महावीर बर्त्वाल ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ महावीर बर्त्वाल ने कहा कि ५ सी व्यू सेवा ट्रस्ट सुदूर ग्रामीण के लिए समय-समय पर उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में कैंप लगाता है। अनाथ एवं दृष्टि बाधित बच्चों को शिक्षा ,कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं हर संभव मदद करने का प्रयास करता है एवं अगर किसी बच्चे में कोई प्रतिभा है तो उसे भी संस्था निखार कर लोगों के सामने लाता है एवं आवश्यकता अनुसार उनका प्रशिक्षण भी कराता है ताकि दृष्टि बाधित बच्चे भी सामान्य जीवन जी सके।

कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के

■ **सी व्यू सेवा ट्रस्ट देहरादून समय-समय पर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में लगाता है कैंप :बर्त्वाल**

अधिकारी ने फायर सेफ्टी को लेकर अपने वक्तव्य दिया ।प्रदेश भर में वनअग्नि से हो रहे नुकसान से कैसे बचा जाए उसके बारे में भी लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में सिविल डिफेंन्स के चीफ कन्ट्रोलर एसके साहू ने भी शिरकत की। सी व्यू सेवा ट्रस्ट के संस्थापक डॉ महावीर बर्त्वाल ने कार्यक्रम के मौजूद सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में आशिमा बर्त्वाल, अशोक भट्ट, कुलभूषण नैथानी , शिव नारायण , संदीप रौतेला, गंभीर रावत , सुनील बिष्ट, मीनाक्षी , राजी चौहान , मनोज, मोहित बर्त्वाल , अंकित सेमवाल, अंकित राणा, तुलास संस्थान के स्वयंसेवक , सुभाष चंद्र बोस अनाथालय के बच्चे, डॉ. हेमंत बिष्ट और सभी सी व्यू सेवा ट्रस्ट के सदस्य आदि मौजूद रहे।

एक नजर ....

पुलिस ने चार वारंटियों को किया गिरफ्तार

विकासनगर। वारंटियो के विरुद्ध प्रचलित कार्यवाही में कोतवाली विक. ासनगर पुलिस द्वारा 4 वारण्टियों शबाहत अली जैदी पुत्र मुसदीक अली जैदी निवासी वार्ड नं09 म0नं0 123 विकासनगर, रिंकु पुत्र अमृत लाल निवासी वार्ड नं0 02 उदियाबाग विकासनगर, अकरम पुत्र मौ0 हुसैन निवासी लाईन जीवनगढ कोतवाली विकासनगर, अकील अहमद पुत्र शकील अहमद निवासी वार्ड नं0-05 आसनबाग हरबर्टपुर विकासनगर को किया गया गिरफ्तार। पुलिस ने चारों वारंटियों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस टीम में एसआई विवेक भण्डारी चौकी प्रभारी डाकपत्थर कोतवाली विकासनगर, एसआई संदीप पंवार कोतवाली विकासनगर, एसआई राजेन्द्र सिंह पंवार कोतवाली विकासनगर, एसआई सनोज कुमार चौकी प्रभारी हरबर्टपुर कोतवाली विकासनगर, सिपाही राजेन्द्र सिंह कोतवाली विकासनगर, अजय सिंह, लोकेन्द्र सिंह, पदम सिंह, रविन्द्र चौहान, अनिल सलार कोतवाली विकासनगर जिला देहरादून शामिल रहे।

डाकपत्थर को तीर्थ यात्रियों के लिए विश्राम केंद्र घोषित करने की मांग

विकासनगर। जनजागरण समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष सुबोध गोयल ने विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर डाकपत्थर को तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों के लिए आधुनिक विश्राम केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की माँग की है। संस्था का कहना है कि डाकपत्थर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर एक शांत पर्यटन स्थल है, जहाँ पर्यटकों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। समाजसेवी कौशल गुप्ता ने कहा कि डाकपत्थर में गढ़वाल मंडल विकास निगम का बड़ा विश्राम गृह, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन, खुले मैदान और टीन शेड जैसी व्यवस्थाएं पहले से उपलब्ध हैं, जो इसे तीर्थ यात्रियों के ठहराव के लिए उपयुक्त बनाती हैं। इसके अलावा स्वच्छ जल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था जैसी आधारभूत सुविधाएं भी यहाँ मौजूद हैं। जिससे स्थानीय लोगों को सेवा, व्यवसाय व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

महाविद्यालय चकराता में समाजशास्त्र में विभागीय परिषद का गठन

चकराता। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में विभागीय परिषद का गठन किया गया। नवगठित परिषद में प्रीति को अध्यक्ष, खुशी चौहान को उपाध्यक्ष तथा स्मिता को सचिव चुना गया। इस अवसर पर विभाग की ओर से तत्क्षण भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने देश-विदेश की घटनाओं एवं स्थानीय सामाजिक मुद्दों पर प्रभावशाली ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में आयुषी रावत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि काजल चौहान एवं श्रुति रावत ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान हिमांशी को मिला। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. जयश्री थपलियाल, डॉ. सुदीप्ता कंडारी और डॉ. शिवांगी उपाध्याय की निर्णायक मंडली ने किया। विभाग प्रभारी यशवीर सिंह रावत ने विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और छात्रों से महाविद्यालय की शैक्षणिक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

बारिश से नहर में तब्दील हुई जीवनगढ़ रोड

विकासनगर। पुलिस चौकी डाकपत्थर के पास जीवनगढ़ रोड पर मूसलाधार बारिश के बाद सड़क पर जलभराव हो गया जिससे लोगों की दुकानों और मकानों में बारिश का पानी घुस जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही इस मार्ग पर गुजरने वाले वाहन चालकों व राहगीरों को भी खासा परेशानी उठानी पड़ी। इस दौरान डाकपत्थर जीवनगढ़ को जोड़ने वाला ये मुख्य मार्ग किसी नहर की तरह दिखाई दिया। दरअसल यहां दोनों और से सड़क पर ढलान पर है जिसके चलते सड़क पर बारिश के बाद यहां बहुत ज्यादा जल भराव होता है। जलभराव का मैन कारण नाले का चौक होना बताया जा रहा है, नाले में भारी गंदगी कूड़ा करकट भरा पड़ा हुआ है जिसके कारण बारिश होने पर पानी की निकासी नहीं हो पाती और सड़क नहर की तरह दिखाई देती है। स्थानीय निवासी अधिवक्ता विपिन गोयल ने बताया कि विभाग इस संबंध में सुध लेने को तैयार नही है। नाला चौक होने की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

फुटबाल टूर्नामेंट में शिवालिक एकेडमी ने प्राप्त किया तीसरा स्थान

विकासनगर। डाइसन एडुलजी सॉकर टूर्नामेंट (वाइनबर्ग एलन स्कूल, मसूरी) में शिवालिक एकेडमी और ओएसिस स्कूल के बीच खेले गए पहले मैच में शिवालिक एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम ने अगले राउंड में प्रवेश किया। दूसरे दिन मुकाबला शिवालिक एकेडमी बनाम सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल से हुआ। खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और रणनीति के साथ खेलते हुए 3-1 से मुकाबला अपने नाम कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शिवालिक एकेडमी ने एशियन स्कूल के खिलाफ कठिन मुकाबले में 1-0 से विजय हासिल की। जिसमें शिवालिक के खिलाड़ियों ने दृढ़ संकल्प और अनुशासन का परिचय दिया व सेमिफाइनल मुकाबले में शिवालिक एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आवासीय विद्यालय की छात्राओं से मारपीट और धमकी का आरोप

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोरूवा में छात्राओं से मारपीट, अभद्र भाषा प्रयोग और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले में विद्यालय की वार्डन दीपमाला रावत, शिक्षिका ज्योति और रोशनी के खिलाफ चकराता थाने में शुक्रवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम काहा, थाना कालसी निवासी राकेश तोमर ने चकराता थाने में लिखित तहरीर देकर बताया कि उनकी पोती (काल्पनिक नाम रूचि) और अन्य छात्राओं के साथ विद्यालय में वार्डन और शिक्षिकाओं द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। शिकायत में बताया गया कि इन पर गाली-गलौच करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने जैसे आरोप लगे हैं। पीड़ित की तहरीर के आधार पर चकराता थाने में मुकदमा भारतीय न्याय सं. हता (बीएनएस) के अंतर्गत मामला पंजीकृत किया गया है। मामले की जांच उप निरीक्षक युद्धवीर सिंह को सौंपी गई है, जो उच्चाधिकारियों के निर्देशन में अग्रिम कार्रवाई कर रहे हैं।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा के निधन पर जताया गहरा दुख

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है।

अपने शोक संदेश में माहरा ने कहा कि डॉ. गिरिजा व्यास का आकस्मिक निधन कांग्रेस पार्टी व देश की अपूर्णीय क्षति है। उनका पूरा जीवन कांग्रेस पार्टी एवं समाज सेवा को समर्पित रहा है। महिला आयोग के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री के रूप में महिलाओं के उत्थान के लिए उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

डॉ. गिरिजा व्यास के आकस्मिक निधन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय देहरादून में प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जोशी की अध्यक्षता में शोक सभा का भी आयोजन किया गया जिसमें

■ **पूर्व मंत्री के निधन पर कांग्रेसी नेता करण माहरा ने गहरा दुख जताया**

कांग्रेसजनों ने डॉ. गिरिजा व्यास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, प्रदेश महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, विचार विभाग केडॉ. परितोष सिंह, डॉ. एच.बी. पंत, डॉ. डी.के. त्यागी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. सत्यव्रत, डॉ. मनोज, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी, आनन्द बहुगुणा, आशा शर्मा, पुष्पा पंवार, लाखीराम बिजलवाण, विरेन्द्र पंवार, गोपाल गडिया, एडवोकेट अल्मास, राम, अनुराधा तिवारी, सावित्री थापा, मंजू चौहान, शरीफ बेग आदि अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई की उठी मांग

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने और हिंसा के लिए उकसाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि 28 अप्रैल को मजार तोड़ने और कश्मीरी छात्रों को धमकाने की घटना के विरोध में जिन संगठनों ने शांति और संविधान की रक्षा के लिए आवाज उठाई थी, अब उन्हीं सामाजिक कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर खुलेआम धमकियाँ दी जा रही हैं।

भूपेश जोशी नामक एक व्यक्ति द्वारा की गई आपत्तिजनक पोस्ट में सामा. जिक कार्यकर्ताओं के नाम लेकर उनके खिलाफ हिंसा भड़काने का प्रयास किया गया। पोस्ट की भाषा अत्यंत आपत्तिजनक, असंवैधानिक और भड़काऊ थी, जिसका स्क्रीनशॉट भी जिलाधिकारी को सौंपा

■ **विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन ,नफरत के सौदागरों पर लगे लगाम: इंसानियत मंच की दो टूक**

गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विक्की चौहान और रविन्द्रनाथ कौशिक नामक अन्य व्यक्ति भी लगातार सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणियों के जरिये माहौल को विषाक्त कर रहे हैं। संगठनों का कहना है कि यह सब योजनाबद्ध ढंग से किया जा रहा है ताकि देहरादून में भी उत्तरकाशी और नैनीताल जैसी स्थिति उत्पन्न की जा सके। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी और प्रकरण को एसएसपी देहरादून को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

ज्ञापन देने वालों में उत्तराखंड इंसा. नियत मंच, उत्तराखंड महिला मंच, चेतना आंदोलन, किसान सभा, सीटू, सीपीआई, सीपीएम, पीपुल्स फोरम, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, एसएफआई उत्तराखंड, उत्तराखंड मसीह समाज, किसान सभा उत्तराखंड, सीटू, पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तराखंड, हिन्द स्वराज मंच, सर्वोदय मंडल उत्तराखंड, एनएपीएसआर, नेताजी संघर्ष समिति, ऑल इंडिया लॉयर्स एसोसिएशन, पीपुल्स फोरम उत्तराखंड, इंडिया अगेंस्ट करप्शन, नागरिक विकल्प मंच, मजदूर सहायता समिति, सीपीआई एमएल, समाजवादी पार्टी, जनता दल सेकुलर आदि सघ्ंगठनों जुटे रवि चोपड़ा, कमला पंत, लताफत हुसैन, अनंत आकाश, विजय भट्ट , निर्मला बिष्ट, त्रिलोचन भट्ट, जब्बर सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

यूपीईएस में हुआ प्रेसिडेंट्स कप का आयोजन

■ **खेलों में उत्कृष्टता और मेंटरशिप का जश्न, खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित**

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) ने खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दो बड़े आयोजनों: प्रेसिडेंट्स कप और वार्षिक स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड्स, के माध्यम से मजबूती प्रदान की। यह आयोजन खेल भावना, सामुदायिक जुड़ाव और समग्र विकास का सजीव उदाहरण बने।

प्रेसिडेंट्स कप का पहला संस्करण बिधोली परिसर के अत्याधुनिक फ्लडलाइट क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया। इसमें छात्रों की टीम और फैकल्टी-स्टाफ टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसने छात्र-शिक्षक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। मैच के अंत में विजेता

टीम को रोलिंग ट्रॉफी प्रदान की गई। इस आयोजन में हाइड्रोकार्बन एजुक. ेशन एंड रिसर्च सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. शरद मेहरा, यूपीईएस के प्रेसिडेंट डॉ. सुनील राय और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. राय ने कहा,'प्रेसिडेंट्स कप एक 'फ्लिप्ड क्लासरूम' की तरह है, जहाँ छात्र और शिक्षक मैदान में एक-दूसरे से सीखते हैं। यह सम्मान, सहयोग और समुदाय-भाव के निर्माण की दिशा में एक अनूठा प्रयास है'। दूसरे आयोजन स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड्स में उन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने वर्ष भर विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 9 महिला और 12 पुरुष खिलाड़ियों को पुरस्कार मिले। क्रिकेट से आर्यन कपूर और वॉलीबॉल से चित्रा शर्मा को 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' घोषित किया गया। 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' और 'मोस्ट एमर्जिंग प्लेयर' जैसे विशेष खिताब भी प्रदान किए गए।

स्कूल ऑफ बिजनेस और स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज एवं मीडिया की संयुक्त टीम 'ट्राइडेंट टाइटन्स' ने इंटर-स्कूल ट्रॉफी अपने नाम की। यूपीईएस ने खेलों में लैंगिक समानता को भी प्राथमिकता दी है।

राघवी बिष्ट और नंदिनी कश्यप जैसी उभरती महिला क्रिकेटरों को प्रोफेशनल उपकरण और वित्तीय सहायता देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। खेल विभाग के निदेशक डॉ. अमरीश टोनी ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल ट्रॉफी जीतना नहीं, बल्कि छात्रों में अनुशासन, चरित्र और जीवन-कौशल का विकास करना है। यूपीईएस द्वारा शुरू किया गया 'प्रोजेक्ट विजय' प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को 100: तक ट्यूशन शुल्क की छात्रवृत्ति देता है। साथ ही, शहीदों के परिजनों के लिए वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित कर उन्हें भी छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं।

उपलब्धियों की मिसाल बने यूपीईएस के छात्र आर्यन कपूर, बीसीसीआई से संबद्ध सीनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट लीग में देहरादून का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले छात्र बने। पूर्व छात्रा दीया चोपड़ा और सिजल मान ने उत्तराखंड स्टेट इंटर-कॉलेज शूटिंग चौंपियनशिप में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किए। राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता नवनीत सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय यूपीईएस की निरंतर प्रेरणा को दिया।

इंटक ने श्रमिक, मजदूर व किसानों के आंदोलन को किया याद

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। राष्ट्रीय मजदूर दिवस कांग्रेस (इंटक) व सीटू के द्वारा अंबेडकर भवन डाकपत्थर में श्रमिक दिवस मनाया गया, जिसमें श्रमिकों व मजदूरों और किसानों द्वारा आंदोलन में किए गए योगदान को याद किया।

मजदूर संगठनों ने केंद्र सरकार द्वारा पारित मजदूर विरोधी नीति का विरोध करते हुए निम्न मांगों पर विचार किया गया जिनमे केंद्र सरकार द्वारा पारित मजदूर विरोधी चार श्रम कोड निरस्त करने, नये मोटर व्हीकल एक्ट को रद्द करने, ठेका, आउटसोर्सिंग, ट्रीं, अप्रेंटिस प्रणाली खत्म कर संविदा, ठेका मजदूरों को समान कार्य का समान वेतन देने, बिजली बोर्ड, स्मार्ट मीटर पर रोक, बीमा, बैंक, आयुध निर्माा आदि का निजीकरण बंद करने, मलिन बस्तियों को हटाने पर तत्काल रोक लगाने, एवं उत्तराखंड के भूमिहीन मजदूरों को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत भूमि आवंटित किए जाने, आंगनबाड़ी, मिड डे मील, आशा आदि को रेगूलर किए जाने, न्यूनतम वेतन 26 हजार प्रतिमाह किए जाने, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल किए जाने, देहरादून डाकपत्थर बस युनियन के लिए भूमि आवंटित किए जाने आदि मांगों पर विचार किया जाए।

इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवप्रसाद देवली, जिलाध्यक्ष पछवादून तनवीर आलम, लेखराज महामंत्री सीटू, गोपाल वाल्मीकी, सुरेश कुमार, जसवीर तोमर, प्रेम सिंह नेगी, अरूण कुमार, रविंद्र कुमार नौटियाल, राजेंद्र सिंह, महेंद्र, पूनम, सुमन, पूजा आदि मौजूद रहे।वहीं दूसरी ओर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाबूगढ़ विक. ासनगर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट, छत्रपाल सिंह, पंकज नौटियाल, सुभाष चमोली शिरीश भट्ट, मुदित जोशी तथा अन्य छात्र छात्राओं के द्वारा किया गया।

पारम्परिक शिल्पकारों व कारीगरों का हो कौशल विकास : डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत परम्परिक शिल्पकारों तथा कारीगरों के आर्थिक उन्नयन हेतु सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने योजना के अन्तर्गत आने वाले सभी पारम्परिक शिल्पकारों तथा कारीगरों को चिन्हित करते हुए उनके कौशल विकास हेतु गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण की व्यवस्था करने, इच्छुक व्यक्तियों को आसानी से कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने, टूल किट सहायता दिलाने तथा डिजिटल ट्रांजेक्शन हेतु जागरूक करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने जनपद के उच्च गुणवत्ता के सामान को ई-मार्केट से जोड़ने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पीएम विश्वकर्मा योजना

के तहत संचालित ट्रेड्स में से जिस ट्रेड में कम लोगों का रजिस्ट्रेशन हो रहा है, उस पर विशेष फोकस करते हुए अधिक से अधिक लोगों का पंजीकरण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का मकसद कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करना है, साथ ही सीएससी सेंटरों द्वारा अपात्र व्यक्तियों के फार्म न भरने के दिशा निर्देश भी दिए साथ ही पीएम विश्वकर्मा की मीटिंग हर महीने कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने महाप्रबंधक उद्योग उत्तम कुमार तिवारी को ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का प्रशिक्षण देने के साथ ही पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ पहुँचाने तथा कारीगरों एवं शिल्पकारों को उनके क्षेत्र में ही प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु प्रशिक्षण केन्द्र बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना का डाटा अधिशासी अधिकारियों की भांति खण्ड विकास अधिकारियों के डेशबोर्ड पर भी दिखने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ तथा समापन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं उच्चाधिकारियों को बुलाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक उत्तम कुमार तिवारी ने बताया कि स्टेज 2 (डीआईसी) इस वर्ष अभी तक 2569 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें से 2257 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके है। जनपद में फिलहाल 07 सेंटर ट्रेनिंग का कार्य कर रहे है। बैठक में सभी स्टेकहोल्डर को पीएम विश्वकर्मा योजना के सफल संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि इस योजना के तहत अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को शुरू से अंत तक सहायता और कारीगरों को अपने पारंपरिक कौशल को बढ़ाने, नई तकनीकी हासिल करने तथा बेहतर उत्पाद तैयार करने में मदद दी जाती है। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री शोभाराम प्रजापति, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, बीडीओ सुमन कोटियाल, पवन सिंह नेगी, जोगेंद्र सिंह,आलोक गार्गेय, एलडीएम संजय संत, एसएनए नगर निगम ऋषभ उनियाल,डॉ प्रदीप कुमार सहित अधिकारी एव कर्मचारी उपस्थित थे।

मेयर किरण जैसल ने हरी झंडी दिखाकर दवा स्प्रे टैंकरों को किया रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गर्मी के मौसम को देखते हुए नगर निगम द्वारा दवा स्प्रे टैंकरों की शुरूआत की गयी है। मेयर किरण जैसल ने रानीपुर मोड़ स्थित कैंप कार्यालय पर हरी झंडी दिखाकर टैंकरों को रवाना किया। मेयर किरण जैसल ने बताया कि शहर के लोगों द्वारा लगातार दवा छिड़काव की मांग की जा रही थी। गर्मी के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। पानी जमा होने से डेंगू मच्छरों के पनपने की आशंका भी रहती है। टैंकरों के माध्यम से सभी वाडों में दवा का स्प्रे किया जाएगा। जिससे मच्छरों का प्रकोप कम होगा और मच्छर जनित रोगों से बचाव करने में भी मदद मिलेगी। मेयर ने सभी से सफाई व्यवस्था में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास सफाई का ध्यान रखने और पानी जमा ना होने दें। इस दौरान सहायक नगर अधिकारी ऋषभ उनियाल, सीनियर सेनेटरी इंस्पेक्टर श्रीकांत चौधरी, कार्यशाला प्रभारी आदित्य तेश्वर और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरक्षा कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में स्कूल के सुरक्षा कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कर्मी की मौत के बाद परिवार व आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। लेकिन स्कूल प्रशासन व पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराना जरुरी नहीं समझा। जिसके बाद से शहर भर में स्कूल की कार्यशैली को लेकर तमाम सवाल खडे हो रहे है। स्कूल प्रशासन ने इतनी बड़ी घटना के बाद भी स्कूल की छुट्टी तक नहीं की। वहीं मौत के भी अलग-अलग कारण सामने आ रहे है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह बारिश के बीच ज्वालापुर के सुभाषनगर में स्थित एक स्कूल के करीब 40 वर्षीय सुरक्षा कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुरक्षा कर्मी को स्कूल कैंपस में पड़ा देख परिजनों के होश उड़ गए। जिसके बाद उसको रानीपुर मोड़ स्थित अस्पताल में लें जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कर्मी की मौत के मामले में दो अलग-अलग वजह निकल कर सामने आई है। पहली वजह करंट लगना बताया जा रहा है तथा दूसरी वजह बारिश के पानी में पैर फिसलना बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। लेकिन पुलिस व स्कूल प्रशासन ने पोस्टमार्टम कराना जरुरी नहीं समझा। यहां तक कि सुरक्षा कर्मी की मौत के बाद भी स्कूल व्यवस्थित रूप से चलता रहा और सुरक्षा कर्मी के रूम में ही दिन भर उसका शव पड़ा रहा। स्कूल प्रशासन मामले को दबाने में लगा रहा है जिसके बाद से कर्मी की मौत को लेकर कई सवाल भी उठ रहे है। यह घटना दिन भर शहर में चर्चा का विषय बनी रही। वहीं एसएसआई ज्वालापुर नितिन चौहान ने बताया कि मामले एक्सीडेंटल मौत का प्रतीत होता है। पुलिस को मामले की जांच के लिए मौके पर भेजा गया था। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने के लिए मना किया।

चौधरी चरण सिंह पुन: चुने गए वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन के अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। चौधरी चरण सिंह लगातार चौथी बार वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन के अध्यक्ष चुने गए हैं। विश्व मजूदर दिवस के अवसर पर ज्वालापुर इंटर कालेज प्रांगण में देर शाम आयोजित संगठन की बैठक में चौधरी चरण सिंह को सर्वसम्मति से पुन: अध्यक्ष चुना गया। साथ ही निवृतमान कार्यकारिणी को ही अगले कार्यकाल के लिए मनोनीत किया गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने चौधरी चरण सिंह को शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में संगठन द्वारा जनता और वरिष्ठ जनों के कल्याण हेतु किए गये कार्यों की सराहना की। बैठक में सभी ने शिकागो में अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए शहीद हुए श्रमिकों और 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए सभी लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गयी। चौधरी चरण सिंह ने कहा कि वरिष्ठ जनों और जनता की समस्याओं को लेकर वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन का संघर्ष पूर्व की भाँति जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पूरा देश सरकार के साथ है। सरकार को आतंकवादियों और उनके मददगार पाकिस्तान को करारा सबक सिखाना चाहिए। बैठक में गिरधारी लाल, रामबचन गुप्ता, संतराम, सुखवीर सिंह, शिवबचन, प्रेम कुमार, एसएन बत्रा, एपी गौड, चौपाल सिह, विद्यासागर, हरदयाल अरोड़ा सुंदरलाल, शिवकुमार, अशोक पाल, एससीएस भास्कर, डा. रमेश कुमार, केपी शर्मा, पीसी धीमान, बाबूलाल, शिवचरण, महेंद्र शर्मा, सतपाल चांदना, महेन्द्र सिंह, सुभाष ग्रोवर, महेशचंद त्यागी, जगराम सिंह आदि वरिष्ठजन मौजूद रहे।

गंगा सभा के पदाधिकारियों ने किया प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरकी पैड़ी प्रबंधकारिणी संस्था श्री गंगा सभा ने प्रेस क्लब हरिद्वार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महासचिव दीपक मिश्रा सहित समस्त कार्यकारिणी को सम्मानित किया। बृहस्पतिवार की देर शाम हरकी पैड़ी स्थित श्री गंगा सभा कार्यालय में प्रसिद्ध कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी की मौजूदगी में गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, महासचिव तन्मय वशिष्ठ ने गंगाजली, प्रसाद और पटका भेंटकर प्रेस क्लब पदाधिकारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मां गंगा की महिमा का वर्णन करते हुए अंर्तराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी ने कहा कि मोक्षदायिनी गंगा हरिद्वार की पहचान है। लाखों करोड़ों श्रद्धालु गंगा में आस्था और पुण्य की डुबकी लगाने के लिए हरिद्वार आते हैं और गंगा के पावन जल में स्नान कर मोक्ष की कामना करते हैं। पुंडरीक गोस्वामी ने कहा कि हरकी पौड़ी का ब्रह्मकुंड वह स्थान है, जहां आने के लिए देवता भी लालयित रहते हैं। इसी गंगा के पावन तट पर कुंभ और अर्द्धकुंभ जैसे महापर्व संपन्न होते हैं। वें परम सौभाग्यशाली है कि उन्हें गंगा के पावन तट पर

कथा करने का अवसर मिला है। इसके लिए वें गंगा सभा के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते है। पुंडरीक गोस्वामी ने कहा हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु में भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश का स्वरूप विद्य है। गंगा जल में चरण स्पर्श करने पर विष्णु, आचमन संकल्प में ब्रह्मा और स्नान के उपरांत केशों से जल बहने पर शिव स्वरूप हो जाता है। ऐसे पवित्र स्थान पर गंगा स्नान और सत्संग श्रवण का विशेष महत्व है। गंगा स्नान तन को और सत्संगों का श्रवण मन को पवित्र करता है। हरकी पैड़ी पर भजन संध्या कर परम आनंद की अनुभूति हो रही है और इसके लिए वे बार- बार हरिद्वार आने के लिए तैयार है। इस दोरान प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महासचिव दीपक मिश्रा, प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष शिवशंकर जायसवाल, स्थाई सदस्य एवं एनयूजे आई के प्रदेश अध्यक्ष सुनील दत्त पाण्डेय, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष गुलशन नैय्यर, बृजेन्द्र हर्ष, डा. रजनीकांत शुक्ला, संजय आर्य, दीपक नौटियाल, संजय रावल एवं वर्तमान कार्यकारिणी में सचिव डा. हिमांशु द्विवेदी, समारोह सचिव आशु शर्मा, विकास कुमार झा, सुनील पाल, संजय चौहान, डा.प्रविन्द्र कुमार, सुनील मिश्रा, सुनील पाल, राहुल वर्मा, पुलकित शुक्ला, अनमोल कुमार को पटका, मां गंगा का प्रसाद और गंगाजली भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, स्वागत मंत्री सिद्धार्थ चक्रपाणि, सचिव वीरेंद्र कौशिक, प्रचार सचिव शैलेष मोहन, सचिव उज्जवल पंडित, पुंडरीक गोस्वामी के पिता विजय कृष्ण गोस्वामी, पत्नी रेणुका गोस्वामी सहित अन्य मौजूद रहें।

संत समाज ने मनाई आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य स्मारक समिति के तत्वाधान एवं समिति के महामंत्री श्रीमहंत देवानंद सरस्वती महाराज के संयोजन में शंकराचार्य चौक पर जगद्गुरू शंकराचार्य के श्री विग्रह के पूजन के पश्चात हरिहर आश्रम में जगतगुरु शंकराचार्य भगवान को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी ने संतजनो से आशीर्वाद प्राप्त किया। शंकराचार्य चौक पर श्री विग्रह पूजन के समय म.मं. स्वामी प्रबोधानंद गिरि, म.मं. डा. प्रेमानंद, भारत माता मंदिर के श्रीमहंत एवं निरंजनी अखाड़े के म.मं. स्वामी ललितानंद गिरी महाराज, म.मं. रामेश्वरानंद सरस्वती, म.मं. गिरधर गिरी, शिवडेल स्कूल के संस्थापक स्वामी शरद पुरी, दयानंद तीर्थ, स्वामी केशवानंद, स्वामी विवेकानंद महाराज, स्वामी सहजानंद, स्वामी हंसानंद, स्वामी उमानंद गिरी, स्वामी कृष्णानंद, स्वामी महेशपुरी सहित संत महंत उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में स्वामी देवानंद सरस्वती महाराज के संचालन में उपस्थित महामंडलेश्वरा व संत जनों ने जगतगुरु आद्य शंकराचार्य भगवान को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

5.10 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। पुलिस ने ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अंतर्गत नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान में एक नशा तस्कर को 5.10 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार देर शाम को ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अंतर्गत चलाए गए अभियान को सफल बनाने के लिए फेरुपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया जिसमें धनपुरा पीर के पास बाइक पर सवार एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलासी लेने पर युवक के पास से लगभग 5.10 ग्राम स्मैक बरामद हुई पूछताछ में युवक ने अपना नाम सोएब पुत्र मुन्तजिर निवासी

धनपुरा बताया और स्मैक के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।बाइक को सीज किया गया है।

एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया एक युवक को लगभग 5. 10 ग्राम स्मैक के साथ धनपुरा पीर के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सम्बंधित धाराओ में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।

आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को शिक्षक कर्मचारियों ने दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी द्वारा किए गए हमले में निर्दोष पर्यटकों की हत्या के विरोध में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन उत्तराखंड के बैनर तले जनपद हरिद्वार के शिक्षक कर्मचारी द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। इसके संदर्भ में शहीद भगत सिंह चौक पर सभी शिक्षक कर्मचारी एकत्रित हुए एवं सभी के द्वारा कैंडल जलाकर कतार के रूप में शांतिपूर्ण तरीके से रानीपुर मोड़ होते हुए प्रेम नगर आश्रम घाट तक कैंडल मार्च निकाला गया, घाट पर उन्होंने हमले में शहीद भारतीयों के नाम के दिए जलाकर उनकी आत्मा की शांति के लिए गंगा में प्रवाहित किए। मार्च के दौरान उपस्थित गढ़वाल मंडल अध्यक्ष विकास कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि संपूर्ण भारत के शिक्षक कर्मचारी सरकार

के साथ हैं सरकार दोषियों पर आवश्यक कार्रवाई करें। जनपद अध्यक्ष सुखदेव सैनी द्वारा आशा की गई कि भविष्य में इस प्रकार के आतंकी हमलो की पुनरावृत्ति ना हो जिसके लिए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए। जनपद मंत्री दीपक चौहान द्वारा बताया गया कि देश संपूर्ण शिक्षक एवं कर्मचारियों की संवेदनाएं शहीद परिवारों के साथ हैं । कैंडल मार्च में उपस्थित सभी कर्मचारी एवं शिक्षकों ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की एक स्वर में कड़ी निंदा की , और सरकार से मांग की कि सरकार को ठोस कदम आर्तिकियों के विरुद्ध उठाने चाहिए जिससे इस प्रकार के हमले की भविष्य में पुनरावृत्ति ना हो सके । जनपद प्रभारी सदा शिव भास्कर ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को तत्काल आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही अमल में लानी चाहिए। इस दौरान गढ़वाल मंडल उपाध्यक्ष वीर सिंह पवार, संगठन मंत्री सुरेश पाल सिंह, मनोज बरछीवाल, मदनपाल सिंह, ज्योतिराम, सुनीता जोशी, सरिता मलिक, विनोद यादव राकेश पंवार, दर्शन सिंह पंवार, ललित मोहन जोशी अश्वनी चौहान, रविंद्र रोड खीमानंद भट्ट, अखिलेश धारीवाल, निरोंम चौधरी, शैलेंद्र गौड़, जॉनी प्रसाद, कुलदीप सैनी, मनोज चंद, सचिन पंवार, तारा सिंह, मंत्री चंद्रकांत बिष्ट, सुनीता जोशी, श्रद्धा हिन्दू, यादोरम, पंकज बिश्नोई, मुकेश चौहान, जितेंद्र चौधरी, तेजवीर सैनी, बबलू सिंह आधाना, सोमपाल सिंह, कुलदीप सिंह, कृष्ण पाल सिंह, सतेंद्र कुमार, राजीव शर्मा, बृजमोहन मौर्य चरण सिंह, अनिल कुमार शर्मा, आदि शामिल रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस पर खरी उतरी 'धाकड़' धामी की सरकार

वरुण चौधरी के कार्यकाल में हुई खरीद-फरोख्त के मामलों की उठ रही जांच की मांग

डिस्पेंसरी के आवंटन को भी जल्द किया जा सकता है निरस्त, एमएनए हुए सख्त
जिस संविदा कर्मी की होनी थी सेवा समाप्त, उसका कर दिया स्थानांतरण, उठ रहे सवाल?

आरिफ अंसारी

हरिद्वार। नगर निगम हरिद्वार के बहुचर्चित हो चले भूमि घोटाले की जांच प्रारम्भ होते ही उत्तराखंड सरकार द्वारा जिस प्रकार भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की गई है उससे निगम प्रशासन में हडकंप मचा हुआ है। सराय स्थित निगम के कूड़ा प्लांट से लगती हुई भूमि निगम प्रशासन द्वारा बिना कोई प्रकाशन या विज्ञप्ति जारी किये हुए खरीदी थी। जिसको लेकर पिछले दिनों बोर्ड की बजट बैठक के दौरान पार्षदों द्वारा जमकर हगांमा किया गया था। यही नहीं खड़खड़ी में नगर निगम के स्वामित्व वाली डिस्पेंसरी को बिना कोई विज्ञप्ति प्रकाशित कराये मात्र 8.5 हजार मासिक किराये पर दिये जाने को लेकर भी काफी हगांमा बोर्ड बैठक के दौरान हुआ था अब जहां एक ओर भूमि घोटाले में बड़ी कार्यवाही हुई है तो वहीं दूसरी ओर डिस्पेंसरी को किराये पर दिये जाने के मामले में आवंटन प्रक्रिया निरस्त करने को लेकर मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार कमर कस चुके है। भूमि खरीद का मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रणवीर सिंह चौहान को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए जांच के आदेश जारी किये थे। अब बृहस्पतिवार को इस प्रकरण में प्रथमदृष्टया गंभीर अनियमितता पाये जाने के दृष्टिगत उक्त अनियमितता में प्रथमदृष्टया उत्तरदायी पाये गये प्रभारी सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम, हरिद्वार रवीन्द्र कुमार दयाल, प्रभारी अधिशासी अभियन्ता, नगर निगम, हरिद्वार आनन्द सिंह मिश्रवाण, कर एवं राजस्व अधीक्षक, नगर निगम, हरिद्वार लक्ष्मीकांत भट्ट एवं संविदा मानत्रिकार नगर निगम, दिनेश चन्द्र काण्डपाल, को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

मानचित्रकार ने अवर अभियंता बनकर किए फाइल पर हस्ताक्षर

15 हजार मासिक वेतन पाने के बावजूद पॉश इलाके में निर्मित आवास बना चर्चा का विषय

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम के भूमि घोटाले में निलम्बित हुए अधिकारियों की फेहरिस्त में शामिल संविदा मानचित्रकार दिनेश चन्द कांडपाल को लेकर शुक्रवार को पूरे दिन निगम में चर्चाओं का दौर चलता रहा। भूमि घोटाले में दिनेश चन्द की संल्पिता को देखते हुए अपर सचिव गौरव कुमार की ओर से जारी आदेश में दिनेश चन्द कांडपाल को लोहाघाट अटैच करते हुए निलम्बित किया गया। जबकि दिनेश चन्द स्थाई कर्मचारी न होकर संविदा मानचित्रकार के पद पर निगम में तैनात था। भूमि घोटाले की पत्रावली में दिनेश चन्द संविदा कर्मचारी को अवर अभियंता दर्शाकर कमैटी में शामिल करने को लेकर भी तत्कालीन मुख्य

आकाओं को खुश करने के लिए अवर अभियंता बन बैठा संविदा मानचित्रकार

नगर आयुक्त पर सवाल खड़े हो रहे है? जब दिनेश चन्द कांडपाल अभियंता न होकर मानचित्रकार के पद पर कार्यरत था तो आखिर कैसे दिनेश चन्द को अवर अभियंता दर्शाया गया और दिनेश चन्द ने भी भूमि खरीद फरोख्त की फाईल पर अवर अभियंता के तौर पर ही अपने हस्ताक्षर किये। वह भी तब जब नगर निगम हरिद्वार में दो-दो अवर अभियंता पूर्व से ही तैनात चले आते है। सवाल उठ रहे है कि स्थाई अभियंता होने के बावजूद आखिर किस आधार पर संविदा मानचित्रकार को अभियंता दर्शाकर सहमति ली गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्य नगर आयुक्त गौरव चौधरी की गुड बुक में शामिल दिनेश चन्द कांडपाल को निर्माण कार्यों के संबंध में 20 वार्डों का प्रभार भी दिया गया था। बताया जा रहा है कि तिकड़म बाजी में माहिर दिनेश चन्द कांडपाल को भले ही नगर निगम से 15 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता रहा हो लेकिन हरिद्वार के पॉश इलाके में निर्मित उनका आवास पूरी कहानी बयान करने के लिये काफी है।

इसके साथ ही प्रकरण में वरिष्ठ वित्त अधिकारी, नगर निगम, हरिद्वार सुश्री निकिता बिष्ट के विरूद्ध ''कारण बताओ'' नोटिस निर्गत किया गया है तथा सेवा विस्तार पर कार्यरत सेवानिवृत्त सम्पत्ति लिपिक वेदपाल का सेवा विस्तार समाप्त करते हुए उनके विरूद्ध सिविल सर्विसेज रेगुलेशन के अनुच्छेद 351(ए) के प्राविधानों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही करने हेतु नगर आयुक्त, नगर निगम, हरिद्वार को निर्देशित किया है। लेकिन जिस प्रकार शासन द्वारा दिनेश चन्द कांडपाल को निलम्बित करते हुए उनको लोहाघाट से अटैच करने के आदेश जारी किये गये उससे यह साफ हो गया है कि शासन भी इस मामले में आंख मूंद कर कार्यवाही करने में तेजी दिखाता नजर आया। क्योंकि दिनेश चन्द कांडपाल अवर अभियंता न होकर संविदा पर तैनात मानचित्रकार के तौर पर नगर निगम में अपनी सेवाए दे रहे थे। अब सवाल उठता है कि जिस कर्मचारी की सेवा समाप्त कर उसको घर भेजा जाना था आखिर किस आधार पर उस संविदा कर्मचारी का निलम्बन कर स्थाई कर्मचारी की भांति उसका स्थानांतरण लोहा घाट किया गया? बहरहाल उत्तराखंड सरकार द्वारा की गई इस बड़ी कार्यवाही से भूमि खरीद के भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों में खलबली मची हुई है। तो वहीं जल्द ही कुछ अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी बड़ी कार्यवाही किये जाने की चर्चाये तेज हो चली है।

वक्फ संशोधन विधेयक सरकार का ऐतिहासिक व मुस्लिम हित में लिया निर्णय : डा. शालिनी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा नेत्री एवं राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की संयोजिका डा. शालिनी अली ने प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक सरकार का ऐतिहासिक और समाजहित में लिया गया निर्णय है। डा. शालिनी अली ने कहा कि वक्फ एक पवित्र सामाजिक और धार्मिक संस्था है। जिसका मूल उद्देश्य मुस्लिम समाज के गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद वर्गो के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास की व्यवस्था करना है। लेकिन दुर्भाग्यवश वर्षों से यह संस्था लैंड माफियाओं, भ्रष्ट तत्वों और लैंड जिहाद जैसी गतिविधियों का शिकार रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्डों में दो महिलाओं की भागीदारी अब अनिवार्य की गई है, जो मुस्लिम महिलाओं को

निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाने का स्वागत योग्य और साहसिक निर्णय है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग वक्फ संपत्तियों का अपने हित में प्रयोग कर रहे हैं। सरकार द्वारा किए गए संशोधन से वक्फ संपत्तियों के दुरूपयोग पर रोक लगेगी और गरीबों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने 'बत्ती गुल' कर वक्फ कानून के विरोध में किए गए प्रदर्शन को राजनीतिक स्टंट बताते हुए कहा कि कुछ लोग अपने हित के लिए समाज को गुमराह कर बत्ती गुल जैसे आयोजन कर रहे हैं।

बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ दिया धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहर में बढ़ते अपराध, सड़क हादसों और नशाखोरी के खिलाफ आम आदमी पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं समाजसेवी सतपाल सिंह ठुकराल ने लोगों के साथ शुक्रवार को गांधी पार्क में दो दिवसीय सांकेतिक धरना शुरू किया। उन्होंने कानून व्यवस्था की स्थिति को गंभीर बताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। आप नेता ठुकराल ने कहा कि बीते दिनों शहर में पिता-पुत्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई। सड़क दुर्घटनाएं दिनोदिन बढ़ती जा रही हैं, जिससे लोगों की जान जा रही है। उन्होंने इन पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कहा कि शहर में नशे का कारोबार लगातार फैल रहा है, जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

नैनीताल कांड के बाद प्रशासन अलर्ट

■ **प्रशासन ने चलाया सत्यापन अभियान**

रामनगर। नैनीताल में हुए कांड के बाद रामनगर प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट हो गया है। जिसको लेकर प्रशासन ने फड़, ठेला एवं फेरी कर व्यापार करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर दिया है।

शुक्रवार को अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश के बाद रामनगर में भी फड़ ठेला एवं फेरी कर व्यापार करने वालों के खिलाफ सत्यापन करने को लेकर अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान में राजस्व विभाग, पुलिस, नगर पालिका एवं खाद्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 150 से अधिक लोगों का सत्यापन किया गया। उन्होंने बताया कि जिसमें कुछ लोग बाहरी प्रदेश के पाए गए। उन्होंने बताया कि जो बाहरी प्रदेश से आकर यहां बिना सत्यापन के रोजगार कर रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही उन्हें उनके क्षेत्र को भेजा जाएगा। एसडीएम ने कहा कि रामनगर में बाहरी राज्यों से आकर व्यापार करने वाले बिना सत्यापन के रह रहे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल, फूड इंस्पेक्टर असलम खान, महिला दारा. ेगा सुरभि राणा, नगर पालिका परिषद के प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षक लल्ला मियां, नगर पालिका परिषद के टेक्स कर निरीक्षक संजय मनराल आदि मौजूद रहे।

जोड़ मेले की तैयारियां हों चाक-चौबंद: डीएम

■ **नौ से 11 जून तक रीठा साहिब में होगा जोड़ मेले का आयोजन**

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। दुनिया में मीठे रीठे के चमत्कार के लिए प्रसिद्ध गुरुद्वारा श्रीरीठासाहिब में होने वाले सालाना जोड मेले की तैयारीयो में जिला प्रशासन जुट गया है। 9 से 11 जून तक होने वाले इस मेले में तीर्थ यात्रियों को सड़क यातायात, सुरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता, पेयजल आदि व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी नवनीत पांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि यह ऐसा मेला है, जिसमें हमें प्रतिवर्ष देश-विदेश के तीर्थ यात्रियों की मेजबानी करने का अवसर मिलता है।

इस मेले में देश के कोने-कोने के अलावा विदेश से भी तीर्थ यात्री आते हैं। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमे तीर्थ यात्रियों को हम बेहतर सुविधायें देने के साथ एक मेहमान की तरह उनको सम्मान दें, जिससे वे यहां की यादों को समेटकर अपने साथ ले जा सके। इससे हमारे जिले का पर्यटन और धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा।

उन्होंने सूखीढांग से रीठासाहिब तक के मार्ग को हर हालत में सुगम यातायात योग्य बनाने के लिए 25 मई तक की लक्ष्मण रेखा खींच दी है। उनका कहना है कि टनकपुर से आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए यह ऐसा मार्ग है, जिसमे उनकी सफर की दूरी आधी रह जाती है। ऐसी स्थिति में इस सड़क में यात्रियों का अधिक दबाव होगा। ऐसे संवेदनशील स्थानों में जेस. ेबी रखी जाए ताकि आपात स्थिती में सड़क को चालू रखा जा सके। बैठक में मेले में तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ के चलते वहां सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध की जाएं। इसके अलावा विभिन्न स्थानों से आने वाली संगत द्वारा तीर्थ यात्रियों की सेवा के लिए सड़क मार्गो में जो लंगर सेवा चलाई जाती है, वहां पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा का विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, डीएफओ नवीन चंद पंत, सीडीओ संजय सिंह, एडीएम जयवर्धन शर्मा, एसडीम अनुराग आर्य, जल संस्थान के यूनुस बिलाल, जल निगम के ईई बीके पाल सहित तमाम लोग मौजूद थे।

आदि कैलाश में पार्वती कुण्ड के समीप स्थित शिव मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन को खुले

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। आदि कैलाश ओम पर्वत की पवित्र यात्रा के दौरान पार्वती कुण्ड के निकट विराजमान भगवान शिव का प्राचीन मंदिर आज श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही, लगभग 150 स्थानीय ग्रामीण एवं 50 तीर्थयात्रियों ने दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

दोपहर 12 बजे शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मंदिर के कपाट खोले गए। इस अवसर पर स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालु भी उपस्थित थे। मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

पार्वती कुण्ड, जो कि आदि कैलाश के मार्ग में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि इस पवित्र कुण्ड में स्नान करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। कुण्ड के समीप स्थित शिव मंदिर श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र है।

मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष यात्रा के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि सभी श्रद्धालु सुगमता से दर्शन कर सकें। उन्होंने यात्रियों से यात्रा के दौरान पवित्रता बनाए रखने और पर्यावरण का सम्मान करने की अपील की।

मंदिर के दर्शन करने आए श्रद्धालु कार्तिक भाटिया ने बताया कि श्रद्धालुओं में मंदिर के कपाट खुलने को लेकर भारी उत्साह है, उनके साथ साथ अन्य कई यात्रियों ने अपनी यात्रा की शुरुआत मंदिर में दर्शन के साथ की और भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त किया।

यह मंदिर आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करने वाले भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र है और इसके कपाट खुलने से यात्रा और भी अधिक मंगलमय हो गई है।

पुलवामा हमले के बाद उत्तराखंड में सख्ती

केलाखेड़ा और बरहैनी में चला सत्यापन अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर/केलाखेड़ा/बरहैनी। पुलवामा हत्याकांड के उपरांत देशभर में सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसी क्रम में उत्तराखंड सरकार द्वारा सभी जिलों में सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के आदेशों के अनुपालन में आज बाजपुर उपजिलाधिकारी के निर्देशन में केलाखेड़ा और बरहैनी क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया गया।

इस अभियान में बाजपुर तहस. ेलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका केलाखेड़ा, अधिशासी अधिकारी केलाखेड़ा पुलिस, बरहैनी पुलिस और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। टीमों ने क्षेत्र में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों और श्रमिकों का रिकॉर्ड खंगाला तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे राज्य में संदिग्ध गतिविधियों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। स्थानीय नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों में रह रहे किरायेदारों और श्रमिकों का समय-समय पर सत्यापन कराएं और प्रशासन को सहयोग दें। सत्यापन अभियान आगामी दिनों में अन्य क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा ताकि राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सके।

एक नजर

बहुउद्देशीय वृहद् विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में लगेंगे विभागीय स्टॉल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा. दीपक सैनी ने बताया है कि सिविल जज (सी.डी.) / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अवगत कराया गया है कि आगामी 11 मई, 2025 (रविवार) को झौलखेत मैदान, मूनाकोट में प्रात: 10:00 बजे से बहुउध्देशीय वृहद् विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें माननीय वरिष्ठ न्यायमूर्ति / कार्यपालक, अध्यक्ष, माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल मनोज तिवारी द्वारा भी प्रतिभाग किया जाना है।

उक्त आयोजित बहुउद्देशीय वृहद् विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में विभागों द्वारा शिविर स्थल पर पात्र व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र (जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड) आदि जारी करने एवं शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र व्यक्तियों को उनकी पात्रता के आधार पर लाभान्वित किए जाने हेतु विभागीय स्टॉल स्थल पर स्थापित किये जांए। स्थल पर विभागों के सुसज्जित स्टॉल ससमय स्थापित किये जाने हेतु मुख्य कृषि अधिकारी, पिथौरागढ़ एवं परियोजना प्रबन्धक, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना, पिथौरागढ़ को नोडल नामित किया जाता है। खण्ड विकास अधिकारी, मूनाकोट द्वारा क्षेत्रीय कार्मिकों के माध्यम से शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाएगा। जिला सूचना अधिकारी, पिथौरागढ़ द्वारा प्रिंट मीडिया सोशल मीडिया आदि माध्यमों से भी शिविर का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

माइनिंग टीम ने मिट्टी से भरी दो टैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। माइनिंग टीम ने बुधवार की देर शाम ग्राम चंदेली में बिना अनुमति के मिट्टी खनन कर रहे दो ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ा। माइनिंग टीम को देखकर खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और मौके से फरार हो गए।

बुधवार की शाम कैलाश रिवर बेड मिनरल्स एलएलपी कम्पनी रॉयल्टी पेकिंग (खनन विभाग) के अधिकारियों ने ग्राम चंदेली बिना अनुमति के मिट्टी खनन कर परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ा। खनन के विभागीय दस्तावेज ना दिखाने पर दोनों वाहनों टैक्टर ट्रॉली संख्या यूके 06एबाई, 0381व यूके 06एटी, 1034 को चालक सहित कब्जे में ले लिया और स्थानीय पुलिस चौकी सत्रहमील की हिरासत में चौकी परिसर में खड़ा कर दिया। वहीं चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट ने बताया खनन विभाग की टीम ने बिना अनुमति के खनन कर रहे मिट्टी से भरे दो ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ा है और अवैध खनन अधिनियम में दोनों वाहनों को सीज कर दिया गया।

पेयजल संकट को लेकर नागरिकों का धरना प्रदर्शन जारी

■ **आंदोलन को मिल रहा है व्यापक जनसमर्थन**

■ **2160 केएल के स्थान पर 560 केएल ही मिल रहा है लोगों को पानी**

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। नगर में गंभीर पेयजल संकट के चलते नगर विकास संघर्ष समिति के बैनर तले लोगों का स्थानीय कचहरी में धरना प्रदर्शन लगातार जारी है, जिसे व्यापक जन समर्थन मिल रहा है।

नगर के लोगों को कई वर्षों से हर तीसरे दिन उसमें भी थोड़ा पानी मिल रहा है, जिसके लिए लोग सरयू नदी से लिफ्ट पेयजल योजना बनाने की लगातार मांग करते आ रहे हैं। इस मांग को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अपनी स्वीकृति पहले दी जा चुकी थी। वर्तमान में बंसवाड़ से नगर को मिलने वाला पानी सूखे ने निगल लिया है। इस प्रकार लोगों को लोहावती नदी से 400, ऋषेश्वर से 30, फोर्ती से 30 तथा टैंकरों से 50 केएल पानी की आपूर्ति हो रही है , जबकी नगर की आवश्यकता 2160 केएल की है। वैसे देखा जाए तो लोगों को मांग का एक चौथाई ही पानी मिल रहा है।

हालांकि जल संस्थान द्वारा एक दिन छोड़कर लोगों को 35 से 40 लीटर तथा दो स्थानों में दो दिन छोड़कर 50 से 60 लीटर पानी की आपूर्ति का दावा किया जा रहा है, लेकिन आंदोलनकारी इस दावे को झुठला रहे हैं। उनका कहना है कि चार-पांच दिन में पानी मिल रहा है, उसमें भी पानी की गुणवत्ता अच्छी नहीं है।

इधर जल निगम के ईई बीके पाल का कहना है उनके द्वारा 106 करोड रुपये लागत की सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की डीपीआर शासन को भेजी गई है। इससे पूर्व जो डीपीआर भेजी गई थी, उसमें आपत्तियां लगाई गई थी, जिन्हें दूर कर दोबारा भेजा गया है।

आंदोलनकारीयो का कहना है कि नगर के लोगों की प्यास बुझाने का एकमात्र माध्यम ही सरयू नदी से लिफ्ट पेयजल योजना से आपूर्ति किया जाना है। स्थानीय कचहरी में आज पेयजल समस्या को लेकर शैलेंद्र राय, रणजीत अधिकारी, राज किशोर शाह, गणेश पुनेठा, डीडी पांडे, ममता ढेक, पूरण उप्रेती, उषा अधिकारी, दीपक शाह, अजय गोरख, रमेश बिष्ट आदि लोगों ने धरना दिया। धरना स्थल में हुई बैठक में आंदोलनकारीयो का साफ कहना था कि वह किसी शौक के कारण यह आंदोलन नहीं कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी के अभाव से हलक सूख चुके है।

पेयजल सचिव एवं जिलाधिकारी भी चाहते हैं कि जल्द बने सरयू पेयजल योजना

लोहाघाट। नगर की गंभीर पेयजल समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी नवनीत पांडे बराबर राज्य सरकार के संपर्क में है। उनका कहना है कि पेयजल के अभाव के चलते लोहाघाट में सीवर लाइन के निर्माण का भी प्रस्ताव नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी के अनुसार लोहाघाट नगर के लिए सरयू पेयजल योजना के अलावा कोई दूसरा विकल्प ही नहीं है जिसे माक्ष मुख्यमंत्री जी द्वारा भी अपनी घोषणा में शामिल किया गया था। जल निगम द्वारा डीपीआर तैयार कर पुन: भेजी गई है। उधर पेयजल सचिव शैलेश बगौली भी चाहते हैं कि सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की स्वीकृति में आ रही बाधाओं को दूर कर उसे अंतिम रूप दिया जाए।

पूर्व प्राचार्य कमल किशोर पाण्डे की निदेशक पद पर पदोन्नति

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य कमल किशोर पाण्डे सर कर्मठ, जुझारू मृदुभाषी और ऊर्जावान व्यक्तित्व, जो प्रत्येक विषय के गहन ज्ञाता हैं। और नवाचार व रचनात्मक विचारों से परिपूर्ण हैं।

निदेशक पद पर पदोन्नति होने की और उच्च शिक्षा निदेशालय में निद. ेशक के तौर पर कार्य भार ग्रहण करने पर, समस्त महाविद्यालय परिवार ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। निदेशालय हल्द्वानी में निदेशक का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा. मनुहार आर्य, क्रीड़ा प्रभारी डा. विकास रंजन और कार्यालय से सत्येन्द्र यादव एवं विकास ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर सहायक निद. ेशक डा. गोविंद पाठक और मनीषा तिवारी, राजकीय महाविद्यालय बनबसा के प्राचार्य डा. आदित्य प्रकाश सिंह, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. यादव सर आदि मौजूद रहे। पाण्डे की उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया। ज्ञात हो की प्रो. पाण्डे ने बीते एक जुलाई 2023 को बाजपुर महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया था।

व्यापारियों ने रखी नेताओं के समक्ष अपनी पीड़ा

■ **कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने दिया व्यापारियों को भरोसा**

■ **जनता के साथ अन्याय किसी भी सूरत में नहीं करेंगे बर्दाश्त: यशपाल आर्य**

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। व्यापारियों ने कहा कि बेशक उत्तराखंड में भाजपा सरकार है, लेकिन बाजपुर में कांग्रेस का ही राज है। बाजपुर के अतिक्रमण को लेकर लोगों के आक्रोश को देखते हुए कांग्रेसी नेता प्रतिपक्ष एवं बाजपुर विधायक यशपाल आर्य द्वारा बाजपुर उप जिलाधिकारी और बाजपुर तहस. ेलदार एवं काशीपुर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तलब किया गया।

जन चर्चा रही कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बाजपुर विधायक यशपाल आर्य अतिक्रमण मुद्दे को लेकर चुनावी समर में प्रमुखता से धामी सरकार को घेरेंगे। बाजपुर में हाल ही में हुई अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को लेकर स्थानीय व्यापारियों में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग द्वारा की गई नापतोल और दुकानों पर लगाए गए लाल निशानों के बाद व्यापारियों में डर और चिंता का माहौल है। इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को दर्जनों व्यापारी कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और पूर्व विधायक संजी आर्य से मिलने उनके कैंप कार्यालय पहुंचे। जहां व्यापारियों ने अपनी दुकानों पर लगे लाल निशानों और संभावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर अपनी पीड़ा दोनों नेताओं के समक्ष रखी। व्यापारियों की बात सुनते हुए यशपाल आर्य ने उन्हें आश्वस्त किया कि कांग्रेस उनके साथ है। उन्होंने कहा हम सरकार में नहीं हैं, इसलिए सीधे निर्णय नहीं ले सकते, लेकिन जनता के साथ अन्याय किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम हर स्तर पर इस मुद्दे को उठाएंगे और बाजपुर को उजाड़ने से रोकने का हर संभव प्रयास करेंगे।

पूर्व विधायक संजीव आर्य ने भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर धामी सरकार पर दबाव बनाएगी और जल्द ही कोई ठोस कदम उठाया जाएगा। विधायक यशपाल आर्य ने इस संबंध में बाजपुर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और काशीपुर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तलब कर अतिक्रमण की समस्या पर समाधान के लिए चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने और हाई कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। जनचर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी और धामी सरकार को घेरेगी।

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि भले ही उत्तराखंड में भाजपा की सरकार है, लेकिन बाजपुर में कांग्रेस का ही दबदबा है। व्यापारियों ने नेताओं से अपील करते हुए अतिक्रमण के नाम पर की जा रही कार्रवाई को रोका जाए और उन्हें ऐसा वैकल्पिक समाधान दिया जाए जिससे उनकी आजीविका प्रभावित न हो।

सांसद अजय भट्ट ने अधिकारियों के साथ की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री को नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने पंतनगर स्थित अपने आवास पर केंद्र सरकार द्वारा संचा. लित ईएसआईसी हॉस्पिटल रुद्रपुर के मेडिकल सुपरीटेंडेंट सहित अन्य डॉक्टरों को अधिकारियों के साथ बैठक कर अस्पताल की समीक्षा की।

श्री भट्ट ने मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर प्रवीण कुमार वर्मा और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर अतुल पांडे से समीक्षा बैठक कर अस्पताल के वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी देते हुए कमियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। श्री भट्ट ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 100 बेड के इस अस्पताल में अभी तक 68 बेड चल रहे हैं जबकि सभी 100 बेड संचालित होने चाहिए। इसके अलावा वेंटिलेटर की व्यवस्था करने सहित सीनियर नर्सिंग ऑफिसर्स के पद सहित खाली पड़े पदों पर जल्द नियुक्ति किए जाने और अन्य आवश्यक उपकरण जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्री भट्ट ने कहा कि मजदूर भाइयों और उनके परिवारों के उपचार के लिए संचा. लित इस 100 बेड के अस्पताल में यथा शीघ्र सभी कर्मियों को पूरा किया जाना आवश्यक है।

शराब की दुकान को बंद कराने को सड़क पर आई महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम मालधन क्षेत्र में शराब की दुकान को बंद करने, कच्ची शराब की बिक्री पर रोक लगाने व सरकारी अस्पताल में मानकों के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर महिला एकता मंच ने मालधन क्षेत्र में जनसंपर्क कर तीन मई शनिवार को चक्का जाम व धरना कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

मंच की भगवती आर्य ने बताया कि शनिवार 3 मई को दिन में 11 बजे से मालधन गोपाल नगर में शराब की दुकान के समक्ष धरना व चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने 21 अप्रैल को जनता ने प्रशासन से शराब की दुकान बंद किए जाने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था लेकिन प्रशासन द्वारा हमारी मांगों का समाधान न किए जाने के कारण मजबूर होकर हमें चक्का जाम व धरना पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस व स्कूल बसों को चक्का जाम से छूट दी गई है। जनसंपर्क के दौरान महिलाओं ने कहा कि जनता को नशा नहीं इलाज चाहिए। मालधन के साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टेक्नीशियन के अभाव में एक्स-रे मशीन डंप पड़ी हुई है। कहा कि पिछले लंबे समय से जनता मालधन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाओं की मांग कर रही है, लेकिन धामी सरकार जनता को इलाज की जगह नशा दे रही है जो हमें स्वीकार नहीं है। महिलाओं ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह मालधन क्षेत्र की जनता को वोट बैंक समझना बंद करे और शराब की दुकान तत्काल बंद करने का आदेश जारी करे। इस दौरान भगवती आर्य ,पुष्पा आर्य, देबी, विनिता टम्टा, सरस्वती जोशी ममता, रजनी, भगवती देवी, भावना, रेखा, नीमा, गीता, मुनीश कुमार, भोपाल राम, सुरेंद्रकुमार,शंकर लाल, गिरधारी लाल, हरीश चन्द्र आर्य आदि शामिल रहे।

नगर पालिका ठेकेदार की मनमानी से सभासदों में भारी आक्रोश

■ **सभासदों ने बोर्ड बैठक का बहिष्कार कर धरने पर बैठने को दी चेतावनी**

■ **आक्रोशित सभासदों ने मामले का संज्ञान लेकर जांच की मांग की**

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका परिषद के आक्रोशित सभासदों ने शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी को एक ज्ञापन सौंप कर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन फर्म/ठेकेदार के द्वारा अवैध वसूली करने तथा कार्य संतोषजनक न करने का गंभीर आरोप लगाया है तथा मामले में जांच की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि सत्र अप्रैल 2024 से मार्च 2025 में मै. आरिफ इंटरप्राइजेज एवं नगर पालिका के बीच अनुबंध के अनुसार फर्म को कूड़ा कलेक्शन के लिए अपने वाहनों को लगाना होगा और कूड़ा एकत्रित व पृथक करने के लिए भूमि भी ठेकेदार को उपलब्ध करानी होगी साथ ही यूजर चार्ज भी वसूलकर पालिका में जमा करना होगा। लेकिन ठेका लेने के बाद ही उपरोक्त कार्य विवादास्पद हो गया जो अभी न्यायालय में विचाराधीन है। जिसकी पैरवी में नगर पालिका के द्वारा मोटी रकम का भुगतान फीस के रूप में अधिवक्ता गणों को किया जा रहा है। जिससे पालिका को भारी आर्थिक क्षति हो रही है, जबकि उपरोक्त वादों से पालिका का कोई हित सुरक्षित नहीं है। सभासदों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा पूरा कलेक्शन करने के एवरेज में यूजर चार्ज की वसूली की जा रही है तथा जो रसीद भवन स्वामी को दी जा रही है वह पालिका द्वारा सत्यापित नहीं किया गया। सभासदों ने आरोप लगाया है कि यूजर चार्ज वसूली में भारी धांधली कर पालिका को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वहीं सभासदों का आरोप है कि ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा यूजर चार्ज के रूप में प्रत्येक घर/मकान से 30 के स्थान पर 50 की वसूली की जा रही है। साथ ही पालिका सीमा में स्थित मैरिज हॉल, होटल ढाबों अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों व अस्पतालों से भी वसूली की जा रही है, लेकिन प्रतिमाह एक लाख तीस हजार जमा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पालिका की लापरवाही का फायदा उठाकर ठेकेदार द्वारा प्रतिमाह लाखों रुपये का गबन कर पालिका को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सभासदों का कहना है कि पालिका के द्वारा पूर्व फर्म को 13 लाख बीस हजार में ठेका दिया गया था, तब ठेकेदार के द्वारा पालिका द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहनों का संचालन किया जा रहा था और टचिंग ग्राउंड के रखरखाव की व्यवस्था भी ठेकेदार के द्वारा की जा रही थी, लेकिन वर्तमान समय में पालिका कर्मचारियों अधिकारियों की सांठगांठ से उपरोक्त ठेका 21 लाख रुपये में आरिफ इंटरप्राइजेज को दिया गया है। वर्तमान में पालिका सीमा विस्तार होने के बाद भी आरिफ इंटरप्राइजेज के द्वारा उतनी ही गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, जितनी पालि. का के द्वारा उपलब्ध कराई गई है और टचिंग ग्राउंड भी पालिका के द्वारा उपलब्ध कराया गया है जो कि अनुबंध के विपरीत है। उन्होंने चेतावनी दी कि है यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो जनहित/पालिका हित में सभी सदस्यगण पालिका में धरने पर बैठने एवं पालिका बोर्ड बैठक का बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी पालिका अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी की होगी। ज्ञापन में सभासद निशा देवी, असलम अंसारी, लक्ष्मण सिंह भंडारी, विश्वनाथ यादव, मोहम्मद शरीफ, प्रकाश शर्मा, जीशान अहमद, गोकुल दत्त ओली, गुलफ्शा, रीना अंसारी, द्रौपदी देवी, स्मिता राणा, नफीस अहमद, आशीष कुमार तथा रमेश चंद आदि के हस्ताक्षर थे।

भाजपा नेता विपिन पांडे गिरफ्तार

विरोध: हल्द्वानी कोतवाली में हिन्दुवादी संगठनों का उग्र प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा नेता विपिन पांडे की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को हिंदूवादी संगठनों ने कोतवाली परिसर का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विपिन पांडे को एक शांतिपूर्ण बैठक के दौरान उनके आवास से अनुचित ढंग से पुलिस ने हिरासत में लिया, जो

ठेले-फड़ व्यवसायियों के सत्यापन की मांग

पूरी तरह पक्षपातपूर्ण कार्रवाई है। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हविपिन पांडे को रिहा करो के नारे लगाए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना था कि यह गिरफ्तारी हाल ही में नैनीताल में हुई नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म की घटना के विरोध में किए

गए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के चलते की गई है। इस दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह भी मौके पर पहुंचीं। प्रदर्शनकारियों ने उनसे फल-ठेले और फड़ चलाने वालों द्वारा नाम पट्टियों के न लगाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने पूर्व में यह निर्देश जारी किया था, लेकिन एक विशेष समुदाय के कई व्यवसायियों द्वारा इसका पालन नहीं किया गया है। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा व्यवसायियों का सत्यापन अभियान जारी है और जो भी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान कोतवाली में भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की तथा आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म की घटना निंदनीय और दरिंदगीपूर्ण: सुमित हृदयेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में 12 वर्षीय नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म की घटना पर हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कड़ी निंदा करते हुए दोषी को कठोर सजा की मांग की है। उन्होंने नैनीतालवासियों और प्रदेश के लोगों से शांति बनाए रखने तथा पुलिस-प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा यह घटना निंदनीय और दरिंदगीपूर्ण है। ऐसा कृत्य किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के व्यक्ति द्वारा किया गया हो, वह असहनीय है। हमारी प्राथमिकता अमन और शांति बनाए रखना होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून को अपने हाथ में न लेते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा किया जाए। विधायक ने पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने का आग्रह किया और कहा कि दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, लेकिन किसी निर्दोष को प्रभावित न किया जाए। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए त्वरित न्याय की उम्मीद जताई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है और आरोपी की पहचान व गिरफ्तारी के लिए जांच तेज की गई है। प्रशासन ने भी घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पर्याप्त बल तैनात किए हैं।

हल्द्वानी और नैनीताल में पुलिस का फ्लैगमार्च

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल में हाल ही में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए हल्द्वानी में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। घटना की आंच

लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

हल्द्वानी तक भी पहुंची है, जिसको ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ शहर में विभिन्न स्थानों में फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन को यह विश्वास दिलाना था कि कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी अराजक

गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फ्लैग मार्च नैनीताल रोड, तिकोनिया, राजपुरा, रेलवे बाजार, तिरंगा चौराहा, बनभूलपुरा, शनि बाजार और बरेली रोड जैसे संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च में एसपी सिटी प्रकाश चन्द्र, एसडीएम राहुल शाह, कोतवाल राजेश कुमार यादव, और थाना बनभूलपुरा के प्रभारी नीरज भाकुनी भी मौजूद रहे। भारी संख्या में तैनात पुलिस बल ने सड़कों पर मार्च कर शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने का स्पष्ट संदेश दिया। एसएसपी पीएन मीणा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी व्यक्ति यदि माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा शांति और सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों से अपील की वह शांति और संयम बनाए रखें। पुलिस और प्रशासन अपना काम कर रहे हैं। किसी तरह की अफवाह में न आएं। **नैनीताल।** सरोवर नगरी नैनीताल में शुक्रवार को पुलिस ने फ्लैग मार्च निकालकर आम जनमानस में कानून एवं सुरक्षा को प्रबल बनाए रखने का संदेश दिया। बता दें कि आम जनता में कानून एवं सुरक्षा का भाव बनाए रखने हेतु नैनीताल शहर में पुलिस कप्तान प्रहलाद नारायण मीणा के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। प्रशासन टीम, पुलिस अधिकारी अन्य पुलिस टीम द्वारा नैनीताल के थाने से खड़ी बाजार, बड़ा बाजार, चीनाखान, रिक्शा स्टैंड, माल रोड, घोड़ा स्टैंड आदि स्थानों में होते हुए नैनीताल शहर में फ्लैग मार्च करते हुए आम जनमानस में सुरक्षा के प्रति विश्वास को बढ़ाया गया। पुलिस कप्तान मीणा द्वारा बताया गया कि नैनीताल पुलिस जनता की सुरक्षा एवं सेवा के लिए कटिबद्ध है कानून एवं शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों पर पुलिस की सख्त निगरानी है। कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भ्रामकता फैलाने व कानून एवं शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असमाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

गौला नदी में मिला अज्ञात युवक का शव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा थाना क्षेत्र के गौलापार पुल के नीचे गौला नदी में

स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल

एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने गौला नदी में एक शव पड़ा हुआ दिखाई

दिया। जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बरामद कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक सड़क से नदी में गिर गया होगा, लेकिन मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच का इंतजार है। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने गौलापार क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि चोरगलिया रोड के रेलवे फाटक से गौलापार पुल को जोड़ने वाली सड़क का एक हिस्सा पिछली बरसात से क्षतिग्रस्त है, लेकिन अभी तक इसकी मरम्मत नहीं की गई है। इसके अलावा सुरक्षा के नाम पर महज बांस के बैरियर लगाए गए हैं, जिन्हें आसानी से पार किया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस खतरनाक मार्ग पर तुरंत पुख्ता क्रैश बैरियर लगाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बनभूलपुरा पुलिस ने मृतक की पहचान करने और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। देर शाम तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई।

लिफ्ट में फंसे पत्रकार मची अफरा-तफरी

हल्द्वानी। मुखानी क्षेत्र स्थित चंदन डायग्नोस्टिक सेंटर और जलागम भवन में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पत्रकार वार्ता के लिए पहुंचे कई पत्रकार एक लिफ्ट हादसे का शिकार होते-होते बाल-बाल बच गए। यह घटना उस समय हुई जब पत्रकार भाजपा नेता और जलागम परिषद के उपाध्यक्ष शंकर कोरंगा की प्रेस कॉन्फ्रेंस को कवर करने के लिए सेंटर की तीसरी मंजिल पर जा रहे थे। जैसे ही पत्रकार लिफ्ट में सवार हुए, लिफ्ट पहले अचानक बेसमेंट में चली गई और फिर ऊपर की ओर बढ़ी, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद तेजी से नीचे गिर गई और सीधे बेसमेंट में आकर रुकी। इस झटके से लिफ्ट में सवार पत्रकारों में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई।

विभिन्न समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा। शिक्षकों और बच्चों की तमाम समस्याओं के निराकरण को लेकर राजकीय शिक्षक संघ मुखर हो गया। शुक्रवार को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने डीएम और सीईओ को ज्ञापन सौंप जल्द समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा कि स्कूली खेल प्रतियागिताओं में कई होनहार खिलाड़ी बजट के अभाव के कारण प्रतिभाग नहीं कर पाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए बजट के आवंटन, 55 से अधिक उम्र और गंभीर रूप से बिमार शिक्षकों की पंचायत चुनाव में ड्यूटी नहीं लगाने, कार्यरत पति पत्नी में से भी सिर्फ एक की ड्यूटी लगाने आदि की मांग की।

लापरवाह पुलिसकर्मियों पर एसएसपी की सख्ती जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जनपद नैनीताल में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी में लापरवाही पर एसएसपी पीएन मीणा लगातार सख्त कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ चौकियों और थानों में फरियादियों की शिकायतों को अनसुना किया जा रहा है।

हालात यह हैं कि कई फरियादी सीधे एसएसपी दरबार में पहुंचकर न्याय की गुहार लगा रहे हैं, जहां से आदेश मिलने के बाद ही मुकदमे दर्ज हो पा रहे हैं। हाल ही में एक महिला घर से लापता हो गई, जिसकी शिकायत मंडी चौकी में दी गई, लेकिन पुलिस ने उसे नजरअंदाज कर दिया। पीड़ित द्वारा एसएसपी से शिकायत करने के बाद ही मामला दर्ज किया गया। एक अन्य प्रकरण में एक व्यक्ति के साथ लाखों रुपये की ऑनलाइन ठगी हो गई। जब वह कोतवाली पहुंचा तो वहां भी उसकी बात नहीं सुनी गई।

बाद में एसएसपी को अवगत कराने पर मुकदमा दर्ज हुआ। इन घटनाओं से साफ है कि कुछ पुलिसकर्मी अभी भी जिम्मेदारियों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, हालांकि एसएसपी की ओर से लगातार चेतावनी दी जा रही है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई पुलिसकर्मी जनशिकायतों की अनदेखी करता है, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ऑनलाइन 38 हजार ठगे

हल्द्वानी। तल्ला गोरखपुर निवासी नागेंद्र सिंह चौहान एक ऑनलाइन गेमिंग साइट के झांसे में आकर साइबर ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित के अनुसार फरवरी में उसके पास एक फोन आया, जिसमें खुद को ऋतिक शर्मा, एजेंट स्वस्तिक एक्सचेंज नामक ऑनलाइन गेमिंग साइट का प्रतिनिधि बताया गया। ठग ने कई गुना मुनाफे का लालच देकर नागेंद्र को अपनी साइट पर निवेश के लिए प्रेरित किया। झांसे में आकर नागेंद्र ने एक मार्च से चार मार्च के बीच अलग-अलग किश्तों में कुल 38 हजार रुपये निवेश कर दिए। कुछ दिन बाद वेबसाइट पर उसकी आईडी में 1.52 लाख दिखने लगे। जब नागेंद्र ने 1.20 लाख रुपये निकालने की कोशिश की, तो ठग ने औपचारिकताओं के नाम पर बैंक खाता और कोड की जानकारी भी ले ली।

मिलावटखोरी पर शिकंजा कई जगह छापेमारी

चारधाम, मानसखंड, कैलास मानसरोवर यात्रा व पर्यटन सीजन को लेकर एफडीए अलर्ट मोड में,

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार के निर्देश पर अपर आयुक्त के नेतृत्व में एफडीए टीम का हरिद्वार-हल्द्वानी व उधमसिंहनगर में ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। चारधाम यात्रा, मानसखंड यात्रा, कैलास मानसरोवर यात्रा और आगामी पर्यटन सीजन को लेकर उत्तराखंड सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में मिलावटखोरों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम हो रहा है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य सचिव व आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ आर राजेश कुमार के निर्देश पर अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी के नेतृत्व में एफडीए

टीम कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के दौरे पर रवाना हो गई है। टीम ने अपने पहले दिन हरिद्वार से लेकर हल्द्वानी व उधमसिंहनगर तक ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान चलाया। अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने कहा आयुक्त डॉ आर राजेश कुमार के निर्देश पर उनका यह दौरा मुख्य रूप से यात्रा मार्गों पर खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और नकली दवाओं की रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा को लेकर है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के निर्देश पर प्रदेश प्रशासन, विशेषकर एफडीए, यात्रा मार्गों पर खाद्य और औषधि सुरक्षा को लेकर एक्शन मोड में है। स्वास्थ्य सचिव/आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देश पर अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी पूरी टीम के साथ दोनों मंडलों के दौरे पर रवाना हो गए हैं। इस दौरान निरीक्षण दलों के साथ बैठकें, स्थानीय व्यापारियों, ढाबा संचालकों, होटल मालिकों व आम नागरिकों से संवाद स्थापित भी किया जा रहा है। उनका उद्देश्य सभी को खाद्य सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि ष्हमें सुनिश्चित करना है कि यात्रियों को स्वच्छ और मिलावटमुक्त खाद्य सामग्री मिले, ताकि उनकी यात्रा सुरक्षित और सुखद हो। ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि विभागीय निरीक्षकों, खाद्य व औषधि निरीक्षकों की यात्रा मार्गों पर तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स को पूरी तरह एक्टिव मोड में लाया गया है, ताकि मौके पर ही खाद्य पदार्थों की त्वरित जांच की जा सके। उन्होंने चेकिंग टीमों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जग्गी ने बताया कि पर्वतीय मार्गों में भेजे जाने वाले खाद्य पदार्थों, मिठाइयों, डेयरी उत्पादों और पेय सामग्रियों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। नकली दवाओं की आपूर्ति रोकने के लिए छापेमारी अभियान और अधिक तेज कर दिए गए हैं।

हरिद्वार-नजीबाबाद मार्ग पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार ढाबों पर कार्रवाई

अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी एवं संयुक्त आयुक्त डॉ. आर.के. सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने हरिद्वार-नजीबाबाद मार्ग स्थित सजनपुर और चिड़ियापुर क्षेत्र के ढाबों व भोजनालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गम्भीर अनियमितताएं पाए जाने पर मामा भांजा गढ़वाली ढाबा, न्यू स्टार गढ़वाली ढाबा और हिमालयन भोजनालय के फूड लाइसेंस 7 दिन के लिए निलंबित कर दिए गए। इन ढाबों में खुले वॉशिंग एरिया, सड़ी-गली खाद्य सामग्री, खुले मसालों का उपयोग, गंदगी व बदबूदार किचन आदि प्रमुख कमियां पाई गईं। वहीं सजनपुर स्थित खैरा पंजाबी ढाबा को आवश्यक दस्तावेज न देने और खाद्य सामग्री की गलत ढंग से स्टोरेज करने पर नोटिस जारी किया गया। सभी संचालकों को 7 दिन के भीतर सुधार कर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा न करने पर स्थायी लाइसेंस रद्द कर, एफएसएस एक्ट 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

हल्द्वानी व उधमसिंहनगर में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी और संयुक्त आयुक्त डॉ. आर.के. सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने हल्द्वानी और उधमसिंहनगर जनपदों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य सामग्री विक्रेताओं, मिठाई दुकानों, होटल-ढाबों और मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की गई। टीम ने कई स्थानों पर साफ-सफाई में लापरवाही, एक्सपायरी उत्पादों की बिक्री, लाइसेंस की अनुपलब्धता और खाद्य मानकों के उल्लंघन जैसी गंभीर अनियमितताएं पाईं। कई दुकानों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने व कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने दिए हैं सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चारधाम यात्रा, मानसखंड यात्रा और कैलाश मानसरोवर यात्रा न केवल हमारी आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रदेश में लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, इसलिए उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यात्रा मार्गों पर कहीं भी मिलावटी खाद्य सामग्री, नकली दवाइयां या अस्वच्छ खानपान की सुविधा न मिले। पर्यटन सीजन के दृष्टिगत भी हम पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यात्रियों और आम जनता की सेहत से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और निगरानी टीमें

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि राज्य में मिलावट रहित और शुद्ध खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और एफडीए पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहे हैं। अपर आयुक्त के नेतृत्व में टीम को गढ़वाल व कुमाऊँ मंडल के दौरे पर रवाना किया गया है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर यात्रा मार्ग पर मेडिकल और खाद्य सुरक्षा सुविधाएं सक्रिय रहें। एफडीए द्वारा मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और निगरानी टीमें लगातार सक्रिय हैं। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सभी जिलों में जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

॥ कार्यालय नगर पालिका परिषद् रूद्रप्रयाग ॥

email id:-npprudraprayag6@gmail.com, Tel. 8791041698

पत्रांक:160/निविदा आ०सूचना/2025-26 दिनांक 02.05.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग को चारधाम यात्रा व्यवस्था 2025 हेतु पालिका निधि / चारधाम यात्रा व्यवस्था अनुदान से प्राप्त होने वाली धनराशि से चारधाम यात्रा मार्ग की सफाई व्यवस्था/विद्युत व्यवस्था एवं बहुउद्देशीय कार्यों हेतु यात्रा अवधि में कर्मचारी आउटसोर्स के माध्यम से रखे जाने हेतु विभिन्न फर्मो / निविदाकारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यालय नगर पालिका परिषद, रुद्रप्रयाग मे दिनांक 13-05-2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो कि उसी दिन उपस्थित फर्मो/निविदाकारों के सम्मुख सांय 3.00 बजे खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र निविदा मूल्य + जीएसटी जमा करके कार्यालय दिवस दिनांक 06-05-2025 से 08-05-2025 तक प्राप्त: 10:00 बजे से सायं 3:00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा कार्य एवं निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न है एवं किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय में देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा या सभी निविदाओं को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति मे निहित होगा। सूचना जनपद की वेबसाइट http://rudraprayag.nic.in में भी देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य
1	चारधाम यात्रा 2025 हेतु चारधाम यात्रा मार्ग की सफाई व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था एवं बहुउद्देशीय कार्य हेतु प्रति आउटसोर्स कर्मचारी अनुसार दर आमंत्रण ।	51,000	1500 + GST

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग

कार्यालय नगर पालिका परिषद डोईवाला देहारादून

पत्रांक सं० 127 / स०ह० / 2025-26 दिनांक-2/5/2025

इश्तहार नामान्तरण

नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत

आपको एतद नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है, कि श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री जगदीश प्रसाद निवासी शुगर मिल रोड डोईवाला, द्वारा इस आशय का एक प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है, कि नगर पालिका डोईवाला के अभिलेखों मे सम्पत्ति सं0 54 वार्ड सं0-04 मे सम्पत्ति सं० 54 जो कि जगदीश प्रसाद पुत्र श्री राम गुप्ता के नाम दर्ज के स्थान पर श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री जगदीश प्रसाद का नाम दर्ज किया जाना है। वर्तमान मे उक्त सम्पत्ति जगदीश प्रसाद पुत्र श्री राम गुप्ता के नाम अंकित है।
अत: जिस संस्था/व्यक्ति को उक्त सम्पत्ति हंस्तान्तरण कर कोई आपत्ति हो, तो वह इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर अपनी लिखित आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ कार्यालय में दे सकते है। कालान्तित आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा। आपत्ति प्राप्त न होने पर नियमानुसार एक पक्षीय कार्यावाही कर दी जायेगी जो सभी को मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद डोईवाला

कार्यालय नगर पालिका परिषद डोईवाला देहारादून

पत्रांक सं० 126 / स०ह0/2025-26 दिनांक-2/5/2025

इश्तहार नामान्तरण

नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत

आपको एतद नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है, कि श्री संजय कुमार पाल पुत्र श्री प्रेम सिंह निवासी प्रेम नगर बाजार डोईवाला जिला देहरादून द्वारा इस आशय का एक प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत किया गया है कि नगर पालिका डोईवाला के अभिलेखों में सम्पत्ति सं० 182 वार्ड सं0 07 को उनके नाम दर्ज किया जाये वर्तमान मे उक्त सम्पत्ति श्री तारा देवी पत्नी श्री प्रेम सिंह के नाम अंकित है।
अत: जिस संस्था/व्यक्ति को उक्त सम्पत्ति हंस्तान्तरण कर कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर अपनी लिखित आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ कार्यालय में दे सकते है। कालान्तित आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा आपत्ति प्राप्त न होने पर नियमानुसार एक पक्षीय कार्यावाही कर दी जायेगी जो सभी को मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद डोईवाला

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें ।

टेन्डर संख्या	22-DRM-MB-25-26 Dt. 09.04.2025
कार्य का नाम	Provision of Rubberised Level Crossing surfacing on LC Nos 423, 433, 438, 445, 451, 452, 453, 455, 456, 461, 462, 463, 468, 471, 472, 477, 478, 482 and 485 on AWP-NBD section and LC Nos 05 and 06 on NBD-KTW Section under ADEN/NBD.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	27.05.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 Hrs.
अनुमानित लागत	5,70,55,582.87
धरोहर राशि	4,35,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	13.05.2025

टेन्डर नं. Sr. DEN-IV/Publication/24-25 दिनांक 01.05.2025 1289/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9
ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आरसीबी की नजरें सीएसके के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने पर

● आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण भुवनेश्वर की अनुभवी गेंदबाजी पर निर्भर करता है

बेंगलुरु, वार्ता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने गृह मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 52 वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत की लय को बरक. रार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण भुवनेश्वर कुमार की अनुभवी गेंदबाजी और जोश हेजलवुड की जबरदस्त फॉर्म की बदौलत इस बार बहुत मजबूत दिख रहा है। दूसरी तरफ, सीएसके की टीम इस सीजन में न अच्छी बल्लेबाजी कर पा रही है और न ही गेंदबाजी में असर दिखा पाई है, जिससे उनके लिए आरसीबी को हराना आसान नहीं होगा। इस सीजन में आरसीबी की गेंदबाजी पूरी रंग में दिखाई दे रही है और यही उनकी जीत की बड़ी वजह भी बनी है। भुवनेश्वर कुमार की स्विंग, जोश हेजलवुड की सटीक गेंदबाजी और क्रुणाल पांड्या के ऑलराउंड प्रदर्शन ने टीम को एक मजबूत गें. दबाजी इकाई बना दिया है। पिछले सीजन की गेंदबाजी की कमजोरी इस बार नजर नहीं आ रही हैं।

वहीं, सीएसके की गेंदबाजी इस सीजन में तालमेल नहीं बिठा पाई है, जिससे आरसीबी को कल के मुकाबले में जीत के लिए पुरानी लय बरकरार रखनी पड़ेगी। हालांकि आरसीबी ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर लय में आयी है, लेकिन घर पर उनका प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस सीजन में उन्होंने अपने चार में से तीन मेजबा. नी मैच हारे हैं। इसके बावजूद, बाहर के मैदानों पर उनका मजबूत प्रदर्शन और बल्लेबाजी और गेंदबा. जी दोनों में गहराई उन्हें इस मुक. ाबले को दिलचस्प बनायेगी। आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन टीम की कमान संभालते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं विराट कोहली ने भी इस बार अच्छी लय पकड़ ली है और देवदत्त पडिक्कल लगातार रन बना रहे हैं। ये तीनों बल्लेबाज आरसीबी की बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, सीएसके इस सीजन में खराब फॉर्म से जूझ रही है। टीम ने लगातार तीन मुकाबले हारे हैं और प्रदर्शन काफी निराशा. जनक रहा है। इस बार एमएस धोनी की कप्तानी का अनुभव भी टीम के काम नहीं आया है। इसकी वजह उनकी गेंदबाजी है उनके गेंदबाज लगातार विकेट लेने में नाकाम रहे हैं। सीएसके के अहम गेंदबाज मथीशा पथिराना और खलील अहमद फॉर्म से बाहर चल रहे हैं, जबकि स्पिन विभाग में रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद धोनी की उम्मीद में खरे नहीं उतर पा रहे हैं। सीएसके की बल्लेबाजी में गहराई तो है, लेकिन आक्रामकता की कमी के कारण टीम बड़े स्कोर बनाने या प्रभावी तरीके से लक्ष्य का पीछा करने में असफल रही है। सैम करन और डेवाल्ड ब्रेविस कुछ अच्छे फॉर्म में दिखाई दिये, लेकिन टीम निरंतरता बनाए रखने में संघर्ष करती रही है। आगामी मैच में सीएसके वापसी की कोशिश करेगा, लेकिन उनकी वर्तमान फॉर्म और आरसीबी की मजबूत गेंदबाजी को देखते हुए यह चुनौती सीएसके के लिए बहुत बड़ी होगी। चिन्नास्वामी की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, जो दोनों टीमों को बड़े स्कोर बनाने का मौका देगी।

● केसीए पर विवादित टिप्पणी ●

श्रीसंत पर लगा तीन साल का बैन

■ **श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सहमालिक है**

तिरुवनंतपुरम, वार्ता। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में संजू सैमसन को नहीं चुने जाने को लेकर हुए विवाद में भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत के खिलाफ एक्शन लिया है। केसीए ने श्रीसंत पर सैमसन का समर्थन करने के बहाने उनके क्रिकेट संघ पर कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया और उन्हें तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने बयान में कहा कि यह फैसला 30 अप्रैल को कोच्चि में विशेष बैठक में लिया गया। केसीए के मौजूदा अध्यक्ष जयेश ने भी श्रीसंत पर इस मामले के लिए निशाना साधा था। श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सह मालिक हैं। इससे पहले उनके विवादित बयान के सिलसिले में श्रीसंत, कोल्लम टीम, अलपुझा टीम लीड और अलपुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। बयान में कहा गया, फ्रेंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दे दिया लिहाजा उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन बैठक में तय किया गया कि टीम प्रबंधन के सदस्यों की नियुक्ति के समय काफी एहतियात बरतने की सलाह दी जाएगी। बयान में यह भी कहा गया कि संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन का नाम लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए मुआवजे का दावा किया जाएगा। केसीए ने दो बार के विश्व कप विजेता श्रीसंत को एक मलयालम टीवी चैनल पर परिचर्चा के दौरान सैमसन और केसीए से जुड़ी टिप्पणियों के कारण नोटिस जारी किया। केसीए ने बयान में स्पष्ट किया कि नोटिस सैमसन का समर्थन करने के लिए नहीं दिया गया है बल्कि केसीए के खिलाफ भ्रामक और अपमानजनक टिप्पणियां करने पर दिया गया है। श्रीसंत ने टीवी पर सैमसन के प्रति कथित तौर पर समर्थन जताते हुए केसीए पर आरोप लगाये थे।

भारतीय टीम में वापसी को अब भी उत्सुक अजिंक्य रहाणे

रहाणे घरेलू सर्किट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और आईपीएल में केकेआर के लिए खेल रहे

नई दिल्ली, वार्ता। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे ने भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। रहाणे का कहना है कि वह राष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर उत्सुक हैं क्योंकि उनमें अभी भी रन बनाने की भूख और जुनून बाकी है।

रहाणे एक समय में भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान थे, लेकिन उन्होंने देश के लिए आखिरी बार 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर मुकाबला खेला था। रहाणे घरेलू सर्किट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और आईपीएल 2025 में केकेआर के लिए उन्होंने दम दिखाया है। रहाणे मौजूदा आईपीएल सीजन में 10 मैचों में 297 रन बना चुके हैं। रहाणे ने कहा कि उनके अंदर भारतीय टीम के लिए भूख, इच्छा और जुनून अभी भी बाकी है। रहाणे के लिए गौरव का सबसे बड़ा क्षण शायद 2020-21 का आस्ट्रेलिया दौरा था जिसमें उन्होंने चोटों से जूझ रही टीम का नेतृत्व करते हुए भारत को टेस्ट सीरीज में 2-1 से जीत दिलाई थी। रहाणे ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, हां, मैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बरकरार है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं मैदान पर 100 प्रतिशत से अधिक देता हूं।

यह उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मैं घरेलू क्रिकेट भी खेल रहा हूं और इस समय मैं वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। रहाणे ने 2011 में डेब्यू किया था और वह तीनों प्रारूप मिलाकर भारत के लिए 195 मैच खेल चुके हैं। रहाणे ने भारत के लिए खेलते हुए 8414 रन बनाए हैं। रहाणे के नेतृत्व में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने उतरी है और अभी प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार है। उन्होंने कहा, हर सुबह जब मैं उठता हूं तो यही सोचता रहता हूं कि मैं कौन से लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। मेरे लिए अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बढ़कर कुछ नहीं है। मैं फिर से भारतीय जर्सी पहनना चाहता हूं।

रोहित ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

● टी-20 में एक टीम के लिए दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान

जयपुर, वार्ता। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा शानदार फार्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को राजस्थान रायल्स के खिलाफ सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ा और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी-20 में एक टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। हिटमैन के लिए सत्र की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई थी। शुरुआती पांच मैचों में वह 0, 8, 13, 17 और 18 रन की पारी खेलकर आउट हो गए थे। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और धमाकेदार वापसी करते हुए पिछली पांच पारियों में तीन अर्धशतक बना डाले। राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 31 गेंदों में आईपीएल 2025 का अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ वह एक टीम के लिए टी-20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में रोहित ने हैम्पशायर के जेम्स विंस को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 6000 से ज्यादा रन बना लिए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा पारी के दूसरे ओवर में आउट होने से बाल-बाल बचे थे। इसके बाद उन्होंने जीवनदान का भरपूर लाभ उठाया और 36 गेंदों में 53 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस शानदार पारी के दौरान उनके बल्ले से नौ चौके निकले। हिटमैन ने पहले विकेट के लिए रेयान रिकेल्टन के साथ 116 रन की साझेदारी निभाई।

जडेजा ने चेन्नई के खराब प्रदर्शन की वजह बताई

ऑक्शन में गलती की, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा: अजय

नई दिल्ली, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल में लगातार दूसरे सीजन में खराब प्रदर्शन जारी है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी और इस सीजन भी उम्मीद कम ही लग रही है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना है कि फ्रैंचाइजी ने आक्शन में गलती की, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है। आईपीएल 2025 के जियोस्टार एक्सपर्ट अजय जडेजा ने सीजन के प्ले-ऑफ की रेस में टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों पर सोमवार को मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, मैं चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस का बहुत बड़ा फैन हूं। धोनी और तेंदुलकर ही वो कारण हैं जिनकी वजह से हमारी पीढ़ी के ज्यादातर लोग शायद इन दो टीमों को देखते हैं। इसलिए सीएसके के प्रदर्शन से मैं भी थोड़ा निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि नीलामी में आप देख सकते हैं कि उनके पास वह ताकत नहीं है जो अन्य टीमों के पास है। इसलिए शायद यही कारण रहा। और फिर, स्वाभाविक रूप से, जब चीजें ठीक नहीं होती हैं, तो आप हार जाते हैं।

खेल विशेष

मैरीकाम का खुलासा, डेढ़ साल पहले हुआ तलाक

● **कहाः अफेयर के बातें गलत, करुंग ओनलर से 2005 में हुई थी शादी**

नई दिल्ली, वार्ता। ओलिंपिक मेडल विजेता एमसी मैरीकाम का उनके पति करुंग ओनलर से तलाक हो चुका है। छह बार की विश्व चैंपियन रह चुकीं मैरीकाम ने करीब 16 महीने बाद इसका खुलासा किया। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर उन अफवाहों के बाद दी, जिनमें उनके हितेश चौधरी या एक अन्य बाक्सर के पति से संबंध होने की बात कही जा रही थी। दोनों का अलगाव 20 दिसम्बर 2023 को आपसी सहमति से दोनों परिवारों और बुजुर्गों की उपस्थिति में, काम प्रथागत कानून के तहत हुआ। 2005 में दोनों की शादी हुई थी।

अफेयर को लेकर दी सफाई

मैरीकाम ने हितेश चौधरी के साथ अफेयर को लेकर सफाई दी। हितेश बिजनेस पार्टर और मैरी काम बाक्सिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। मैरी पर एक अन्य बाक्सर के पति के साथ अफेयर के आरोप भी थे। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर, मैरी काम ने अपनी ओर से जारी एक कानूनी नोटिस शेयर किया। नोटिस में यह स्पष्ट किया गया कि उनका तलाक सौहार्दपूर्ण ढंग से महीनों पहले हो गया था और वह आगे बढ़ चुकी हैं और अपने पिछले विवाह पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती हैं। बयान के अनुसार हितेश चौधरी या किसी और को डेट करने की उनकी अफवाहें पूरी तरह से निराधार और झूठी हैं। बयान में मीडिया प्लेटफार्म से उनकी गोप. नीयता का सम्मान करने और गलत सूचना फैलाने से बचने का भी आग्रह किया गया। मैरी ने कानूनी करवाई और मानहानि करने की चेतावनी दी मैरी काम ने झूठी अफवाह फैलाने वालों को चेतावानी देते हुए कहा कि अगर उनके निजी जीवन का सम्मान नहीं किया गया।

श्रीलंका की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराया

■ **मालकी ने चार विकेट और देवमी विहंगा ने तीन विकेट लिए,हर्षिता ने 77 और कविशा ने 61 रन बनाए**

कोलंबो, वार्ता। मालकी मदारा (चार विकेट), देवमी विहंगा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (77) और कविशा दिलहारी (61) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने शुक्रवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 21 गेंदे शेष रहते दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के 235 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर कप्तान चामरी अटापट्टू (छह) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद विष्मी गुणारत्ने ने हसिनी परेरा के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 15वें ओवर में एन म्लाबा ने विष्मी गुणारत्ने (29) को पगबाधा आउटकर श्रीलंका को दूसरा झटका दिया। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा ने मोर्चा संभाला। 18वें ओवर में सुने लूस ने हसिनी परेरा (42) को आउटकरा पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आयी कविशा दिलहारी ने समाराविक्रमा के साथ 128 रनों की रिकार्ड साझेदारी कर श्रीलंका की जीत की नींव रखी। कविशा दिलहारी ने 75 गेंदों में (61) रनों की पारी खेली। कविशा को एन म्लाबा ने आउट किया। हर्षिता समाराविक्रमा ने 93 गेंदों में (77) रन बनाये। श्रीलंका के पांचवें विकेट के रूप में हर्षिता को डी क्लर्क ने आउट किया। श्रीलंका ने 46-3 ओवर में पांच विकेट पर 237 रन बनाकर मुक. ाबला पांच विकेट से जीत लिया। नीलाक्षी डिसिल्वा (11) और अनुष्का संजीवनी (एक) रन बनाकर नाबाद रही। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एन म्लाबा ने दो विकेट लिए। मासाबाटा क्लास, नडीन डी क्लर्क और सुने लूस ने एक-एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कप्तान लॉरा वुलफार्ट (10) और तेजमिन ब्रिट्स (14) रन के विकेट जल्द गवां दिये। मालकी मदारा ने वुलफार्ट को और सुगंधिका कुमारी को ब्रिट्स ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद करबो मेसो (नौ) रन बनाकर आउट हुई। लारा गुडॉल और सुने लूस ने पारी संभालने का प्रयास किया। लेकिन वे भी अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सकी। 29वें ओवर में देवमी विहंगा ने सुने लूस (31) को बोल्ड कर श्रीलंका पांचवीं सफलता दिलाई। क्लोई ट्राइऑन (35), एन डी क्लार्क (17), मासाबाटा क्लास (चार) और म्लाबा (शून्य) पर आउट हुई। एनेरी ने 60 गेंदों में (नाबाद 61) रनों की पारी खेली।

कोको गॉफ-सबालेंका फाइनल में भिड़ेंगी

मैड्रिड ओपन

मैड्रिड, वार्ता। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ और बेलारुस की आर्यना सबालेंका के बीच मैड्रिड ओपन के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल में चार बार की फेंच ओपन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में जगह बनाई। 21 वर्षीय गॉफ ने एक घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में स्वियाटेक को 6-1, 6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। यह पहली बार है जब गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियाटेक को हराया है। एक अन्य मैच में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-3, 7-5 से हराकर महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। इसी के साथ अब कोको गॉफ फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से भिड़ेंगी।

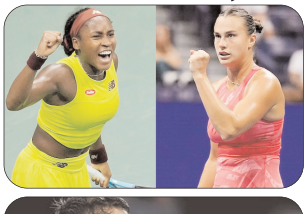

माटेओ अर्नाल्डी को हराकर जैक ड्रेपर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में

मैड्रिड, वार्ता। ब्रिटेन के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने इटली के माटेओ अर्नाल्डी को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ड्रेपर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक घंटे 17 मिनट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी को 6-0, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। ड्रेपर का सेमीफानइल में मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा कि मैं हर बार खेलने पर स्वयं को मजबूत महसूस करता हूं। मैं सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छा कर रहा हूँ और उम्मीद है कि यह आगे भी जारी रहेगा।

गुजरात ने हैदराबाद को 225 रन का लक्ष्य दिया

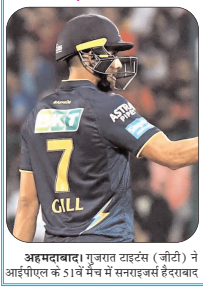

गिल ने 76, बटलर ने 64 रन बनाए, साई सुदर्शन सबसे तेज 2 हजार टी-20 रन बनाने वाले भारतीय बने

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने आईपीएल के 51वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को जीत के लिए 225 रन का टारगेट दिया है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हैदराबाद ने बालिंग चुनी। गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर के बाद 6 विकेट खोकर 224 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 76 रन बनाए। जबकि जोस बटलर 64 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने 48 रन की पारी खेली। जयदेव उनादकट ने 3 विकेट झटके। पैट कमिंस और जीशान अंसारी को एक-एक विकेट मिला। 19वें ओवर में ट्रैविस हेड ने वाशिंगटन सुंदर का कैच ड्राप कर दिया। हालांकि अगली बाल पर अभिषेक शर्मा ने जोस बटलर का कैच पकड़ा। जोस बटलर 64 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने पवेलियन भेजा। 18वें ओवर की आखिरी बाल पर जोस बटलर ने छक्का लगाकर टीम का स्कोर 200 पार पहुंचाया। हर्षल पटेल के इस ओवर से 15 रन आए। जोस बटलर ने 17वें ओवर में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 31 बाल पर अर्धशतक बनाया। यह बटलर की मौजूदा सीजन में 5वीं फिफ्टी है। 14वें ओवर में कप्तान शुभमन गिल 76 रन बनाकर रनआउट हुए। उन्हें हर्षल पटेल के थ्रो पर विकेटकीपर हेनरिक क्लासन ने आउट किया। बटलर ने गुड लेंथ की बाल पर फाइन लगे की दिशा में खेला और रन लेने के लिए निकल पड़े। हर्षल पटेल ने बाल को स्टंप पर थ्रो किया। जिसे कलेक्ट करके हेनरिक क्लासन ने विकेट पर मारा। थर्ड अंपायर के फैसले के बाद गिल ने फील्ड अंपायर से नाराजगी जताई। उनका कहना था कि गिल्लियां क्लासन के ग्लब्स से गिरी हैं। 12वें ओवर में शुभमन गिल और जोस बटलर ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। इसी ओवर में पैट कमिंस से कवर में बटलर का कैच ड्राप भी हो गया। शुभमन गिल ने 10वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली है। उन्होंने मोहम्मद शमी की बाल पर चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 25 बाल पर हाफ सेंचुरी लगाई।

बांग्लादेश शारजाह में यूएई के साथ खेलेगा दो टी-20 मैच

दुबई, वार्ता। बांग्लादेश अपने पाकिस्तान के दौरे से पहले 17 मई और 19 मई को शारजाह में यूएई के साथ दो टी-20 मैच खेलेगा। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सीओओ सुभान अहमद ने बताया कि पिछले तीन सालों में हमने आईसीसी के पूर्ण सदस्य न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान टीमों की मेजबानी की है, जबकि बांग्लादेश का यह दूसरा द्विपक्षीय टी-20 दौरा तीन सालों बाद हो रहा है। बांग्लादेश के साथ यह दो मैचों की सीरीज इस साल होने वाली टी-20 एशिया कप से पहले यूएई की तैयारी का अवसर है। इस दौरे को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा कि हम इस टी-20 सीरीज के आयोजन के लिए अमीरात क्रिकेट बोर्ड की पहल की सराहना करते हैं। ये मैच आगामी एशिया कप सहित व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से पहले हमारी टीम की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बंग दर्शन और शास्त्री का विजय अभियान जारी

नई दिल्ली, वार्ता। आशीष और सौरभ रावत के दर्शनीय गोलों की मदद से बंग दर्शन एफसी ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2 -1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन लीग के रोमांचक मैच में पूरे अंक अर्जित किये। नेहरू स्टेडियम में खेले गए उतारचढाव वाले इस मुकाबले में पराजित टीम का गोल जांगूनहाओ ने किया मैच के सभी गोल आकर्षक रहे।

उधर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन मुकाबले में शास्त्री एफसी ने भारतीय वायुसेना को 4-2 से परास्त किया। विजेता की जीत का आकर्षण एंडी जाखरी के दो गोल रहे। गोपी सिंह और वाशलांग दखार ने एक-एक गोल जमाए। वायुसेना के गोल समुएल वनलाल्पेका और अमन खान ने किए। युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय वायुसेना ने पहले हाफ में दमदार प्रदर्शन किया लेकिन जैसे जैसे खेल आगे बढ़ा वायुसैनिकों की अनुभवहीनता भारी पघ्ने लगी। खासकर, दूसरे हाफ में शास्त्री एफसी ने रफ्तार पकड़ी और बेहतरीन गोल जमा कर पूरे अंक झटक लिए। आमतौर पर पाला बदलने के बाद वायुसैनिकों के तेवर बदल जाते हैं लेकिन प्रतिद्वंद्वी फारवर्ड एंडी जाखारी, सेमन, गोपी और होकिप को रोक पाने में वायुसैनिक विफल रहे। उनके फारवर्ड भी आसान मौकों का फायदा नहीं उठा पाए।

चाचा ही निकला भतीजी से दुष्कर्म का आरोपी, गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। कस्बे में नौ साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे बाद पुछताछ के चालान कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

लंढौरा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 27 अप्रैल की शाम उसके चचेरे भाई का लड़का उसकी नौ वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर जंगल में ले गया था। जहां उसने उसकी मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। दुष्कर्म के बाद आरोपी बच्ची को मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए उसे उसके घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर आरोपी की धर पकड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए मंगलौर पुलिस को मानवता को शर्मसार करने वाली घटना का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए थे। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल की लीडरशिप व सीओ विवेक कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने पुलिस टीम का गठन कर आरोपी तलाश शुरू की। बुधवार की देर शाम पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलौर-लंढौरा मार्ग पर बाल्टी वाले पीर के पास से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि नौ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के आरोपी अफजल पुत्र सलीम निवासी मोहल्ला बाहर किला बाजार

लंढौरा को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब आरोपी कही भागने की फिराक में था। पुलिस टीम में महिला उप निरीक्षक नीलम कास्टेबल पुनीत, राजेन्द्र व रविंद्र का अहम योगदान रहा।

कर्नल ने बीएसएम कॉलेज में एनसीसी की गतिविधियों का किया निरिक्षण

प्राचार्य ने किया एनसीसी अधिकारी का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कर्नल रामाकृष्णन समेश, कमान अधिकारी ने बीएसएम. पी.जी. कॉलेज, रूडकी में एनसीसी की गतिविधियों का औचक निरिक्षण किया। कॉलेज के एनसीसी कक्ष, उपकरण एवं अन्य सुविधाओं के निरीक्षण के साथ-साथ एनसीसी का उपस्थिति रजिस्टर, गतिविधि रिकॉर्ड, कैडेट्स की जानकारी आदि का निरीक्षण भी किया। अभिलेख अद्यतन पाए गए।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी मेजर प्रोफेसर गौतमवीर ने बुके देकर महाविद्यालय में स्वागत किया। इस अवसर पर कर्नल रामाकृष्णन रमेश ने इस बात पर बल दिया

कि एनसीसी कैडेट्स को केवल शारीरिक या सैन्य प्रशिक्षण तक सीमित न रखा जाए बल्कि उन्हें एक बहुआयामी, जागरूक और नेतृत्व क्षमता युक्त नागरिक बनाने के लिए इन कैडेटस को सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों की दिशा में भी प्रेरित किया जाना चाहिए। मेजर प्रोफेसर गौतमवीर ने इस बात पर फोस किया

❖कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन समेश का कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य कैप्टन गौतमवीर ने बुके देकर किया इस्तकबाल

कि एनसीसी कैडेट्स को देशभक्ति गीत, नृत्य, लघु नाटिका (स्किट) या नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे उनका आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति दोनों का विकास हो सके। इस अवसर पर सूबेदार मेजर अमर सिंह, बीएचएम केशवानन्द सहित एनसीसी के समस्त कैडेट उपस्थित रहे।

पुलिस ने दबोचे तीन वाहन चोर, 8 बाइकें बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए तीन मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार किए हैं। उनसे चोरी की आठ मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार शेखर सुयाल एसपी देहात रुड़की ने बताया कि एसएसपी हरिद्वार के आदेश अनुसार संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी के लिए निर्देशित किया था जिसमें पुलिस क्षेत्र अधिकारी लक्सर कोतवाली प्रभारी लक्सर के द्वारा एसएसआई मनोज गैरोला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुख्यवीर की सूचना पर छापेमारी करते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से आठ चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ करने पर उन व्यक्तियों ने अपने नाम साहिल अंसारी पुत्र रियाजुल हसन निवासी ईदगाह के सामने बसेड़ी कोतवाली लक्सर उम्र 24 वर्ष गुलजार अली पुत्र कालू हसन निवासी निकट संगम पैलेस बसेड़ी उम्र 25 वर्ष आरीश पुत्र फुरकान निवासी मजार के पास बसेड़ी उम्र 20 वर्ष बताया। उनके कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिल बरामद हुई। उनको गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर लक्सर पुलिस चौकी प्रभारी विपिन कुमार अपर उपनिरीक्षक रंजीत

नौटियाल हेड कांस्टेबल मोहन खोलिया कांस्टेबल किशोर नेगी मनोज शर्मा शामिल रहे। पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए तीनों आरोपियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक संदिग्ध दबोचा

शाह टाइम संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर के द्वारा जानकारी दी गई की एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम के द्वारा 1 मई 20 25 को सूचना मिली थी की व्यक्ति संदिग्ध घूम रहा है जो किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। उस सूचना पर पुलिस टीम को भेजा गया पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम नदीम पुत्र शराफत निवासी ग्राम मोहम्मदपुर कुन्हारी थाना कोतवाली लक्सर उम्र 26 वर्ष बताया। उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में भीक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नवीन सिंह चौहान हेड कांस्टेबल मनोज मीनान कांस्टेबल आशीष पांडे शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

बुग्गावाला पुलिस ने 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया नाबालिग का अपहरणकर्ता

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। नाबालिक के अपहरण मामले को एक चुनौती मानते हुए बग्गा वाला थाना पुलिस ने मामले में शानदार कार्रवाई की है। पुलिस मात्र 12 घंटे के अंदर नाबालिक को शक उसे बरामद करने के साथ अपहरण करता को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से खुश क्षेत्र के लोगों ने बुग्गावाला थाना पुलिस को शाबाशी दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 मई.2025 को पीड़ित मालो पुत्र राजेश कुमार निवासी शहीदवाला बुग्गावाला ने एक लिखित तहरीर देते हुए बताया था कि आसिफ निवासी बन्दरजूड द्वारा उसकी नाबालिग बहन उम्र 17 वर्ष को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। घटना की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा अपहृता की शीघ्र बरामदगी एवं आरोपी की गिरफ्तारी के थानाध्यक्ष बुग्गावाला को निर्देश दिये गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर मामले में प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की धर पकड़ के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए 12 घंटे के भीतर ही अपहरणकर्ता आशिफ पुत्र युनुस के कब्जे से नाबालिग को कुडकावाला तिराहे के पास से सकुशल बरामद करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया गया। अपहरणकर्ता को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 ममता रानी, कानि0 विक्रम, महिला कां0 नीलम आदि शामिल रहे।

झूठी सूचना देना युवक को पड़ा भारी पुलिस ने पकड़ा

रूडकी। डायल 112 पर पुलिस को झूठी देना युवक को भारी पड गया। पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने में उसे गिरफ्तार किया है। कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा दिनांक 02/05/25 को कोतवाली गंगनहर क्षेत्रातर्गत रामनगर ठेके के बाहर आमदा फसाद कर रहा था तथा डायल 112 पर बार-बार कॉल करके झूठी सूचना देने पर 01 अभियुक्त मुकेश त्रेहन पुत्र गणेश त्रेहन निवासी ज्ञान विहार कॉलोनी को अंतर्गत धारा 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार किया गया बाद आवश्यक कार्यवाही न्यायालय पेश किया जाएगा। पुलिस टीम अपर उप निरीक्षक कांता प्रसाद, हेड कांस्टेबल अशोक तिवारीकांस्टेबल स्वरूप शामिल रहे।

जमीनी विवाद में पिता-पुत्रों समेत पांच के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम संवाददाता

लंढौरा। तीन दिन पूर्व जैनपुर झंझेडी में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर हुए संघर्ष में पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर पिता पुत्रों समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है जल्द आरोपियों को पकड लिया जायेगा।

जानकारी के अनुसार जैनपुर झंझेडी निवासी वाजिद पुत्र इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी उसके चाचा के साथ जमीनी बटवारे को लेकर आपस में कई वर्षों से रंजिश चली आ रही हैं। इसी रंजिश के चलते 30 अप्रैल की रात जब वह अपने पिता व भाई साजिद के साथ अपने खेत से टैक्ट्रर-ट्राली में भूसा लेकर घर आए तो पहले से ही घात लगाये गये बैठे उसके चाचा व उसके पुत्रों ने अपने हाथों में लिये धारदार हथियारों व लाठी-डण्डों व सरियों से उन पर हमला बोल दिया। आरोप है कि उसके चाचा के लड़कों में से एक ने उसके भाई साजिद को जान से मारने की नीयत से देशी तमंचे से साजिद के ऊपर फायर कर दिया। साजिद के सिर पर गन-पाउडर लगने से साजिद लहूलुहान हो गया। पिडित का कहना है कि मारपीट व फायर की आवाज सुनकर राह चलते राहगीर व गांव के बहुत से लोग इकट्ठा होते देख आरोपी भविष्य में जान से मारने की धमकी देकर लाठी-डण्डे, सरिये व तमंचा लहराते हुए चले गए पिडित का कहना है कि घटना के संबंध में उसके द्वारा 112 नंबर जानकारी देने के बाद घंटों बाद तक भी लंढौरा पुलिस चौकी का कोई पुलिस कर्मी मौके पर कोई पर नहीं पहुंचा। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि वाजिद की तहरीर पर इरशाद पुत्र मजीद आमिर, अजीम, सुहेब, सुहैल पुत्रगण इरशाद के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मजदूरी के रुपये मांगने पर ठेकेदार ने महिला को पीटा

शाह टाइम संवाददाता

लंढौरा। भट्ठे पर ईट पथाई का काम करने वाली महिला द्वारा मजदूरी के रुपए मांगने पर ठेकेदार ने महिला को गाली गलौच करते हुए मारपीट कर डाली। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले में जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है।

जानकारी के अनुसार जिला बरेली निवासी साहीन ने तहरीर देकर बताया कि वह सहपरिवार लंढौरा में रुड़की लक्सर मार्ग पर स्थित एक भट्ठे पर ईट पथाई का काम करती है। महिला का कहना है कि ठेकेदार पर उसकी मजदूरी के दो लाख रुपये से अधिक की रकम बकाया चल रही है। बार-बार मांगने के बाद भी ठेकेदार मजदूरी की रकम नहीं दे रहा है। महिला का कहना है कि 15 दिन बाद उसकी बेटी की शादी है। आरोप है कि शुक्रवार को मजदूरी के बकाया रुपयों की मांग करने पर ठेकेदार ने उसे गाली गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की। पीड़ित महिला ने आरोपी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी नवीन चौहान का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अंबेडकर की मूर्ति के बराबर में गोशाला बनाने को लेकर बढ़ता जा रहा है विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर नगर पालिका क्षेत्र वार्ड नंबर 1 के बराबर में वार्ड नंबर 8 में संविधान निर्माता परम पूज्य बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के बराबर में गौशाला बनाने को लेकर लगातार विरोध बढ़ता जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आज भी बसपा के जिला अध्यक्ष हरिद्वार आदेश कुमार द्वारा चेतावनी भरे लहजे में कहा गया कि जिस तरह से लक्सर गांव में बाबा साहब की मूर्ति के बराबर में गौशाला बनाने की तैयारी चल रही है। वह किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा 7 मई को बहुत बड़ी तादाद में बसपा कार्यकर्ता लक्सर पहुंचेंगे और गौशाला बनाने का पुरजोर विरोध करेंगे वहीं मुकेश कुमार रवि जिला प्रभारी बसपा हरिद्वार ने यह भी कहा कि संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद का क्षेत्र बहुत बड़ा होता है गौशाला किसी और जगह बनाई जाए उसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है हम उसमें हर तरह का सहयोग देने के लिए तैयार है।

भगवानपुर पुलिस ने तीन वारन्टियों को धर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। पुलिस ने न्यायालय के आदेशानुसार 03 वारन्टियों को धर दबोचा है। वारंटीयो को समय सीमा न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार दिनांक- 02/05/25 को थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा न्यायालय रुड़की हरिद्वार द्वारा जारी वाद सं0 375/24 धरा 498ए/323,504 भादवि व दहेज अधि0 से सम्बन्धित अभि0गण 1-शाहिद पुत्र स्व0 जाहिद 2-श्रीमति जमीला पत्नि स्व0 जाहिद 3-श्रीमति शहरोज पत्नि शाहिद निवासी गण ग्राम सरवट जनपद मु0नगर उ0प्र0 को ग्राम सरवट से गिरफ्तार किया गया है। वारंटीयो को समय सीमा न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में उ0नि0 मुकेशदत्त नोटियाल ख्रथाना भगवानपुर, का0 राहुल कुमार- थाना भगवानपुर, हो0गार्ड राजकुमार-थाना भगवानपुर, म0पीआरडी गुलशाना थाना भगवानपुर शामिल रहे।

महिला की तहरीर पर 15 के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने एक महिला की तहरीर पर 6 महिलाओं 15 लोगो के खिलाफ घर मे घुसकर लाठी डंडो से मारपीट गाली गलौज, तोड़फोड़ तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। पिरान कलियर थाना क्षेत्र के ईमलीखेड़ा निवासी नगमा ने तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 20 फरवरी 2018 को शौकीन निवासी शांतरशाह गांव में हुआ था।उसका पति ओर ससुराल वाले उसे परेशान करते थे।इन लोगों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया था। वह अपने घर पर ताला लगाकर बेलड़ा गांव में अपनी मायके में गई हुई थी।ससुराल वालों ने उसके घर का फर्जी बैनामा इमलीखेड़ा निवासी शहबान के नाम कर दिया है। ब्रस्पतिवार को उसे जानकारी मिली कि शहबान ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके घर पर ताला लगा दिया है। वह अपने घर पहुंची ओर पुलिस को सूचना दी। इसी बीच शहबान अपने साथियों के साथ लाठी डंडे ओर तमंचा लेकर उसके घर मे घुस आया ओर तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी देने लगा।उसके साथ लाठी डंडो से मारपीट करते हुए घर में तोड़फोड़ कर दी।घर में रखी हजारों रुपयों की नगदी मायके से लाया गया सामान वाशिंग मशीन, फ्रिज, बर्तन फर्नीचर अन्य सामान उठाकर ले गए।पीड़ित महिला ने तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। एसएसआई बीएस चौहान ने बताया कि महिला की तहरीर पर शहबान, साकिब, शाहिद, आमिल, वसीम ,जव्वाद, शौकीन, गुलबशर, जाहिद, फय्याज, सिबरा, मेविश, मिसया, गुलिस्ता, रिहाना निवासी इमलीखेड़ा थाना पिरान के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चेन छीनने पर मुकदमा

रूडकी। चार दिन पूर्व महिला से चेन छीनने के मामले में पुलिस ने अज्ञात बाईक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। गंगनहर कोतवाीी के गणेशपुर निवासी महिला ने बताया कि वह स्कूटी से मालवीय चौक की तरफ जा रही थी जैसे ही स्कूटी रोकी तभी अज्ञात बाईक सवार गले से चेन झपटकर फरर हो गया।

पुलिस ने एक वारंटी को पकड़ा

रूडकी। वारंटियो के विरुद्ध कोतवाली गंगनहर पुलिस की धर पकड़ लगातार जारी य न्यायालय के आदेशानुसार लगातार फरार चल रहे 01 वारंटी को किया गया गिरफ्तार' मा० न्यायालय से प्राप्त गैर जमानतीय वारण्टो की शत प्रतिशत तामील किये जाने हेतु "च हरिद्वार महोदय' द्वारा निर्देशित किया गया है। आदेश के अनुपालन में कोतवाली गंगनहर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए दिनांक 02-05-2025 को दबिश देकर '01 वारंटी' को गिरफ्तार किया गया। बाद गिरफ्तार वारंटी को नियमानुसार मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। 'नाम पता गिरफ्तार वारंटी शिवम पुत्र कपिल निवासी पुरानी तहसील कोतवाली गंगनहर है।

पुलिस ने सात लोगों को शांति भंग मे किया गिरफ्तार

शाह टाइम संवाददाता

रूडकी। कोतवाली रुडकी पुलिस द्वारा 07 व्यक्तियो को शांतिभंग करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार दिनाँक 01.05.2025 को सती मोहल्ला रुड़की के दो पक्षों में पैसो के लेनदेन को लेकर हुये विवाद की सूचना पर पुलिस ने मौके पर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया तो दोनों पक्ष लड़ाई झगड़े पर आमादा हो गए। काफी समझाने पर नहीं माने तो जिस कारण शांति व्यवस्था के दृष्टिगत सभी 07 व्यक्तियो को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण 1.मेहरबान पुत्र अनीश निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 2.जुबेर पुत्र अनीश निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार 3.इमरान पुत्र अनीश निवासी गण माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 4.बिलाल पुत्र उनरदराज निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 5.साहिल पुत्र नौशाद निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार। 6.शाकिब पुत्र नौसाद निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार 7.जुनैद पुत्र तसलीम निवासी माहिग्रान मच्छी मोहल्ला कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार है। आरोपियों को पकडने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 आनन्द मेहरा कोतवाली रूडकी का0 गोविन्द, कोतवाली रूडकी का0 रविन्द्र, कोतवाली रूडकी, का0 नरेश जोशी कोतवाली रूडकी शामिल रहे।

वक्फ को लेकर विपक्षी दल फैला रहे भ्रम

वक्फ में संशोधन मुस्लिम समाज के हित में: शालिनी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। समाजसेवी मुस्लिम विद्वान डॉ. शालिनी अली ने कहा कि देश आज जिस दौर से गुजर रहा है उसमें देश के बाहर ही नहीं देश के अंदर भी कुछ कट्टरपंथी लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे है। ओवैसी मुस्लिमों के हितैषी बनने का नाटक कर वक्फ पर भ्रम फैला रहे हैं। बत्ती गुल कर ओवैसी क्या बताना चाह रहे हैं।

वक्फ में 2013 में भी संशोधन हुआ, 2024 के संसोधन में लंबा समय लग गया। वक्फ जमीन किसी की जागीर नहीं, वह अल्लाह के नाम पर है, लैंड जेहाद को सरकार समाप्त करना चाह रही। भारत में तीसरे नंबर पर वक्फ के पास जमीन है। खाली पड़ी जमीन पर हम हास्पिटल, डिजिटल मदरसे, वक्फ की जमीन पर राजनिति हो रही है। जेबें भरी जा रही है, समय आ गया है जब मुसलमान खुद खडा हो। वक्फ बोर्ड के तहत शिक्षा दी जा सकती है। रोजगार दिया जा सकता है, वक्फ कमेटी में दो महिलाएं रह सकती है, पहले सरकारों ने महिलाओं को मौका नहीं दिया। वक्फ बोर्ड की बहुत सी ऐसी कमर्शियल प्रॉपर्टीज है, जो दूसरे धर्म के लोगों किराए पर दे रखी है, जिससे किराया आ रहा है। मुसलमानों में विपक्षी दल जमीन छीनने

की अफवाह फैला रहे है, शरीयत में एक बार में तीन बार तलाक का प्रावधान नहीं है।

अखिल भारतीय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष बने ठाकुर शेखर पुंडीर

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। अखिल भारतीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर नीरज चौहान ने देहरादून में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने अखिल भारतीय करणी सेना की मजबूती के लिए एवं समाज की आवाज को उठाने के लिए उत्तराखंड में संगठन का विस्तार किया गया।

जानकारी के अनुसार इस दौरान अखिल भारतीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर नीरज चौहान ने उत्तराखंड का प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर शेखर पुंडीर को नियुक्त किया और उसी के साथ-साथ उपाध्यक्ष के पद पर शशि पुंडीर और प्रदेश मंत्री के तौर पर शुभम चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान हजारों की संख्या में करनी सैनिक वहां मौजूद थे और पदाधिकारी ने करणी सेना की मजबूती के लिए समाज की मजबूती के लिए विचार विमर्श किया गया। उत्तराखंड के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश मंत्री का करणी सैनिकों ने स्वागत किया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भी समाज की आवाज उठाने के लिए अपने आप को हमेशा तत्पर बताया मंच से अध्यक्ष शेखर पुंडीर ने कहा जब-जब समाज को मेरी आवश्यकता पड़ेगी मैं समाज के साथ हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा।पदाधिकारियो ने संगठन और राष्ट्रीय

अध्यक्ष का आभार जताया। प्रदेश मंत्री शुभम चौहान ने समाज को एक सूत्र में बांधने का संकल्प लिया और समाज में जो कुछ कुरीतियों हैं उन कुरीतियों का समाप्त कर समाज को एक साथ लेकर चलने का संकल्प वहां से लिया गया।कार्यक्रम में भारी संख्या में करनी सैनिक मौजूद रहे। मंच पर करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर नीरज चौहान युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज सिंह चौहान उत्तराखंड के नए अध्यक्ष शेखर पुंडीर उपाध्यक्ष शशि पुंडीर प्रदेश मंत्री शुभम चौहान व असलम राणा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 3 मई 2025

प्रेस की आजादी पर संकट

दुनिया में प्रेस की आजादी को लेकर पेरिस स्थित इंटरनेशनल एनजीओ हर साल रिपोर्ट जारी करता है। रिपोर्ट विदाउट बार्डर्स (आरडब्ल्यूबी) 2025 में उसने दुनियाभर के 180 देशों के विषय में प्रेस की आजादी के बारे में बताया। प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत को 151वीं रैंक में रखा है। यह रैंक बताती है कि भारत में पिछले वर्ष की अपेक्षा भारत ने इसमें सुधार किया है। पिछले बार भारत की रैंकिंग 159 थी। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका जैसे देश जो अपने आप को दुनिया का सबसे बड़ा संरक्षक बनता है वहा भी प्रेस की आजादी में गिरावट की बात सामने आ रही है। इंडेक्स में अमेरिका को 57वें पायदान पर रखा है। जबकि पिछले वर्ष उसकी रैंकिंग 55 थी। रिपोर्ट कहती है कि यह गिरावट डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद हुई है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि वह 42 देश जिनमें दुनिया की आधी आबादी रहती है वहां प्रेस की स्थिति बेहद गंभीर है और वहां प्रेस को लगभग न के बराबर आजादी है। रिपोर्ट में जहां नार्वे को पहले स्थान पर रखा है तो वही सबसे निचले स्थान पर इरीट्रिया देश है। इस तरह भारत की स्थिति भूटान, पाकिस्तान, चीन, रूस, सीरिया, फलस्तीन, अफगानिस्तान और उत्तर कोरिया से बेहतर है। निश्चित रूप से प्रेस की आजादी वर्तमान समय में काफी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और इसके पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक तो है ही बल्कि आर्थिक भी है। रिपोर्ट में इसी तरफ इशारा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर का मीडिया फंडिंग की कटौती से जूझ रहा है। सूचना के संसाधनों को गूगल, एप्पल, फेसबुक, एमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसे कंपनियों के दबदबे की वजह से हो रहा है। क्योंकि जो पहले विज्ञापन मीडिया आउटलेट्स को मिलते थे अब वह इनके पास जा रहे है। रिपोर्ट बताती है कि भारत सहित कुछ देशों में मीडिया आउटलेट्स नेताओं और बिजनेसमैन से मिलने वाली सशर्त फंडिंग की वजह से अपना अस्तित्व बचाए हुए है कहने का मतलब साफ है कि मीडिया दिन-प्रतिदिन अपनी साख खो रहा है जिसके लिए वह कभी जाना जाता था और यह सब इस लिए हो रहा है क्योंकि इस पर अब राजनेताओं और पूंजीपतियों का दबाव बन चुका है। चीन, वयतनाम जैसे देशों में तो मीडिया सरकार के मुखपत्र का काम करता है। हाल ही में हम देख रहे है कि फलस्तीन में किस तरह मीडिया को निशाना बनाया जा रहा है अब तो 200 से अधिक पत्रकार वहां अपनी जान गंवा चुके है। इजरायल ने अपनी बमबारी से वहां तमाम मीडिया के ऑफिस बर्बाद कर दिए है। कोई भी देश अपनी मनमानी के चलते किसी भी विदेशी मीडिया को अपने यहां काम करने से रोक देता है। इस तरह हम कह सकते है कि आज के दौर में मीडिया अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है यह स्थिति ठीक नहीं है। सही सूचना आम लोगों तक पहुंचे इसकी व्यवस्था होना बेहद जरूरी है, लेकिन यह तभी संभव होगा। जब मीडिया को शक्ति प्रदान करने के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाए। जो कि आज दूर की कोड़ी की बात लगती है।

बुजुर्ग परिवार के भावनात्मक स्तंभ

बुजुर्गों के मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए, माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है, आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा-दादी के साथ बहुत सहज होते हैं, बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं, जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते-फूलते देखते हैं, तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं, प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिंदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है, वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है।

द्रौपदी मुर्मु
राष्ट्रपति

अंततः देश में जाति जनगणना: प्रतिनिधित्व या पुनरुत्थान

1951 से लेकर 2011 तक हर जनगणना में केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की गिनती होती रही, बाकी जातियां 'अदृश्य' रहीं, लेकिन अगर नीति आरक्षण आधारित हो, योजनाएं वर्गों के लिए हों, तो आंकड़े क्यों ने हों, क्या यह संभव है कि बिना जानकारी के न्यायपूर्ण वितरण हो

प्रियंका सौरभ

भारत में दशकों से केवल अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गिनती होती रही है, जबकि अन्य जातियाँ नीति निर्माण में अदृश्य रहीं। जाति जनगणना केवल गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की नींव है। बिना सटीक आंकड़ों के आरक्षण, योजनाएं और संसाधन वितरण अधूरे रहेंगे। विरोध करने वालों को डर है कि उनके विशेषाधिकार चुनौती में पड़ सकते हैं। लेकिन यह गिनती वंचितों की दृश्यता और भागीदारी सुनिश्चित करने का औज़ार है, न कि समाज को तोड़ने का। जब नीति जाति पर आधारित हो, तो डेटा भी होना चाहिए।

भारत को जातियों में बांटा गया, लेकिन उसे जोड़ने की कोशिश कभी पूरी ईमानदारी से नहीं हुई। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया, मगर समान अवसर की नींव जातिगत असमानता को पहचानने पर ही टिकती है। इसी बुनियाद पर जब आज जाति जनगणना की मांग ज़ोर पकड़ रही है, तो सवाल खड़ा होता है क्या यह सामाजिक न्याय का औज़ार है या समाज को और अधिक खांचों में बांटने की कवायद।

भारत में पिछली बार व्यापक जातिगत जनगणना 1931 में हुई थी। उसके बाद, आज़ादी के बाद के राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में एक आदर्श सामने रखा गया 'जातिविहीन समाज'। इस आदर्श का आकर्षण था, पर व्यवहार में यह एक तरह की चुप्पी थी। 1951 से लेकर 2011 तक हर जनगणना में केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की गिनती होती रही, बाकी जातियां 'अदृश्य' रहीं। लेकिन अगर नीति आरक्षण आधारित हो, योजनाएं वर्गों के लिए हों, तो आंकड़े क्यों न हों। क्या यह संभव है कि बिना जानकारी के न्यायपूर्ण वितरण हो।

बिहार की जाति आधारित सर्वेक्षण ने एक नई लहर पैदा की। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की पहल ने अन्य राज्यों को भी सोचने पर मजबूर किया। एक ओर जातिगत गणना को सामाजिक न्याय की बुनियाद बताया गया, तो दूसरी ओर कुछ वर्गों ने इसे सामाजिक विभाजन का उपकरण कहा। कई राजनीतिक दल इस मांग को समर्थन दे रहे हैं, खासकर वे जिनकी राजनीति वंचित तबकों पर आधारित है। लेकिन केंद्र सरकार की भूमिका झिझकभरी रही है। केंद्र का कहना है कि यह बेहद जटिल प्रक्रिया है और इससे सामाजिक तनाव पैदा हो सकते हैं। जाति जनगणना के समर्थन में कई मजबूत तर्क दिए जा रहे हैं। अगर हम यह नहीं जानते कि कौन-सी जातियां किस आर्थिक व सामाजिक स्थिति में हैं, तो योजनाएं महज अंदाज़ों पर चलती रहेंगी। आरक्षण का पुनर्मूल्यांकन करना हो या सामाजिक योजनाओं का लक्ष्य तय करना हो, सटीक आंकड़ों की आवश्यकता है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की जनसंख्या कई राज्यों में 40-50 प्रतिशत तक मानी जाती है, जबकि उन्हें 27 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। यदि सही आंकड़े हों तो नीति ज्यादा न्यायसंगत हो सकती है।

विरोध करने वालों की मुख्य दलील यह है कि जाति जनगणना समाज में जातीय पहचान को और मजबूत करेगी। इससे सामाजिक एकता को खतरा होगा और राजनीतिक दल केवल जाति कार्ड खेलकर वोट बटोरने लगेंगे। कुछ वर्गों को डर है कि अगर सही आंकड़े सामने आ गए, तो उनका 'निहित अधिकार' छिन सकता है ख़ जैसे सवर्ण वर्गों को लगता है कि ओबीसी या दलितों की संख्या के अनुपात में अगर आरक्षण बढ़ा, तो उनके लिए मौके और कम हो जाएंगे।

जब बिहार ने अपना जातिगत सर्वेक्षण कराया, तो केंद्र सरकार ने उससे दूरी बनाए रखी। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी मांग उठी, लेकिन सर्वसम्मति नहीं बन सकी। कई बार यह तर्क दिया गया कि यह विषय केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर ही किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में जाति आधारित जनगणना पर सीधे रोक नहीं लगाई, लेकिन कहा कि यह नीति का विषय है और सरकारें अपने विवेक से निर्णय लें।

वंचित समुदायों के लिए जाति जनगणना केवल गिनती नहीं है, यह उनकी दृश्यता का सवाल है। अगर समाज में कोई वर्ग आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ा है, तो सबसे पहले यह जानना ज़रूरी है कि वह है कहां? कितना है? डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था 'यदि आपको सुधार करना है, तो पहले तथ्यों को जानिए।' जातिगत आंकड़े भी ऐसे ही तथ्य हैं। यह आंकड़े केवल आरक्षण तय करने के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वरोजगार जैसी नीतियों के लिए जरूरी हैं। आश्चर्य की बात है कि जाति जनगणना जैसे गहन विषय पर मुख्यधारा मीडिया में गंभीर बहस कम होती है। जो बौद्धिक वर्ग खुद को प्रगतिशील मानता है, वह या तो इसे 'रिग्रेसिव' बताकर खारिज कर देता है या चुप रहता है। दरअसल, समस्या यह नहीं कि जाति की गिनती हो रही है। समस्या यह है कि जिन्हें अपने 'विशेषाधिकार' की चिंता है, वे इस गिनती से असहज हैं। अब सबसे बड़ा सवाल मान लीजिए कि जाति जनगणना होती है और सभी जातियों के आंकड़े सामने आते हैं। तब क्या होगा? क्या सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण नीति में बदलाव करेंगी? क्या यह संभव होगा कि किसी जाति की संख्या ज्यादा निकलने पर उन्हें ज्यादा हिस्सेदारी दी जाए? या फिर आंकड़ों को दबा दिया जाएगा, जैसा 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) के साथ हुआ? 2011 में हुई एसईसीसी के आंकड़े आज भी सार्वजनिक रूप से अधूरे हैं। सरकारें आती गईं, लेकिन किसी ने इसे पूरी पारदर्शिता से नहीं जारी किया। जाति एक सामाजिक सच्चाई है, जिसे नज़रअंदाज़ करना संभव नहीं। जो सत्ताएं जातिविहीन समाज की बात करती हैं, वे चुनावी टिकट देने, मंत्रिमंडल गठन, और अफसरों की नियुक्ति में जाति ही देखती हैं तो फिर आंकड़ों से डर क्यों? जाति जनगणना न सामाजिक टूटन लाएगी, न समाज की बुनियाद को कमजोर करेगी बशर्ते इसका उपयोग न्यायपूर्ण नीति निर्माण के लिए हो। डर उन्हें है जिनके पास पहले से ही ज्यादा है। जो वंचित हैं, वे तो सिर्फ अपनी मौजूदगी की पुष्टि चाहते हैं। आखिर यह देश सभी जातियों का है तो सभी की गिनती क्यों नहीं?

एक पादप मॉडल का अनदेखा पहलू...

भारत में यह हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है, यह खाली पड़े मैदान, सड़क किनारे रेललाइन किनारे, खेतों में कहीं भी उगता देखा जा सकता है, इसलिए इसे खरपतवार की तरह देखा जा सकता है हालांकि कुछ जगहों पर इसे खाया भी जाता है, थेल क्रेस पौधे की कुछ खास बातें है, एक तो इसका जीवन चक्र छोटा होता है, अंकुरण से लेकर वापस बीज बनने तक का इसका चक्र 6 हफ्तों में पूरा हो सकता है

स्रोत फीचर्स

सरसों परिवार (ब्रेसिकेसी) का एक छोटा सा पौधा है थेल क्रेस (**Arabidopsis thaliana**)। 20-25 से.मी. लंबे इस पौधे में अधिकतर पत्तियां ज़मीन से सटकर, फूलनुमा आकृति बनाते हुए लगती हैं और बहुत थोड़ी पत्तियां ऊपर तने पर भी लगती हैं। इसके फूल सफेद रंग के होते हैं। यह पौधा मूलतः युरेशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में यह हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है। यह खाली पड़े मैदान, सड़क किनारे, रेललाइन किनारे, खेतों में, कहीं भी उगता देखा जा सकता है, इसलिए इसे खरपतवार की तरह देखा जाता है, हालांकि कुछ जगहों पर इसे खाया भी जाता है।

थेल क्रेस पौधे की कुछ खास बातें हैं। एक तो इसका जीवन चक्र छोटा होता है, अंकुरण से लेकर वापस बीज बनने तक का इसका चक्र 6 हफ्तों में पूरा हो सकता है, यह खरपतवार की तरह आसानी से फल-फूल जाता है, इसका पौधा साइज़ में छोटा तो होता ही है, साथ ही इसका जीनोम भी सरल होता है। अपनी इन सभी खूबियों के कारण 1900 के दशक से ही पादप विज्ञान में थेल क्रेस पर अध्ययन किए जाने लगे थे। फूलदार पौधों की जेनेटिक, आणविक कार्यप्रणाली को समझने में थेल क्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सबसे पहला संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण भी इसी पौधे का किया गया था। और तो और, पादप विज्ञान का यह मॉडल पौधा 2019 में चांग ई-4 लैंडर के साथ चांद की भी सैर कर चुका है। और अब, इस पौधे के एक अनछुए पहलू का अध्ययन कर पादप विज्ञानी रियुशिरो कासाहारा और उनके दल ने इसकी एक ओर खासियत उजागर की है जो खेती के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। पता चला है कि (कम से कम) यह पौधा बड़ी चतुराई से अपने सिर्फ उन्हीं बीजांडों तक पोषण पहुंचने देता है जो निषेचित हो चुके होते हैं। और, अपने गैर-निषेचित बीजांड तक पोषण पहुंचने से रोकता है, जिससे पोषण का सदुपयोग होता है और बीज बड़ा बनता है। और, बड़ा बीज यानी पैदावार में वृद्धि, लेकिन अन्य फसलों में बीज कैसे बड़ा किया जाए? इस पर बात करने के पहले थोड़ा इस पर बात कर लेते हैं कि शोधकर्ताओं को यह बात पता कैसे चली। दरअसल, कासाहारा यह समझना चाह रहे थे कि पौधे बीज कैसे बनाते हैं? इसके लिए कासाहारा ने थेल क्रेस को अध्ययन के लिए चुना और अपना सारा ध्यान इसके फूल के उस स्थान पर केंद्रित किया जहां कई सारी नलिकाओं (फ्लोएम) के माध्यम से पोषक तत्व पहुंचकर विकासशील भ्रूण को पोषण देते हैं।

नीले रंजक का इस्तेमाल कर उन्होंने इस हिस्से में कैलोस का असर देखा। गौरतलब है कि कैलोस पौधों में अस्थायी कोशिका भित्ति बनाकर पौधों के लिए कई काम करता है और पौधों को सुरक्षा प्रदान करता है, जैसे यह पौधों के घावों को भरने में मदद करता है। पता चला कि फ्लोएम के अंतिम छोर पर बीजांड के पास की कोशिकाओं में कैलोस बन रहा था। कैलोस ने फ्लोएम के सिरे के चारों ओर एक तश्तरी जैसा अवरोध (भित्ति) बना दिया था। फिर, अधिकांश निषेचित बीजांडों से वह अवरोध गायब हो गया था, और वहां मात्र एक छल्ला रह गया था जल्द ही वह छल्ला भी लुप्त हो गया था। लेकिन जो बीजांड निषेचित नहीं हुए थे उनमें अवरोध जस-का-तस बना रहा। इससे समझ आया कि कैलोसयुक्त कोशिकाएं एक दीवार का काम करती हैं, जो फ्लोएम के पोषक तत्वों को गैर-निषेचित बीजांडों में जाने से रोकती हैं। इस तरह पौधा गैर-निषेचित बीजांड में अतिरिक्त पोषण जाया करने से बच जाता है। अब सवाल था कि वह क्या शय है जो निषेचित बीजांड से कैलोस-अवरोध हटा देती है। शोधकर्ताओं की यह तलाश एक ऐसे एंज़ाइम, **AtBG&ppap**, पर जाकर खत्म हुई जो कैलोस को विघटित करने (या हटाने) की क्षमता रखता है। और इसी एंज़ाइम को बनाने वाले जीन को अधिक सक्रिय कर कुछ फसलों की पैदावार बढ़ाई जा सकती है।

इस बात का खुलासा भी थेल क्रेस पर किए गए अध्ययन से हुआ। शोधकर्ताओं ने जब इस पौधे में **AtBG&ppap** एंज़ाइम को बनाने वाले जीन को शांत किया तो पाया कि पौधे में सभी बीजांड (निषेचित और गैर-निषेचित) पर कैलोस भित्ति काफी हद तक वैसी की वैसी बनी रही थी। इसके कारण इस जीन के प्रभाव से मुक्त पौधों के बीज सामान्य पौधों के बीज के साइज़ की तुलना में 8 प्रतिशत छोटे बने थे। लेकिन जब टीम ने इन पौधों में **AtBG&ppap** एंज़ाइम के जीन को अति सक्रिय किया तो पाया कि ऐसा करने पर बीज सामान्य पौधों के बीजों की तुलना में 17 प्रतिशत बड़े विकसित हुए। संभवतः इसलिए कि निषेचित बीजांड की कैलोस-भित्ति आसानी से टूट गई होगी और अधिक पोषक तत्व निषेचित बीजांड तक पहुंचे होंगे। ऐसा ही उन्होंने धान के पौधों पर भी करके देखा तो उन्हें ऐसे ही नतीजे मिले-**AtBG&ppap** एंज़ाइम के जीन को अधिक व्यक्त करवाने पर चावल के दाने की साइज़ 9 प्रतिशत बढ़ गई थी। लेकिन चावल के बड़े दाने होने से शायद इसके स्वाद पर फर्क पड़े, हालांकि स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ने जैसी बात तो अध्ययन में सामने नहीं आई है। लेकिन बड़े बीज वाली फसलें सोयाबीन, मक्का और गेहूं जैसी फसलों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

केवल अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी है पत्रकारिता की स्वतंत्रता

कलम की आजादी पर कसता शिकंजा

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस को सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की संज्ञा दी जाती रही है क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बहुत अहम माना गया है लेकिन विडम्बना है कि विगत कुछ वर्षों से यहां भी प्रेस स्वतंत्रता के मामले में लगातार कमी देखी जा रही है। इसीलिए प्रतिवर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता है। कलम को तलवार से भी ज्यादा ताकतवर और तलवार की धार से भी ज्यादा प्रभावी इसीलिए माना गया है क्योंकि इसी की सजगता के कारण न केवल भारत में बल्कि अनेक देशों में पिछले कुछ दशकों के भीतर बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश हो सका, जिसके चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों, नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को एक ही झटके में अर्श से फर्श पर आना पड़ा। यही कारण हैं कि समय-समय पर कलम रूपी इस हथियार को भोथरा बनाने या तोड़ने के कुचक्र होते रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में सच की कीमत कुछ पत्रकारों को अपनी जान देकर भी चुकानी पड़ती है।

पिछले दशकों में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में स्थितियां काफी बदल गई हैं। आज दुनियाभर में पत्रकारों पर राजनीतिक, अपराधिक और आतंकी समूहों का सर्वाधिक खतरा है और भारत भी इस मामले में अछूता नहीं है। विडम्बना है कि दुनियाभर के न्यूज रूम्स में सरकारी तथा निजी समूहों के कारण भय और तनाव में वृद्धि हुई है। पेरिस स्थित 'रिपोर्टर्स सैन्स फ्रंटियर्स' (आरएसएफ) अथवा 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' नामक संस्था द्वारा हर साल अपनी वार्षिक रिपोर्ट में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर जो तथ्य प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, वे सदैव चौंकाने वाले होते हैं। हालांकि यह अलग बात है कि कुछ देश इस रिपोर्ट में जारी किए जाने वाले आंकड़ों को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताकर खारिज भी करते रहे हैं। 'रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' एक ऐसा गैर-लाभकारी संगठन है, जो विश्वभर के पत्रकारों पर हमलों का दस्तावेजीकरण करने और मुकाबला करने के लिए कार्यरत है और प्रतिवर्ष 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स' अर्थात् 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक' नामक रिपोर्ट पेश करता है। 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019' में उसने भारत सहित विभिन्न देशों में प्रेस की स्वतंत्रता की स्थिति की विवेचना करते हुए स्पष्ट किया था कि किस प्रकार विश्वभर में पत्रकारों के खिलाफ घृणा हिंसा में बदल गई है, जिससे दुनियाभर में पत्रकारों में डर बढ़ा है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024 के मुताबिक भारत 180 देशों में से 159वें स्थान पर है जबकि 2023 में भारत 180 देशों में से 161वें स्थान पर और 2022 में 150वें पायदान पर खड़ा था। यह रिपोर्ट प्रेस स्वतंत्रता के लिए भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट का संकेत देती है। रिपोर्ट के मुताबिक पत्रकारों के साथ व्यवहार के लिए 'संतोषजनक' माने जाने वाले देशों की संख्या बढ़ रही है लेकिन ऐसी संख्या भी कम नहीं है, जहां स्थिति 'बहुत गंभीर' है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स द्वारा जारी दुनियाभर के देशों की प्रेस फ्रीडम रैंकिंग में भारत जहां जहां 2024 में 2023 के मुकाबले दो पायदान ऊपर चढ़ा, वहीं 2023 में 2022 के मुकाबले 11 पायदान नीचे गिरा था और 2022 में भी 2021 की रैंकिंग के मुकाबले 8 स्थान नीचे फिसला था। 2021 की रैंकिंग में भारत का स्थान 142वां था। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024 की सूची में शीर्ष 10 देशों में नॉर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, नीदरलैंड, फिनलैंड, एस्तोनिया, पुर्तगाल, आयरलैंड, स्विट्जरलैंड तथा जर्मनी शामिल हैं। भारत के लोकतंत्र को तो दुनिया का सबसे सफल और बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, वहीं अगर नार्वे जैसा छोटा सा देश प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में लगातार शीर्ष स्थान पर विराजमान है तो यह स्थिति भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए सही स्थिति नहीं है। ऐसे में हमें गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है कि हम इस मामले में वर्ष दर वर्ष क्यों फिसल रहे हैं? प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में यह गिरावट स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। प्रेस की स्वतंत्रता में कमी आने का सीधा और स्पष्ट संकेत यही है कि लोकतंत्र की मूल भावना में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार निहित है, उसमें धीरे-धीरे कमी आ रही है। समाज में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसीलिए इसे लोकतंत्र का चौथा मजबूत स्तंभ माना गया है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार खासकर इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा बगैर किसी जानकारी को जांचे-परखे केवल अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए झूठ का बवंडर तैयार किया जाता है, उसे देखकर कई बार तो ऐसा प्रतीत होता है मानो टीवी चैनल पर समाचार या कोई न्यूज कार्यक्रम नहीं बल्कि कोई मसालेदार राजनीतिक फिल्म चल रही हो। इसका सबसे बड़ा नुकसान यही हो रहा है कि लोगों का विश्वास मीडिया पर निरंतर कम हो रहा है और लोगों का आकर्षण सोशल मीडिया की ओर बढ़ रहा है, जहां पहले से ही फेक न्यूज बहुत बड़ी समस्या मौजूद है तथा एआई इस समस्या को और ज्यादा बढ़ाने में बड़ा योगदान दे रही है।

भारतीय संविधान में प्रेस को अलग से स्वतंत्रता प्रदान नहीं की गई है बल्कि उसकी स्वतंत्रता भी नागरिकों की अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता में ही निहित है और देश की एकता तथा अखण्डता खतरे में पड़ने की स्थिति में इस स्वतंत्रता को बाधित भी किया जा सकता है किन्तु ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं होने पर भी देश में पत्रकारिता का चुनौतीपूर्ण बनते जाना लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं है बल्कि यह स्पष्ट रूप से कुछ शक्तियों द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था के चौथे स्तंभ को ध्वस्त करने का ही प्रयास माना जाता है। कल्पना की जा सकती है कि प्रेस की स्वतंत्रता अगर इसी प्रकार सवालों के घेरे में रही तो पत्रकार कैसे पारदर्शिता के साथ अपने कार्य को अंजाम देते रहेंगे? प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित करने के प्रयासों के चलते कैसे सच को उजागर कर उसे निष्पक्ष तरीके से जनता तक पहुंचाया जाना संभव होगा? देश में प्रेस की स्वतंत्रता बरकरार रहे, इसके लिए किसी मीडिया संस्थान से जुड़े पत्रकार हों या स्वतंत्र पत्रकार, उनकी सुरक्षा को लेकर कड़े कानून बनाए जाने की सख्त दरकार है ताकि बगैर किसी दबाव या भय के पत्रकार अपना कर्त्तव्य बखूबी निभाते रहें।

गर्मियों में रूटीन में ऐसे शामिल करें चमेली का तेल

ताजगी से भरपूर होगी आपकी सुबह

गर्मियों की सुबह चिपचिपी और उमस भरी होती है। सुबह उठने के बाद ताजगी नहीं महसूस होती है। ऐसे में अगर आप भी सुबह के समय ताजगी महसूस नहीं करते हैं, तो एक खास तेल आपकी मदद कर सकता है। जो आपकी सुबह शांति और ताजगी से भरपूर बन सकती है। चमेली के तेल को प्रकृति का खजाना कहा जाता है। इस एसेंशियल ऑयल में वह शक्ति छिपी है, जो आपकी इंद्रियों को जगाता है और आपके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चमेली के तेल को अपनी रूटीन में कैसे शामिल कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं रूटीन का हिस्सा

अगर आप अपने दिन की शुरुआत को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो आपको नहाने के पानी में चमेली के तेल की कुछ बूंदे डालनी चाहिए। इसकी भीनी-भीनी खुशबू आपके मन को शांत करने के साथ आपको तरोताजा महसूस कराएगा। इससे आपका मूड पूरा दिन पॉजिटिव बना रहेगा।

सप्ताह में एक बार बॉडी स्क्रब का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए आप थोड़ी सी चीना, नमक और ग्लिसरीन ले लें। फिर इसमें नींबू का रस मिलाएं और इसमें 2-3 बूंद चमेली के एसेंशियल ऑयल डालें। फिर इसे शरीर पर लगाकर 5-8 मिनट तक स्क्रब करें, जिससे डेड स्किन निकल जाएंगे और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाएगा। इससे भी पॉजिटिव संचार होता है। आप चाहें तो अपने मॉइस्चराइजर में 2-3 बूंद चमेली का तेल और 1 बूंद पेचौली मिलाकर लगा सकते हैं। यह आपके मूड और स्किन दोनों को तरोताजा करेगा और यह त्वचा को जबरदस्त चमक देगा।

चमेली एसेंशियल ऑयल वाली मोमबत्ती जलाकर आप अपने आसपास खुशनुमा माहौल बना सकते हैं और यह आपके मूड को बेहतर बना सकता है। कई बार जब हम सुबह सोकर उठते हैं, तो अजीब सी निराशा होती है। ऐसे में जब भी आप लो फील करने लगें, तो हथेली पर एक बूंद तेल लेकर इसको रब करें और सूंघें।

बिलावल ने कबूला कड़वा सच

पाकिस्तान का इतिहास है आतंकवाद को पालना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो ने आतंकवाद को पालने की बात कबूली है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए बिलावल ने माना कि पाकिस्तान ने पश्चिमी देशों के साथ मिलकर आतंकी संगठनों को बढ़ावा दिया है। बिलावल ने कहा कि यह पाकिस्तान का एक इतिहास और यह किसी से छुपा नहीं है। इसकी वजह से पाकिस्तान को भी नुकसान उठाना पड़ा है और इस समस्या से निपटने के लिए हमने सुधार किए हैं। बिलावल का यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद आया है। बिलावल से पहले आसिफ भी आतंकवाद को बढ़ावा देने की बात कबूल चुके हैं। पाकिस्तान के रक्षामंत्री पिछले हफ्ते एक बयान में कहा था कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने ब्रिटिश अखबार द स्काई को दिए इंटरव्यू में यह बातें कही थीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गति. विधियों के लिए जिम्मेदार है? इस पर उन्होंने कहा था कि दुनिया की बड़ी ताकतों ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया है। उन्होंने माना कि अगर हम, सोवियत यूनियन के खिलाफ जंग में शामिल नहीं होते और 9/11 के हमलों के बाद जो हालात बने, वो न बनते तो पाकिस्तान का रिकार्ड बेदाग होता। ख्वाजा आसिफ ने यह भी माना था कि आतंकियों का समर्थन करना या ट्रेनिंग देना बड़ी गलती थी। हम इसकी सजा भुगत रहे हैं। बिलावल ने गुरुवार को एक बार फिर सिंधु में खून बहाने की धमकी दी। एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने कहा कि हम जंग नहीं चाहते हैं, लेकिन अगर उन्होंने सिंधु पर हमला किया तो इससे पानी बहेगा या खून बहेगा। बिलावल ने इससे पहले पिछले हफ्ते शुक्रवार को एक रैली में कहा था कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या उनका खून। दरअसल भारत ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को रोक दिया है। पाकिस्तान ने भारत के इस कदम को एकतरफा बताते हुए फैसले का विरोध किया है। पहलगाम हमले को लेकर भारत की तरफ से पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता खत्म करने के बाद पाकिस्तानी मंत्री और अधिकारी लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। शहबाज शरीफ ने शनिवार 26 अप्रैल को पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में एक परेड को संबोधित करते हुए कहा कि कहा कि पहलगाम हमले का आरोप लगाकर पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। पहले भी पाकिस्तान पर ऐसे हमले के आरोप लगाए जाते रहे हैं। इसे पूरी तरह से बंद किया जाना जाहिए। एक जिम्मेदार देश के तौर पर पाकिस्तान किसी भी तटस्थ और पारदर्शी जांच में हिस्सा लेने के लिए तैयार है। शरीफ ने कहा कि भारत दुनिया को गुमराह कर रहा है। बिना किसी विश्वसनीय जांच और सबूत के पाकिस्तान पर झूठा आरोप लगाकर देश को बदनाम कर रहा है।

ट्रम्प ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत नामित किया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अगला अमेरिकी राजदूत नामित किया।

ट्रम्प ने कल सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अंतरिम अवधि में, विदेश मंत्री मार्को रुबियो विदेश विभाग में अपना मजबूत नेतृत्व जारी रखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में भी काम करेंगे। पहले की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वाल्ट्ज और उनके डिप्टी एलेक्स वोंग दोनों के व्हाइट हाउस में गुरुवार को अपने वर्तमान पद से इस्तीफा देने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में वाल्ट्ज के नामांकन के लिए सीनेट की पुष्टि की आवश्यकता है। ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में रिपब्लिकन एलिस स्टेफनिक के अपने नामांकन को 27 मार्च को वापस ले लिया।

अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का आया भूकंप, सूनामी की भी चेतावनी जारी

लोगों को ऊंची जगहों पर जाने की सलाह दी

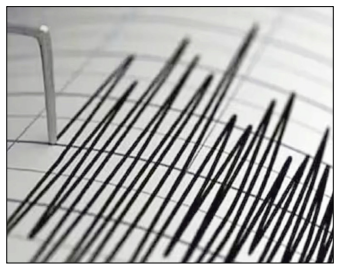

ब्यूनस आयर्स। साउथ अमेरिकी देश अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूंकप आया है। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे आया है। भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिणी राज्य उशुआइया से 222 किमी दूर समुद्र में डूंक पैसेज में था, जिसकी गहराई 10 किमी थी। बता दें कि डूंक पैसेज दक्षिण अमेरिका के केप हार्न, चिली, अर्जेंटीना और अंटार्कटिका के दक्षिण शेटलैंड द्वीपों के बीच का समुद्री इलाका है। प्रशासन ने लोगों से ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा है। प्रभावित इलाकों में सुनामी की चेतावनी वाले सायरन बजना शुरू हो गए हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। एक दिन पहले भी अर्जेंटीना में 5.8 तीव्रता का भूंकप आया था। अर्जेंटीना के पड़ोसी देश चिली के तटीय इलाकों भी को अलर्ट पर रखा गया है। चेतावनी में कहा गया है कि लहरें चिली के प्यूर्टो विलियम्स तक पहुंच सकती हैं। चिली की नेशनल डिजास्टर सर्विस ने पूरे दक्षिणी तट को खाली कराने के लिए कहा है। इसके लिए लोकल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा कि भूकंप से निपटने के लिए देश के पास सभी संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम लोगों से अपील करते हैं कि वो मैगलन इलाके में समुद्र तट से दूर चले जाएं। इस समय हमें अधिकारियों के निर्देशों को पूरी तरह फालो करना है। अमे. रिका का सुनामी वार्निंग सिस्टम अगले एक घंटे में फिर से चेतावनी जारी करेगा।

दमिश्क में राष्ट्रपति भवन के निकट हमला

यरूशलेम। इजरायल ने सीरिया में डूज समुदाय के लिए किसी खतरे को रोकने के लिए दमिश्क में राष्ट्रपति भवन के निकट लक्ष्य पर हमला किया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जानकारी दी है। वाई-नेट ने प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, यह सीरियाई शासन के लिए एक स्पष्ट संकेत है।

हम दमिश्क के दक्षिण में सेना की तैनाती और डूज समुदाय के लिए किसी भी तरह के खतरे की अनुमति नही देंगे। सीरिया के गृह मंत्रालय ने बाद में बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि बुधवार रात से लेकर आज तक दमिश्क के निकट सीरियाई शहर साहनाया में सशस्त्र समूहों और डूज आत्मरक्षा सेनानियों के बीच झड़पें हुईं, जहां मुख्य रूप से डूज आबादी रहती है। डूज अरबों का एक जातीय-धार्मिक समूह है जो लेबनान, सीरिया, इजरायल और जॉर्डन में रहता है। दिसंबर 2024 में दमिश्क में सत्ता परिवर्तन के बाद इजरायल ने बार-बार सीरियाई डूज की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

महामारी प्रवण वायरसः वैक्सीन प्लेटफॉर्म लॉन्च

लॉस एंजिल्स। अमेरिका ने महामारी प्रवण वायरस के लिए अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफार्म लांच किया है। अमरीकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ ने गुरुवार को जेनरेशन गोल्ड स्टैंडर्ड के लॉन्च की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह महामारी-प्रवण वायरस से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अगली पीढ़ी का सार्वभौमिक वैक्सीन प्लेटफ़ॉर्म है। एनआईएच के अनुसार यह प्लेटफ़ॉर्म बीटा- प्रोपियो लैक्टोन -निष्क्रिय, संपूर्ण-वायरस दृष्टिकोण पर आधारित है जो पारंपरिक वैक्सीन तकनीक का एक आधुनिक रूप है। एनआईएच ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह पहल पारदर्शिता, प्रभावशीलता और व्यापक तैयारी की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है जो एनआईएच के सार्वभौमिक इन्फ्लूएंजा और कोरोनावायरस टीकों के इन-हाउस विकास को वित्तपोषित करती है जिसमें बीपीएल-1357 और बीपीएल-24910 शामिल हैं। इन टीकों का उद्देश्य महामारी-प्रवण वायरस जैसे एच 5 एन 1 एवियन इन्फ्लूएंजा सहित कोरोनावायरस के कई प्रकारों के खिलाफ व्यापक-स्पेक्ट्रम सुरक्षा प्रदान करना है। एनआईएच के निदेशक डा. जय भट्टाचार्य ने कहा, जनरेशन गोल्ड स्टैंडर्ड एक आदर्श बदलाव है। यह स्ट्रेन-विशिष्ट सीमाओं से परे वैक्सीन सुरक्षा का विस्तार करता है और फ्लू वायरल खतरों के लिए तैयार करता है न केवल आज बल्कि कल भी 21वीं सदी में लाई गई पारंपरिक वैक्सीन तकनीक का उपयोग करके।

अमेरिका के साथ ईरान की फिर अनबन

तेहरान। ईरान ने कहा है कि इटली के रोम में अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का चौथा दौर मध्यस्थ ओमान के प्रस्ताव पर स्थगित कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बाघई ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नई तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। उन्होंने देश के 'वैध और कानूनी हितों की रक्षा करने और ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों तथा आर्थिक दबाव को समाप्त करने के लिए कूटनीति का उपयोग करने के ईरान के दृढ़ संकल्प की पुष्टि की।

प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल सद्भावना के साथ वार्ता में प्रवेश करने के बाद से परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण तरीके से उपयोग करने और अवैध प्रतिबंधों को समाप्त करने के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत देश की सैद्धांतिक स्थिति के आधार पर विशिष्ट रूपरेखाओं पर चर्चा कर रहा है, जो एक न्यायसंगत, तर्कसंगत और टिकाऊ समझौते को प्राप्त करने के उद्देश्य से परिणाम-उन्मुख वार्ता के प्रति अपनी गंभीरता को प्रदर्शित करता है। इससे पहले दिन में, ओमानी विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि शनिवार को होने वाली ईरान-अमेरिका वार्ता का चौथा दौर लॉजिस्टिक कारणों से स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, पारस्पर तौर पर सहमत होने पर नई तारीखों की घोषणा की जाएगी।

गाजा को अकालग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आग्रह

गाजा। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने खाद्य की गंभीर संकट को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र से गाजा को अकाल क्षेत्र घोषित करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के महानिदेशक मुनीर अल-बुरश ने गुरुवार को कहा कहा कि गाजा में 91 प्रतिशत गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं, जबकि 65 प्रतिशत लोगों को स्वच्छ पेयजल की पहुंच नही है। 92 प्रतिशत बच्चे व स्तनपान कराने वाली माताएं गंभीर खाद्य संकट से पीड़ति हैं, जो उनके जीवन के लिए सीधा खतरा है। वर्तमान स्थिति संयुक्त राष्ट्र को गाजा पट्टी को अकालग्रस्त क्षेत्र के रूप में मान्यता देने की अनुमति देती है। अल-बरश ने कल अनादोलु समाचार एजेंसी से कहा कि गाजा के लगभग 91 प्रतिशत निवासी गंभीर खाद्यान्न की कमी का सामना कर रहे हैं अन्य 65 प्रतिशत के पास स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नही है। लगभग 92 प्रतिशत बच्चे और स्तनपान कराने वाली माताएं खाद्यान्न की कमी से बुरी तरह पीड़ति हैं जो उनके जीवन के लिए सीधा खतरा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से गाजा पट्टी को आधिकारिक रूप से अकालग्रस्त क्षेत्र के रूप में मान्यता देने का आग्रह किया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कल चिकित्सा और मानवीय संगठनों के साथ-साथ दुनिया भर के कार्यकर्ताओं से युद्ध क्षेत्र में फिलिस्तीनी बच्चों का समर्थन करने के लिए एक सप्ताह तक चलने वाला अभियान चलाने का आह्वान किया। मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से गाजा में आपातकालीन चिकित्सा दल, प्राथमिक चिकित्सा आदि की खेप भेजने और सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों पर एन्क्लेव की नाकाबंदी समाप्त करने के लिए दबाव डालने का भी आग्रह किया।

हार्वर्ड यूनिः टैक्स फ्री दर्जा खत्म करेंगेः ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स फ्री संस्थान का दर्जा खत्म करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वे इसी के हकदार हैं। इससे पहले हार्वर्ड की 2.2 अरब डालर फंडिंग पर रोक लगा चुके हैं। दरअसल ट्रम्प प्रशासन ने यूनिवर्सिटी से यह मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपे। प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए। यूनिवर्सिटी ने इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में केस भी किया है।

यूनिवर्सिटी का आरोप है कि ट्रम्प सरकार राजनीतिक दबाव बनाकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड ने इसे यूनिवर्सिटी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन का आरोप लगाया है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डालर के फंड की समीक्षा कर रहा था। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट प्रथम संशोधन का उल्लंघन करता है।

विदेश मंत्रालय ने नेपाली छात्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित कलिंग इंस्टीट्यूट आफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एक नेपाली छात्रा के आकस्मिक निधन पर शोक एवं परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में कहा कि हम केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के एक नेपाली छात्रा के दुखद निधन से बहुत दुखी हैं। हम इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। इस दुखद घटना के बारे में पता चलने के बाद विदेश मंत्रालय ओडिशा राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क में है। ओडिशा राज्य सरकार छात्रा के परिवार को पूरा सहयोग दे रही है। वर्तमान में ओडिशा पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण को बहुत गंभीरता से लेती है।

नासाः स्फीयरएक्स का विज्ञान संचालन शुरू

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अंतरिक्ष वेधशाला स्फीयरएक्स ने आधिकारिक तौर पर विज्ञान संचालन शुरू कर दिया है जो ब्रह्मांड की उत्पत्ति, आकाशगंगाओं के विकास और आकाशगंगा में जीवन के निर्माण खंडों में नई अंतर्दृष्टि को उजागर करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नासा ने गुरुवार को यह घोषणा की। नासा ने बताया कि स्फीयरएक्स अगले दो वर्षों में प्रतिदिन लगभग 3,600 चित्र लेगा एवं पूरे आकाश का व्यवस्थित रूप से सर्वेक्षण करेगा। नासा के अनुसार 11 मार्च को लॉन्च किए गए स्फीयरएक्स ने पिछले छह सप्ताह जांच, अंशांकन और अन्य गतिविधियों से गुजरते हुए बिताए हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह ठीक से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब विज्ञान संचालन शुरू होने के साथ वेधशाला तीन आयामों में करोड़ों आकाशगंगाओं की स्थिति का चार्ट बनाएगी। इसका लक्ष्य ब्रह्मांड विज्ञान में कुछ सबसे गहन प्रश्नों को संबोधित करना है, जैसे कि ब्रह्मांड कैसे शुरू हुआ और इसकी बड़े पैमाने की संरचना कैसे विकसित हुई। वाशिंगटन में नासा मुख्यालय में खगोल भौतिकी प्रभाग के कार्यवाहक निदेशक शॉन डोमागल-गोल्डमैन ने कहा यह नई वेधशाला अंतरिक्ष आधारित खगोल भौतिकी सर्वेक्षण मिशनों के समूह में शामिल हो रही है जो नासा के नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप के प्रक्षेपण की ओर अग्रसर है। इन अन्य मिशनों के साथ वेधशाला ब्रह्मांड के बारे में उन बड़े सवालों के जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस साल भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता करेंगे

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविक ने वैश्विक व्यापार चुनौतियों के समाधान के लिए एक दूरदर्शी और ठोस वार्ता की और 2025 के अंत तक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता एफटीए संपन्न करने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की। बातचीत में दोनों नेताओं ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन द्वारा फरवरी 2025 में यूरोपीय संघ के आयुक्तों के कॉलेज की नई दिल्ली की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान दोनों पक्षियों के संबंधों को दी गई रणनीतिक दिशा पर आधारित है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गोयल की यूरोप की यात्रा के निष्कर्ष पर शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि उच्च स्तरीय सहभागिता इस बात को रेखांकित करती है कि दोनों साझेदार एक व्यावसायिक रूप से सार्थक, पारस्परिक रूप से लाभकारी, संतुलित और निष्पक्ष व्यापार साझेदारी बनाने के लिए रणनीतिक महत्व रखते हैं जो आर्थिक सशक्त और समावेशी विकास का समर्थन करती है। गोयल की यूरोपीय संघ के साथ इस बातचीत में एफटीए वार्ता के विभिन्न पहलुओं पर हुई प्रगति पर प्रकाश डाला गया और मासिक बैठकों और निरंतर आभासी सहभागिता के माध्यम से चल रही गति को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने आपसी सम्मान और व्यावहारिकता की भावना से लंबित मुद्दों को हल करने के अपने उद्देश्य को दोहराया, जिसमें 12-16 मई 2025 को नई दिल्ली में होने वाला अगला दौर भी शामिल है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि व्यापार वार्ता में सार्थक प्रगति के लिए प्रशुल्क कटौती चर्चाओं के साथ-साथ गैर- प्रशुल्कीय बाधाओं पर भी समान ध्यान देने की आवश्यकता है और नियामक ढांचे को समावेशी, आनुपातिक होना चाहिए तथा व्यापार को प्रतिबंधित करने से बचना चाहिए। भारत-यूरोपीय संघ एफटीए डिजिटल संक्रमण का समर्थन करके, विविध और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देकर वैश्विक वाणिज्य की उभरती वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने की आकांक्षा रखता है। विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की कि एक बार समझौता हो जाने पर, यह व्यापक भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी के एक परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में काम करेगा, बाजार में प्रवेश की सुगमता को बढ़ाएगा, नियामक सहयोग का समर्थन करेगा और दोनों पक्षों में नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा।

भारत के निर्यात में 6.01% की वृद्धि

824.9 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूआः आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्च 2025 के लिए सेवा व्यापार पर जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल निर्यात (वस्तु एवं सेवा निर्यात सहित) 6.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2024.25 में 824.9 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया है। रिजर्व बैंक के आंकडों के अनुसार सेवा निर्यात ने विकास की गति को आगे बढ़ाया, जो 2024.25 में 387.5 अरब डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 341.1 अरब डॉलर से 13.6 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2025 में, सेवा निर्यात 35.6 अरब डॉलर रहा, जो मार्च 2024 में 30.0 अरब डॉलर की तुलना में 18.6 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष सकल निर्यात 778.1 अरब डॉलर के बराबर था। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा देश के व्यापार की प्रगति की राह में एक नया मील का पत्थर स्थापित करता है। वर्ष 2024-25 में, पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर व्यापारिक निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 374.1 अरब डॉलर हो गया, जो 2023.24 में 352.9 अरब डॉलर से 6.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है।

गिफ्ट निफ्टी ने अप्रैल 2025 में रचा नया कीर्तिमान

मुंबई। गिफ्ट निफ्टी ने अप्रैल 2025 में 100-93 अरब डॉलर का अब तक का सबसे उच्च मासिक कारोबार हासिल करके एक नया कीर्तिमान बनाया है। यह उल्लेखनीय यह कीर्तिमान सितंबर 2024 में 100.7 अरब डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई है। यह भारत की विकास कहानी के लिए एक बेंचमार्क के रूप में गिफ्ट निफ्टी में बढ़ती वैश्विक रुचि और विश्वास को दर्शाता है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि हमें गिफ्ट निफ्टी की सफलता को देखकर खुशी हुई है।